RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

वर्ष :15 । अंक:233। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com

|| अहमदाबाद, (गुरूवार) 16 अप्रैल 2026 ||

सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

लोकतंत्र का चीरहरण: कहीं अपहरण तो कहीं धमकी, गुजरात निकाय चुनाव में 'साम-दाम-दंड-भेद' का तांडव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/सूरत: गुजरात में आगामी 26 अप्रैल को होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों से पहले ही सूबे की राजनीति में भूचाल आ गया है। नामांकन वापस लेने के अंतिम दिन जिस तरह का हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला, उसने चुनावी शुचिता पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। विपक्ष का आरोप है कि भाजपा अब चुनाव लड़कर नहीं, बल्कि उम्मीदवारों को 'अगवा' कर जीतना चाहती है।

सूरत: 'आप' उम्मीदवार का फिल्मी स्टाइल में अपहरण!

सूरत में लोकतंत्र उस वक्त शर्मसार हो गया जब आम आदमी पार्टी (AAP) ने सनसनीखेज आरोप लगाया कि उनके उम्मीदवार को भाजपा के लोगों ने जबरन कार में उठाकर अपहरण कर लिया। 'आप' नेताओं का कहना है कि पुलिस मूकदर्शक बनी रही और भाजपा के इशारे पर उनके कैंडिडेट को बंधक बनाकर नामांकन वापस लेने का दबाव बनाया गया। इस घटना से पूरे सूरत शहर में तनाव का माहौल है।

गोंडल: जयराज-गणेश के दांव-पेच और 'कॉन्ट्रैक्ट' पॉलिटिक्स

राजकोट के गोंडल में भी सियासी पारा सातवें आसमान पर है। यहाँ जयराज सिंह और गणेश सिंह के इर्द-गिर्द घूमती राजनीति ने नया मोड़ ले लिया है। चर्चा गरम है कि, 'अगर जयराज-गणेश ने कॉन्ट्रैक्ट दिया है, तो मुझे भी लाभ मिलना चाहिए।' इस बयान ने क्षेत्र में हलचल मचा दी है। गोंडल में फौरन खींचने के लिए जिस तरह की गुंडागर्दी और सौदेबाजी के आरोप लग रहे हैं, उसने प्रशासन की निष्पक्षता की पोल खोल दी है।

विपक्ष के तीखे प्रहार: 'प्रशासन बना भाजपा का एजेंट'

गुजरात प्रदेश कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने साझा तौर पर भाजपा सरकार को घेरा है। डॉ. मनीष दोषी ने आरोप लगाया कि:

विपक्षी उम्मीदवारों को नजरबंद किया जा रहा है।

होमगार्ड से लेकर पुलिस प्रशासन तक, भाजपा-RSS से जुड़े लोग चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित कर रहे हैं।

सीएम के गृह क्षेत्रों में भी जनता के भारी आक्रोश को देखते हुए अब भाजपा डराने-धमकाने पर उतर आई है।

अब सबकी नजरें चुनाव आयोग पर हैं—क्या लोकतंत्र के इस 'अपहरण' को रोका जाएगा या सत्ता का बल ही आखिरी फैसला सुनाएगा ।

'मतदाता सूची से केवल घुसपैठियों के नाम हटाए'

●अब उन्हें देश से बाहर करना लक्ष्य: गृह मंत्री अमित शाह

एजेंसी

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची से घुसपैठियों के केवल नाम हटाए हैं, जबकि अगला कदम उन्हें देश की सीमाओं से बाहर करना होगा। आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर उत्तर बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने यह बयान दिया। कूचबिहार जिले के तुफानगंज में जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने पर पूर्वी सीमाओं को इस तरह सील किया जाएगा कि 'परिंदा भी पर नहीं मार सके।' उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सीमा पर बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल को आवश्यक भूमि उपलब्ध नहीं करा रही हैं। शाह ने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद 45 दिनों के भीतर सीमांकन का कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह केवल घुसपैठ रोकने तक सीमित नहीं है, बल्कि जो लोग पहले से देश में प्रवेश कर चुके हैं, उन्हें बाहर निकालना भी आवश्यक है। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार घुसपैठ के मुद्दे पर गंभीर नहीं है। हाल ही में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के दौरान बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने का जिक्र करते हुए अमित शाह ने कहा कि इस मुद्दे पर राजनीतिक विवाद खड़ा किया जा रहा है। तृणमूल कांग्रेस ने इस प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग पर पक्षपात के आरोप लगाए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर उत्तर बंगाल की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य के बजट में इस क्षेत्र को अपेक्षित महत्व नहीं दिया गया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार बनने पर राजबंशी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने और 'नारायणी बटालियन' के गठन जैसे कदम उठाए जाएंगे।

हुमायूं कबीर को 'मोहरा' बनाकर ममता ने रची थी बाबरी मस्जिद निर्माण की साजिश : अमित शाह

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने बुधवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पूर्व तृणमूल कांग्रेस विधायक हुमायूं कबीर को 'मोहरा' बनाकर राज्य में बाबरी जैसी मस्जिद निर्माण की साजिश रची जा रही है। अलीपुरद्वार जिले के फालाकाटा में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि ममता बनर्जी ने हुमायूं कबीर को पार्टी से अलग कर एक राजनीतिक रणनीति के तहत आगे बढ़ाया है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में 'बाबरी मस्जिद जैसा ढांचा' बनाने की कोशिश कभी सफल नहीं होगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने मुख्यमंत्री पर परिवारवाद का आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले 15 वर्षों में उनका पूरा ध्यान केवल अपने भतीजे को आगे बढ़ाने पर रहा है। हालांकि, उन्होंने सीधे तौर पर तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी का नाम नहीं लिया, लेकिन इशारों में उन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए देश का हर नागरिक परिवार के सदस्य जैसा है, जबकि ममता बनर्जी केवल अपने परिजनों को आगे बढ़ाने में लगी हैं। अमित शाह ने दावा किया कि बिहार और ओडिशा के बाद अब पश्चिम बंगाल में भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने की बारी है।

आस्था पर प्रहार श्री अभय पार्श्वनाथ जिनालय के प्रतिष्ठा महोत्सव को रोकने की बड़ी साजिश, 'हनीट्रैप' और 'ब्लैकमेलिंग' का गंदा खेल

पवन माकन

डिजिटल षड्यंत्र
सच की पड़ताल

जैन मुनियों को बदनाम करने के लिए डेढ़ साल पुराने 'फेक वीडियो' का सहारा, करोड़ों की उगाही में जुटी गैंग; चुनाव के माहौल में जैन समाज में भारी आक्रोश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत । डायमंड सिटी सूरत के पॉश इलाके वेसु में आगामी 23 अप्रैल 2026 को होने वाले श्री अभय पार्श्वनाथ भगवान जिनालय के भव्य अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। लेकिन यह संकट प्राकृतिक नहीं, बल्कि इंसानी साजिशों का नतीजा है। 'महानगर मेट्रो' को मिली जानकारी के अनुसार, इस पवित्र महोत्सव को रोकने और जैन समाज की आस्था को ठेस पहुँचाने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का षड्यंत्र रचा गया है, जिसमें 'हनीट्रैप' और 'डिजिटल ब्लैकमेलिंग' जैसे हथकंडों का इस्तेमाल हो रहा है।

फेक वीडियो और वसूली का मायाजाल

सूत्रों के मुताबिक, जैन मुनियों की छवि धूमिल करने के लिए एक शातिर गिरोह सक्रिय है। यह गिरोह करीब डेढ़ साल पुराने 'एडिटेड' और 'फेक' वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर करोड़ों रुपये की फिरौती (Protection Money) मांग रहा है। चौंकाने वाली बात यह है कि पूर्व में हुई जांच में इन वीडियो को पूरी तरह फर्जी पाया गया था, बावजूद इसके प्रतिष्ठा महोत्सव के ठीक पहले इन्हें दोबारा हवा दी जा रही है ताकि समाज में अशांति फैले।

कौन हैं इस साजिश के मास्टरमाइंड

इस पूरे षड्यंत्र के पीछे मुंबई के स्वयंभू रिपोर्टर हार्दिक हुडिया और अहमदाबाद के जगत पारेख का नाम प्रमुखता से सामने आ रहा है। बताया जा रहा है कि जगत पारेख के खिलाफ पहले भी कई थानों में आपराधिक मामले दर्ज हैं। यह गिरोह कथित तौर पर समाज के भीतर रहकर ही धर्मगुरुओं के खिलाफ प्रोपेगेंडा चलाता है और मांग पूरी न होने पर चरित्र हनन (Character Assassination) की कोशिश करता है।

प्रशासन और संस्थाओं पर 'सिस्टमैटिक' दबाव

साजिशकर्ताओं ने अब सरकारी तंत्र का दुरुपयोग करना भी शुरू कर दिया है: SMC में फर्जी शिकायतः जिनालय के निर्माण कार्य को रुकवाने के लिए सूरत नगर निगम में झूठी अर्जियां डाली गई हैं। संस्थाओं को धमकीः सूरत डायमंड एसोसिएशन जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं पर दबाव बनाया जा रहा है कि वे इस प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव से दूरी बना लें।

चुनाव पर पड़ सकता है गंभीर असर

गुजरात में वर्तमान में चुनावी माहौल है। जैन समाज, जो अपनी शांतिप्रिय प्रकृति और मजबूत व्यापारिक पकड़ के लिए जाना जाता है, इस घटनाक्रम से बेहद आक्रोशित है। जानकारों का मानना है कि यदि प्रशासन ने समय रहते इन असामाजिक तत्वों पर नकेल नहीं कसी, तो जैन समाज का यह गुस्सा आगामी चुनावों के समीकरणों को बिगाड़ सकता है।

महानगर मेट्रो की अपील

ऐसे तत्व जो धर्म की आड़ में ब्लैकमेलिंग का धंधा कर रहे हैं, उनका किसी समाज से लेना-देना नहीं होता। 'महानगर मेट्रो' प्रशासन से मांग करता है कि हार्दिक हुडिया और जगत पारेख जैसे संदिग्धों की तत्काल जांच कर उन्हें सलाखों के पीछे भेजा जाए। जैन समाज को भी एकजुट होकर ऐसे 'आस्तीन के सांपों' का सामाजिक बहिष्कार करना चाहिए। 'धर्म की मर्यादा से खिलवाड़ करने वाले और मुनि भगवंतों को बदनाम करने वाले इन चेहरों को जनता कभी माफ नहीं करेगी। '

छत्तीसगढ़ पावर प्लांट हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 17 हुई

●घायलों को सर्वोत्तम उपचार उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं : सीएम

एजेंसी

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता पावर प्लांट हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। जिले के पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मंगलवार को हुए इस भीषण हादसे में कुल 36 श्रमिक झुलस गए थे। इनमें से 17 श्रमिकों की मौत हो चुकी है तथा 19 घायल हैं, जिनका उपचार चल रहा है। कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार घायलों को सर्वोत्तम उपचार उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान कर उनके परिजनों से संपर्क स्थापित किया जा रहा है। पोस्टमार्टम के बाद पार्थिव शरीर को उनके गृहग्राम तक एम्बुलेंस के माध्यम से भेजने और तात्कालिक सहायता राशि उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

सीबीएसई कक्षा 10 के नतीजे घोषित

●93.70 फीसदी उत्तीर्ण, क्षेत्रवार प्रदर्शन में त्रिवेंद्रम और विजयवाड़ा अव्वल

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बुधवार को कक्षा 10 की परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। इस वर्ष कुल 93.70 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए, जो पिछले वर्ष के 93.66 प्रतिशत की तुलना में 0.04 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्शाता है। बोर्ड के अनुसार, इस वर्ष 24,83,479 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 24,71,777 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए और 23,16,008 छात्र-छात्राएं सफल घोषित किए गए। परीक्षा का आयोजन 17 फरवरी से 11 मार्च 2026 तक किया गया था। क्षेत्रवार प्रदर्शन में त्रिवेंद्रम और विजयवाड़ा क्षेत्र 99.79 प्रतिशत के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहे, जबकि चेन्नई (99.58 प्रतिशत) और बेंगलुरु (98.91 प्रतिशत) ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। दिल्ली पश्चिम और दिल्ली पूर्व क्षेत्र का पास प्रतिशत क्रमशः 97.45 और 97.33 रहा।

परिणाम में छात्राओं का प्रदर्शन छात्रों के मुकाबले बेहतर रहा। परिणामों के मुताबिक 94.99 प्रतिशत छात्राएं पास हुईं, जबकि 92.69 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए। ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों का पास प्रतिशत 87.50 रहा। संस्थागत प्रदर्शन की बात करें तो केन्द्रीय विद्यालय (केवी) ने 99.57 प्रतिशत के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया, इसके बाद जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) 99.42 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहे। सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों का पास प्रतिशत क्रमशः 91.43 और 91.01 रहा विदेशी स्कूलों का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा, जहां पास प्रतिशत 99.10 दर्ज किया गया। इस वर्ष परीक्षा में कुल 2,21,574 छात्रों ने 90 प्रतिशत या उससे ज़्यादा अंक हासिल किए।

●दिल्ली पश्चिम और दिल्ली पूर्व क्षेत्र का पास प्रतिशत क्रमशः 97.45 और 97.33 रहा।

इनमें से 55,368 छात्रों ने 95 प्रतिशत से ज़्यादा अंक प्राप्त किए। इस वर्ष बड़ी संख्या में छात्रों ने 90 प्रतिशत और उससे अधिक अंक हासिल किए, जो छात्रों के बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन को दर्शाता है। सीबीएसई ने बताया कि 1,47,172 छात्रों को कंपार्टमेंट श्रेणी में रखा गया है, जो कुल उम्मीदवारों का 5.95 प्रतिशत है। इन छात्रों को परीक्षा के दूसरे चरण में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का अवसर मिलेगा। पिछले वर्ष 5.96 प्रतिशत की तुलना में यह मामूली कमी है।

सांसद राघव चड्ढा को केंद्र से मिली जेड श्रेणी की सुरक्षा!

एजेंसी

नई दिल्ली। । केंद्र सरकार ने आम आदमी पार्टी (आआपा) के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा को जेड श्रेणी की सुरक्षा देने का फैसला किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार खुफिया विभाग की जानकारी और उन्हें खतरे के आकलन के बाद यह फैसला लिया गया है।

सूत्रों ने बताया कि राघव को दिल्ली और पंजाब में अर्धसैनिक बलों द्वारा सुरक्षा प्रदान की जाएगी। फिलहाल दिल्ली पुलिस को उनकी सुरक्षा का जिम्मा सौंपा गया है और बाद में केंद्रीय व्यवस्था उनकी सुरक्षा देखेगी। इससे पहले पंजाब की आआपा सरकार ने राघव चड्ढा को दी गई जेड प्लस सुरक्षा वापिस ले ली। वे पंजाब से ही राज्यसभा के सदस्य हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही में आआपा ने राघव चढ्ढा को राज्यसभा में पार्टी के उपनेता पद से हटाकर उनके स्थान पर अशोक मित्तल को जिम्मेदारी दी। आआपा ने राज्यसभा सचिवालय को भी सूचित कर दिया था कि चड्ढा को अब पार्टी कोटे से बोलने का समय न दिया जाए।

प्रौद्योगिकी करुणा और ईमानदारी की जगह कभी नहीं ले सकती : राष्ट्रपति

●डॉक्टर केवल बीमारियों का उपचार ही नहीं करते, बल्कि मरीजों के मन में आशा भी जगाते हैं : द्रौपदी मुर्मु

नागपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को महाराष्ट्र के नागपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के दूसरे दीक्षांत समारोह में शिरकत की। इस दौरान राष्ट्रपति ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र केवल एक पेशा नहीं, यह संवेदनशीलता के साथ मानवता की सेवा करने का माध्यम है। डॉक्टर केवल बीमारियों का उपचार ही नहीं करते, बल्कि मरीजों के मन में आशा भी जगाते हैं। नतीजतन आधुनिक प्रौद्योगिकी चाहे जितनी तरक्की कर ले वह कभी करूणा, ईमानदारी और संवेदनशीलता की जगह नहीं ले सकती।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि डॉक्टरों द्वारा दिया गया परामर्श न केवल मरीजों को, बल्कि उनके परिवारजनों को भी मानसिक बल प्रदान करता है। कई बार डॉक्टरों को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, फिर भी उन्हें हर स्थिति में मरीजों और उनके परिवारों के प्रति संवेदनशील बने रहना चाहिए। साथ ही, मरीजों और उनके परिजनों को भी चिकित्सा पेशेवरों के प्रति सम्मान बनाए रखना चाहिए। डॉक्टर और मरीज के बीच विश्वास का संबंध बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि नागरिकों का अच्छा स्वास्थ्य जितना उनके व्यक्तिगत कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है, उतना ही राष्ट्र की प्रगति के लिए भी आवश्यक है। स्वस्थ नागरिक ही राष्ट्र निर्माण में अपनी पूर्ण क्षमता से योगदान दे सकते हैं। इस दिशा में केंद्र सरकार की ओर से पिछले एक दशक में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि देशभर में नए एम्स

संस्थानों की स्थापना से न केवल बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हुई हैं, बल्कि चिकित्सा शिक्षा के अवसर भी बढ़े हैं। एम्स नागपुर ने स्थापना के कुछ ही वर्षों में चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक अग्रणी केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाई है। राष्ट्रपति ने कहा कि वर्तमान समय स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में तीव्र परिवर्तन का युग है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं और उन्नत अनुसंधान के माध्यम से चिकित्सा क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हो रही है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच स्वास्थ्य सुविधाओं की खाई को पाटने के लिए प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समाज में डॉक्टरों को उच्च स्थान प्राप्त है और लोग उन पर विश्वास करते हैं इसलिए मरीजों के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देना डॉक्टरों का सामाजिक और नैतिक कर्तव्य है। इस कर्तव्य का निष्ठापूर्वक पालन करके वे न केवल अपनी, बल्कि पूरे चिकित्सा पेशे की प्रतिष्ठा को और ऊंचा कर सकते हैं। राष्ट्रपति ने युवा डॉक्टरों को जीवनभर सीखते रहने और नवाचार तथा अनुसंधान को अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी कितनी भी उन्नत क्यों न हो जाए, वह करुणा, ईमानदारी और मरीज-केंद्रित दृष्टिकोण का स्थान कभी नहीं ले सकती। उन्होंने डॉक्टरों से हमेशा मानवीय मूल्यों को बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोग भाग्यशाली हैं कि उन्हें मानवता की सेवा का एक अनूठा अवसर मिला है। उन्हें इस जिम्मेदारी को गर्व और संवेदनशीलता के साथ निभाना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पास होने वाले विद्यार्थी न केवल अपने व्यक्तिगत जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे, बल्कि देशवासियों को स्वस्थ रखने में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

घुसपैठियों को अपना और भारतीयों को पराया मानती है टीएमसी: स्मृति ईरानी

●टीएमसी करती है चुनाव आयोग की गरिमा का अपमान

एजेंसी

कोलकाता। भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के मद्देनजर बुधवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर तीखा हमला बोला है। स्मृति ईरानी ने बातचीत करते हुए कहा, 'भारत के संविधान ने चुनाव के लिए एक स्पष्ट प्रक्रिया तय की है, लेकिन टीएमसी के गुंडे बार-बार इस व्यवस्था पर प्रहार कर रहे हैं। टीएमसी जिस तरह कटाक्ष कर रही है, वह आयोग की गरिमा का अपमान है। हर भारतीय नागरिक और मतदाता को इसका विरोध करना चाहिए और टीएमसी सरकार के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।' स्मृति ईरानी ने चुनाव आयोग की सराहना करते हुए कहा, 'भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं ने देशभर में विशेष तौर पर पश्चिम बंगाल में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के माध्यम से मतदाता सूची साफ करने का काम को देखा है। चुनाव आयोग ने निर्भीक और पारदर्शी तरीके से यह कार्य किया है। उनका एकमात्र संकल्प है कि मतदाता सूची में कोई घुसपैठिया न रहे और किसी भी मतदाता का नाम दोहरा न हो। उन्होंने पूछा, 'क्या यह संकल्प हर भारतीय का संकल्प नहीं है? फिर ऐसा क्यों है कि टीएमसी भारतीय नागरिकों को पराया मानती है और घुसपैठियों को अपना? '

टोंक की बेटी सांची कुमावत बनी जिला टॉपर, CBSE बोर्ड में शानदार सफलता

आईएनए ने सांची की मेहनत को दिशा देने का काम किया : विष्णु श्रीमाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक। टोंक जिले की होनहार छात्रा सांची कुमावत ने CBSE बोर्ड कक्षा 10वीं परीक्षा में 96.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में सर्वोच्च स्थान हासिल किया है। सांची की इस शानदार उपलब्धि से परिवार, शिक्षकों और पूरे जिले में खुशी का माहौल है। सांची के पिता रविन्द्र कुमावत ने बेटी की सफलता का श्रेय उसकी मेहनत और आईएनए (आईआईटीयंस नवोदय एकेडमी) के सशक्त मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने कहा कि संस्थान के शिक्षकों ने सही दिशा देकर सांची को इस मुकाम तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

सांची की माता निर्मल कुमावत, जो स्वयं आईएनए में संस्कृत शिक्षिका हैं, ने भी बेटी की पढ़ाई में विशेष योगदान दिया। सांची ने बताया कि पढ़ाई के दौरान अनुशासन, समय प्रबंधन और नियमितता बनाए रखने में उनकी मां ने हर कदम पर मार्गदर्शन किया। वहीं आईएनए के डायरेक्टर विष्णु श्रीमाल ने सांची की उपलब्धि को अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि सांची ने मेहनत की और उस मेहनत को सही दिशा देने का कार्य आईएनए ने किया। सांची की इस सफलता ने यह साबित कर दिया कि मेहनत, अनुशासन और सही मार्गदर्शन से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। टोंक जिले में सांची की उपलब्धि पर गर्व का माहौल है।

फ्लिपकार्ट ने उबर से मिलाया हाथ, हर राइड पर मिलेंगे सुपरकॉइन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने आज भारत के अग्रणी मोबिलिटी प्लेटफॉर्म्स में शुमार उबर के साथ साझेदारी की घोषणा की। इस साझेदारी के माध्यम से यूजर्स को उबर राइड पर सुपरकॉइन कमाने का मौका मिलेगा। इस पहल से सुपरकॉइन को लाइफस्टाइल लॉयल्टी प्रोग्राम का हिस्सा बनाने में मदद मिलेगी, जिससे यूजर अपनी रोजाना की राइड पर सुपरकॉइन प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही इससे रिवार्ड्स को भारत के लॉयल्टी इकोसिस्टम का हिस्सा बनाने का फ्लिपकार्ट का विजन भी साकार होगा। उबर को इससे हर दिन की मोबिलिटी के साथ बेहतर वैल्यू देने में मदद मिलेगी। फ्लिपकार्ट और उबर अकाउंट को लिंक करते हुए यूजर अपनी योग्य उबर राइड के किराए पर 4 प्रतिशत सुपरकॉइन प्राप्त कर सकेंगे। एक राइड पर अधिकतम 150 सुपरकॉइन मिलेंगे। कुल कमाई की कोई अधिकतम सीमा नहीं होगी। इन सुपरकॉइन को सीधे यूजर के फ्लिपकार्ट अकाउंट में क्रेडिट कर दिया जाएगा, जिनका प्रयोग फ्लिपकार्ट मिनट्स, क्लियरट्रिप समेत पूरे फ्लिपकार्ट इकोसिस्टम और पार्टनर ऑफरिंग्स पर किया जा सकेगा।

इस साझेदारी को लेकर फ्लिपकार्ट के पेमेंट्स एंड सुपरकॉइन वाइस प्रेसिडेंट गौरव अरोड़ा ने कहा, सुपरकॉइन रोजाना की गतिविधियों में एक व्यापक रिवार्ड लेयर के रूप में उभर रहा है। मोबिलिटी से इसे जोड़ना इस दिशा में एक स्वाभाविक कदम है। उबर के साथ इस साझेदारी के माध्यम से हम ग्राहकों के रोजाना के ट्रांजैक्शन से ज्यादा सुगम तरीके से जुड़ सकेंगे। पूरे इकोसिस्टम से गहराई से जुड़ने के लिए हम आगे भी सुपरकॉइन को विभिन्न कैटेगरी से जोड़ना जारी रखेंगे।

इस गठजोड़ के तहत एक लिमिटेड टाइम इन्सेंटिव भी दिया जा रहा है। इसमें नए उबर यूजर्स या ऐसे यूजर्स जिन्होंने पिछले 84 दिन में उबर एप का इस्तेमाल नहीं किया है, वे अकाउंट लिंक करने के 28 दिन के अंदर अपनी पहली राइड पर 150 बोनस सुपरकॉइन प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा, 15 से 30 अप्रैल के भीतर फ्लिपकार्ट और उबर अकाउंट को लिंक करने वाले यूजर्स को लिंक करने के 28 दिन के अंदर पहली राइड पूरी करने पर 50 बोनस सुपरकॉइन मिलेंगे।

पालनपुर की एक फैक्ट्री में हुए भीषण धमाके की खबर को 'महानगर मेट्रो' की शैली में बेहद संवेदनशील और प्रभावशाली तरीके से यहाँ प्रस्तुत किया गया है:

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पालनपुर । बनासकांठा जिले के पालनपुर में आज एक हृदयविदारक घटना घटी। यहाँ की एक फैक्ट्री में अचानक हुए शक्तिशाली विस्फोट (ब्लास्ट) से पूरा इलाका थर्रा उठा। इस भीषण दुर्घटना में अब तक 10 से अधिक व्यक्तियों के घायल होने की खबर है, जिनमें से कुछ की हालत बेहद नाज़ुक बताई जा रही है। धमाका इतना जोरदार था कि इसकी गूँज कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई।

चीख-पुकार और अफरातफरी: मलबे में तब्दील हुई फैक्ट्री

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, धमाका दोपहर के वक्त हुआ जब फैक्ट्री में काम पूरी गति से चल रहा था। अचानक हुए ब्लास्ट के बाद फैक्ट्री परिसर में आग लग गई और चारों तरफ धुएं का गुबार छा गया।

राहत और बचाव कार्य: घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं।

घायलों की स्थिति: मलबे और आग की चपेट में आने से घायल हुए 10 से अधिक कर्मचारियों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार, कई श्रमिक गंभीर रूप से झुलस गए हैं।

मलबे में दबने की आशंका: राहत कर्मियों द्वारा अभी भी सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई और मलबे के नीचे दबा न हो।

ब्लास्ट का कारण: लापरवाही या तकनीकी खराबी

शुरुआती जांच में धमाके के कारणों का पता नहीं चल पाया है, लेकिन आशंका जताई जा रही है कि बॉयलर फटने या किसी केमिकल रिएक्शन की वजह से यह हादसा हुआ होगा।

महानगर मेट्रो के सुलगते सवाल

1.सुरक्षा ऑडिट कहाँ है क्या फैक्ट्री में अग्नि सुरक्षा और औद्योगिक सुरक्षा के नियमों का पालन किया जा रहा था

2.मजदूरों की जान सस्ती क्यों औद्योगिक क्षेत्रों में बार-बार होने वाले ऐसे हादसों के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर गाज कब गिरेगी

3.मुआवजे का ऐलान: क्या पीड़ित परिवारों और घायलों को सरकार और प्रबंधन की ओर से उचित सहायता समय पर मिल पाएगी

निष्कर्ष: सबक लेने का समय

पालनपुर का यह हादसा एक बार फिर औद्योगिक सुरक्षा पर सवालिया निशान लगाता है। विकास की दौड़ में मजदूरों की सुरक्षा को ताक पर रखना एक बड़े अपराध से कम नहीं है। महानगर मेट्रो घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता है। महानगर मेट्रो की अपील: औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिक हमारे विकास की रीढ़ हैं। उनकी सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कतई बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।

मेरा वार्ड, मेरा मत - वार्ड नंबर 15: मानसून में कमर तक पानी, साल भर गटर की गंदगी; चुनाव आते ही शुरू हुआ 'दिखावे' का काम!

चुनावी ढोल बजते ही जागा प्रशासन? वार्ड-15 के निवासियों का आक्रोश: 'हमें सुविधाएं चाहिए, नेताओं के खोखले वादे नहीं! '

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद । अहमदाबाद म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (AMC) के 'स्मार्ट सिटी' के दावों की पोल वार्ड नंबर 15 में सरेआम खुल रही है। यहाँ के निवासी वर्षों से नारकीय स्थिति में जीने को मजबूर हैं। मानसून आते ही सड़कें नदियां बन जाती हैं और गटर का गंदा पानी लोगों के ड्राइंग रूम तक पहुंच जाता है। हैरानी की बात यह है कि सालों तक कुंभकर्णी नींद में सोया रहा प्रशासन अब चुनाव नजदीक आते ही अचानक जाग गया है और दिखावे के लिए मरम्मत का काम शुरू कर दिया है।

नर्क जैसे हालात: कमर तक पानी और गटर का टॉर्चर

वार्ड नंबर 15 के विभिन्न इलाकों का दौरा करने पर जनता का भारी रोष देखने को मिला। स्थानीय निवासियों ने 'महानगर मेट्रो' के सामने अपना दर्द साझा करते हुए बताया:

मानसून की तबाही: हर साल बारिश में यहाँ कमर तक पानी भर जाता है। वाहन बंद हो जाते हैं, बीमारियां फैलती हैं और बच्चों का स्कूल जाना तक दूभर हो जाता है।

गटर की स्थायी समस्या: गटर लाइनें चोक होने के कारण गर्मियों में भी सड़कों पर बदबूदार पानी बहता रहता है। प्रशासन को सैकड़ों शिकायतों के बाद भी केवल 'आश्वासन' ही मिला है।

चुनावी स्टंट: अब जब चुनाव करीब हैं, तो अचानक जेसीबी (JCB) और मशीनें दिखने लगी हैं। जनता पूछ रही है– 'साहब, पिछले चार साल आप कहाँ थे ' वार्ड-15 की जनता का सीधा सवाल: अब किस मुंह से वोट मांगने आओगे स्थानीय लोगों में नेताओं और अधिकारियों के प्रति जबरदस्त नाराजगी है। निवासियों का कहना है कि काम के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है। गटर की समस्या का कोई ठोस समाधान निकालने के बजाय केवल 'पैचवर्क' से काम चलाया जा रहा है। 'चुनाव आते ही नेता हाथ जोड़कर दरवाजे पर आ जाते हैं, लेकिन जब हम गंदे पानी में डूबे होते हैं, तब कोई झांकने तक नहीं आता। इस बार हम झूठे वादों में फंसने वाले नहीं हैं। '

वार्ड-15 के एक जागरूक नागरिक

महानगर मेट्रो का तीखा कटाक्ष AMC के अधिकारियों और सत्ताधारी दल के नेताओं के लिए वार्ड-15 एक आईना है। स्मार्ट सिटी के सपने बेचने वाले नेताओं को एक बार इस वार्ड की गलियों में बिना सुरक्षा के घूमना चाहिए। चुनाव के वक्त जो मशीनें और मजदूर सड़कों पर दिख रहे हैं, अगर यही सक्रियता पहले दिखाई होती, तो आज जनता को 'त्राहिमाम' नहीं पुकारना पड़ता।

हमारा संकल्प: जनता के सवाल, सत्ता के गलियारों तक

'मेरा वार्ड, मेरा मत' अभियान के तहत 'महानगर मेट्रो' जनता की समस्याओं को उठाता रहेगा। वार्ड-15 की जनता ने इस बार अपना रुख साफ कर दिया है– 'काम नहीं, तो वोट नहीं! ' महानगर मेट्रो की कलम से: प्रशासन की नींद खुली है या यह सिर्फ चुनावी पैंतरा है जनता सब देख

शीर्षक: महाराष्ट्र में 'वीडियो कांड' से हड़कंप: 350 से ज्यादा आपत्तिजनक वीडियो वायरल, परतवाड़ा सेक्स स्कैंडल में दो गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

परतवाड़ा (अमरावती) । महाराष्ट्र के अमरावती जिले का परतवाड़ा इलाका इस समय एक बेहद घिनौने और बड़े 'सेक्स स्कैंडल' की आग में झुलस रहा है। सोशल मीडिया पर एक-दो नहीं, बल्कि 350 से ज्यादा आपत्तिजनक वीडियो वायरल होने के बाद पूरे राज्य में हड़कंप मच गया है। इस कांड ने न केवल मासूम जिंदगियों को दांव पर लगा दिया है, बल्कि डिजिटल सुरक्षा और नैतिकता पर भी बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

परतवाड़ा वीडियो कांड: डिजिटल दरिंदगी की इंतहा

पिछले कुछ दिनों से अमरावती और आस-पास के इलाकों में मोबाइल फोन्स पर आपत्तिजनक वीडियो की बाढ़ सी आ गई है। शुरुआती जांच में जो बातें सामने आई हैं, वो रोंगटे खड़े करने वाली हैं:

350 वीडियो का जखीरा: बताया जा रहा है कि आरोपियों ने धोखे से, हनीट्रैप के जरिए या फिर गुप्त कैमरों की मदद से महिलाओं और युवतियों के निजी पलों को कैद किया।

सोशल मीडिया पर वायरल: इन वीडियो को अलग-अलग ग्रुप्स और प्लेटफॉर्म्स पर वायरल कर दिया गया, जिससे पीड़ित परिवारों में दहशत और बदनामी का माहौल है।

पुलिस की कार्रवाई: मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन तुरंत हरकत में आया। अब तक इस घिनौने खेल के दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस की चेतावनी: वीडियो शेयर करना भी है अपराध

अमरावती पुलिस ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए जनता से अपील की है कि वे इन वीडियो को फॉरवर्ड न करें।

महानगर मेट्रो का सवाल: आखिर कब तक

यह कांड केवल कुछ वीडियो का मामला नहीं है, बल्कि यह उन सैंकड़ों महिलाओं की गरिमा का सवाल है जिनकी निजता को बाजार में नीलाम कर दिया गया।

1.कैसे लीक हुए वीडियो क्या यह किसी बड़े रैकेट का काम है जो ब्लैकमेलिंग का धंधा चला रहा है

2.सजा ऐसी हो जो मिसाल बने: क्या प्रशासन इन दरिंदों को ऐसी सजा दिलाएगा कि भविष्य में कोई ऐसा करने की हिम्मत न करे

सावधानी ही बचाव है

महानगर मेट्रो अपने पाठकों से अपील करता है कि डिजिटल दुनिया में अपनी प्राइवेसी को लेकर बेहद सतर्क रहें। किसी भी संदिग्ध लिंक या अनजान व्यक्ति से वीडियो कॉल पर बात करने से बचें। महानगर मेट्रो की कलम से: परतवाड़ा का यह कांड समाज के चेहरे पर कालिख है। अब समय आ गया है कि इन 'डिजिटल अपराधियों' को सलाखों के पीछे सड़ाया जाए।

बंगाली नववर्ष पर ममता का बीजेपी-चुनाव आयोग पर हमला

अगर तृणमूल नेताओं की गाड़ियां चेक हो रही हैं, तो PM और गृह मंत्री की क्यों नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इस्लामपुर/सिलीगुड़ी: पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही सियासी माहौल गरमा गया है। इसी बीच मुख्यमंत्री Mamata Banerjee ने बुधवार को उत्तर बंगाल के सिलीगुड़ी में रोड शो और इस्लामपुर में जनसभा के दौरान बीजेपी और चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला। ममता बनर्जी ने सवाल उठाया कि जब तृणमूल कांग्रेस नेताओं की गाड़ियों की लगातार तलाशी ली जा रही है, तो फिर प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के वाहनों की जांच क्यों नहीं की जा रही उन्होंने कहा कि अगर निष्पक्ष चुनाव कराने हैं, तो सभी दलों पर एक जैसा नियम लागू होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बीजेपी नेता दिल्ली से नोटों के बंडल लाते हैं और उन्हें केंद्रीय बलों के वाहनों के जरिए पहुंचाया जाता है। उन्होंने कहा, 'मुझे पूरी जानकारी है कि किन गाड़ियों में क्या ले जाया जा रहा है। ' ममता ने दावा किया कि बुधवार को जब वह Dum Dum Airport जा रही थीं, तब रास्ते में केंद्रीय बल के जवानों ने उनकी गाड़ी रोकने की कोशिश की। उन्होंने कहा, 'मैंने खुद कहा कि आइए, मेरी गाड़ी की तलाशी लीजिए। अगर हिम्मत है तो रोज मेरी गाड़ी चेक कीजिए। ' उन्होंने आगे कहा, 'मैं बीजेपी की तरह न चोर हूं, न डकैत। मैं एक जनप्रतिनिधि हूं और सरकार से तनख्वाह तक नहीं लेती। ' ममता बनर्जी ने जनता से अपील करते हुए कहा कि असली बंगाली नववर्ष तब आएगा, जब बंगाल से बीजेपी का सफाया होगा। उसके बाद सभी लोग मिलकर खुशहाली के साथ नववर्ष मनाएंगे। इस बयान के बाद राज्य की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है और चुनावी माहौल और अधिक गर्मा गया है।

बंगाली नववर्ष पर अभिषेक बनर्जी का अमित शाह को खुला चैलेंज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता । बंगाली नववर्ष पोइला बोइशाख के अवसर पर पश्चिम बंगाल में चुनावी सरगर्मी चरम पर पहुंच गई। इसी बीच Abhishek Banerjee ने बुधवार को दक्षिण 24 परगना जिले के बिष्णुपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री Amit Shah को खुली चुनौती दे डाली। अभिषेक बनर्जी ने कहा, 'अगर सच में हिम्मत है तो 4 जून, जब चुनाव परिणाम आएंगे, उस दिन बंगाल में रहिए। यहां की जनता आपको जवाब देगी।' उन्होंने कहा कि नतीजों के बाद वह अमित शाह के चेहरे के भाव भी देखना चाहते हैं। सभा के दौरान अभिषेक ने बीजेपी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जो लोग कभी बंगाल की संस्कृति और खान-पान पर सवाल उठाते थे, वही आज चुनाव में मछली लेकर प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'जो लोग कभी मछली खाने पर रोक लगाने की बात करते थे, आज वही हिलसा, रोहू और कतला लेकर घूम रहे हैं। ' उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी अब लोगों को यह बताना चाहती है कि क्या पहनना है, क्या खाना है और कहां जाना है। अभिषेक ने कहा कि बंगाल की जनता ऐसे लोगों को जवाब देगी। बीजेपी के 3000 देने के वादे पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, 'अगर वे पैसा देने आएं तो ले लीजिए, क्योंकि वह उनका नहीं, जनता के टैक्स का पैसा है। लेकिन वोट हमेशा जुड़वा फूल (तृणमूल चुनाव चिन्ह) को दीजिए। ' Mamata Banerjee सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए अभिषेक ने कहा कि विष्णुपुर क्षेत्र में 1.12 लाख महिलाओं को लक्ष्मी भंडार योजना का लाभ मिल रहा है और जब तक ममता बनर्जी की सरकार है, यह योजना जारी रहेगी। उन्होंने कहा, 'राजनीति में हमारा धर्म इंसानियत है।

16 अप्रैल 2026 राशिफल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेष: ऊर्जा बनी रहेगी। कार्यक्षेत्र में प्रशंसा मिलेगी, गुस्से पर नियंत्रण रखें। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा।

वृषभ: आर्थिक लाभ के योग हैं। रुका धन मिल सकता है। सेहत का ध्यान रखें।

मिथुन: वाणी पर संयम रखें। कार्यस्थल पर विवाद से बचें। छात्रों के लिए दिन शुभ है।

कर्क: मानसिक शांति मिलेगी। निवेश के लिए समय अनुकूल है। शुभ समाचार मिल सकता है।

सिंह: आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यापार में नए अवसर मिलेंगे। परिवार में खुशहाली रहेगी।

कन्या: जल्दबाजी से बचें। मेहनत अधिक रहेगी, फल थोड़ा कम मिलेगा। दोपहर बाद सुधार होगा।

तुला: मान-सम्मान बढ़ेगा। कला क्षेत्र वालों के लिए अच्छा समय है। विवाह प्रस्ताव आ सकते हैं।

वृश्चिक: कोर्ट मामलों में सफलता मिलेगी। नौकरी में उन्नति के योग हैं। वाहन सावधानी से चलाएं।

धनु: धार्मिक रुचि बढ़ेगी। परिवार संग यात्रा का योग है। संतान पक्ष से खुशी मिलेगी।

मकर: भागदौड़ अधिक रहेगी। कार्यभार बढ़ सकता है। सेहत और आराम का ध्यान रखें।

कुंभ: साझेदारी में लाभ होगा। नए संपर्क बनेंगे। प्रेम जीवन मधुर रहेगा।

मीन: खर्च बढ़ सकते हैं। बजट बनाकर चलें। संपत्ति विवाद सुलझने के योग हैं।

शीर्षक: सुप्रीम कोर्ट का बड़ा रुख: क्या अब 'बायोमेट्रिक' से डलेगा वोट निष्पक्ष चुनाव की दिशा में कदम या प्राइवेसी पर हमला

नई दिल्ली

भारतीय चुनाव प्रणाली में पारदर्शिता लाने के लिए देश की सर्वोच्च अदालत (Supreme Court) ने एक बेहद अहम संकेत दिया है। कोर्ट ने चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि हर मतदाता के बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन की संभावनाओं और क्रियान्वयन पर विचार किया जाए। इस निर्देश के बाद राजनीतिक गलियारों और तकनीकी विशेषज्ञों के बीच एक नई बहस छिड़ गई है।

क्या है सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन प्रक्रिया को 'फूलप्रूफ' बनाने के उद्देश्य से केंद्र और चुनाव आयोग को मतदाता की पहचान सुनिश्चित करने के लिए बायोमेट्रिक (अंगूठे के निशान या आईरिस स्कैन) के उपयोग पर जोर देने को कहा है।

पारदर्शिता का दावा: सरकार का तर्क है कि

इससे फर्जी वोटिंग और 'बूथ कैप्चरिंग' जैसी समस्याओं पर हमेशा के लिए लगाम लग जाएगी।

वन वोटर, वन आईडी: बायोमेट्रिक लिंक होने से एक व्यक्ति एक से ज्यादा निर्वाचन क्षेत्रों में वोट नहीं डाल पाएगा।

सिक्के के दो पहलू: पारदर्शिता बनाम निजता (Privacy)

इस निर्देश ने देश के सामने दो बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या यह तकनीक लोकतंत्र को मजबूत करेगी या नागरिकों की निजी जानकारी को जोखिम में डालेगी

1. निष्पक्षता और सुरक्षा का पक्ष

फर्जीवाड़े का अंत: वर्तमान मतदाता पहचान पत्र में फोटो धुंधली होने या पहचान न हो पाने का फायदा उठाकर होने वाली फर्जी वोटिंग बंद होगी।

तकनीकी युग: जब बैंक खाते और सिम कार्ड बायोमेट्रिक से जुड़ सकते हैं, तो लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव 'चुनाव' क्यों नहीं

2. प्राइवेसी और डेटा सुरक्षा का खतरा

डेटा लीक की चिंता: विरोधियों और प्राइवेसी कार्यकर्ताओं का मानना है कि करोड़ों भारतीयों का बायोमेट्रिक डेटा सुरक्षित रखना एक बड़ी चुनौती है। यदि डेटा लीक होता है, तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

सर्विलांस का डर: क्या सरकार इस डेटा का उपयोग नागरिकों की निगरानी के लिए कर सकती है यह एक बड़ा संवैधानिक सवाल है।

महानगर मेट्रो का तीखा विश्लेषण

'सवाल केवल तकनीक का नहीं, भरोसे का है। अगर बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन से चुनाव में धांधली रुकती है, तो यह स्वागत योग्य है। लेकिन, क्या हमारा चुनाव आयोग और तकनीकी ढांचा इतना मजबूत है कि वह इतने विशाल डेटा को हैकर्स और दुरुपयोग से बचा सके '

निष्कर्ष: लोकतंत्र का डिजिटल ट्रायल

अगर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग इस निर्देश को अमली जामा पहनाते हैं, तो भारतीय चुनाव दुनिया के सबसे आधुनिक और पारदर्शी चुनाव बन सकते हैं। लेकिन 'निजता का अधिकार' (Right to Privacy) भी एक मौलिक अधिकार है, जिसकी बलि नहीं दी जा सकती।

DCP राजर्षि राज का ऑपरेशन क्लीन: छेड़खानी करने वालों की अब खैर नहीं, ICJS और RajCop से बिछाया अभेद चक्रव्यूह

स्मार्ट पुलिसिंग: DCP साउथ की पहल से तकनीक से लैस हुई राजस्थान पुलिस, 'राजकोप' बना आमजन का सुरक्षा कवच

ICJS राजकोप के जाल में उलझे अपराधी

महानगर मेट्रो

जयपुर, (पीयूष गौत्तम)। राजधानी की सड़कों पर बहन-बेटियों की ओर टेढ़ी नज़र डालने वालों के लिए काल बनकर उतरे हैं DCP साउथ राजर्षि राज। हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो ने शहर को झकझोर दिया, तो अपराधियों को लगा कि वे बच निकलेंगे, लेकिन उन्हें नहीं पता था कि उनके पीछे DCP साउथ की वो टीम है जो तकनीक और तेवर का बेजोड़ संगम है।

केस स्टडी: जब हीरो से जीरो बन गए मनचले

पिछले दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें कुछ मनचले एक युवती के साथ छेड़खानी करते दिखे। वीडियो वायरल होते ही DCP साउथ राजर्षि राज खुद एक्शन मोड में आए। बताया जाता है कि उस रात पुलिस की टीम सोई नहीं। ICJS (Inter-Operable Criminal Justice System), CCTV नेटवर्क और फील्ड इंटेलिजेंस की मदद से चंद घंटों में ही आरोपियों को ढूंढ निकाला गया। जब पुलिस ने उन्हें दबोचा, तो उनके सोशल मीडिया वाले टशन की जगह कानून का खौफ साफ दिख रहा था। पुलिस की इस सर्जिकल स्ट्राइक ने संदेश दे दिया कि साउथ ज़ोन में अपराधी अब सुरक्षित नहीं हैं।

RajCop ऐप क्यों है खास?

SOS बटन: खतरे के समय तुरंत पुलिस सहायता। डायरेक्ट रिपोर्ट: बिना थाने गए वीडियो या फोटो अपलोड कर शिकायत दर्ज करें। लाइव लोकेशन शेयरिंग: रात में सफर के दौरान परिवार और पुलिस को लोकेशन भेजें। फास्ट रिस्पॉन्स: शिकायत सीधे कंट्रोल रूम और संबंधित थाने तक पहुँचती है। जनसहयोग का प्लेटफॉर्म: आमजन और पुलिस के बीच सीधा संपर्क।

तकनीक और रणनीति: राजर्षि राज की डिजिटल गश्त

DCP साउथ ने पुलिसिंग को सहज और सख्त दोनों बनाया है। जहाँ एक तरफ RajCop ऐप के जरिए आमजन सीधे पुलिस से जुड़ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ ICJS सिस्टम के जरिए अपराधियों का रिकॉर्ड, हिस्ट्रीशीटर डेटा और विभिन्न राज्यों की जानकारी तत्काल खंगाली जा रही है। अब पुलिस वहाँ पहुँचती है जहाँ अपराधी पहुँचने की सोच भी नहीं सकता। नो टॉलरेंस: महिला सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों पर त्वरित और कठोर कार्रवाई। 24x7 मॉनिटरिंग: साउथ ज़ोन के हर कोने पर पुलिस की पैनी नज़र। जन-सहयोग: RajCop ऐप के जरिए जनता को बनाया गया डिजिटल प्रहरी। कड़क तेवर: वीडियो वायरल होने के कुछ ही समय बाद आरोपियों की हालत खराब करने वाली कार्रवाई। डेटा पावर: ICJS सिस्टम से अपराधियों का पूरा रिकॉर्ड तुरंत सामने।

DCP साउथ राजर्षि राज का संदेश:

'तकनीक हमारा हथियार है और जनता का विश्वास हमारी ताकत। RajCop ऐप केवल एक एप्लीकेशन नहीं, बल्कि पुलिस और जनता के बीच का मजबूत सेतु है। छेड़खानी और सड़क छाप गुंडागर्दी के खिलाफ हमारी मुहिम और आक्रामक होगी। अपराधी या तो सुधर जाएं, या जयपुर साउथ छोड़ दें।'

शीर्षक: सत्ता की हवस या लोकतंत्र का चीरहरण? छोटा उदेपुर में 'दलबदलू' नेताओं का गंदा खेल, सरेआम पकड़ी गई चोरी!

छोटा उदेपुर

लोकतंत्र में चुनाव लड़ना हर नागरिक का अधिकार है, लेकिन क्या सत्ता के नशे में चूर नेता अब गुंडागर्दी पर उतर आए हैं छोटा उदेपुर से एक ऐसी शर्मनाक तस्वीर सामने आई है जिसने दलबदल की राजनीति और भाजपा के दावों की पोल खोलकर रख दी है। मामला कांग्रेस की महिला उम्मीदवार को डरा-धमकाकर नामांकन वापस खिंचवाने का है, जहाँ 'सफेदपोश' नेता रंगे हाथों धरे गए।

क्या है पूरा विवाद 'चोर' पकड़े गए रंगे हाथों!

घटना अंबाला तालुका पंचायत सीट की है। आरोप है कि कांग्रेस उम्मीदवार उषाबेन दिनेशभाई हरिजन को डराया-धमकाया गया और जबरन मामलतदार कचहरी ले जाया गया ताकि उनका नामांकन पत्र (Form) वापस खिंचवाया जा सके।

किरदार और साजिश: इस पूरी साजिश के केंद्र में हैं संग्राम राठवा, जो कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा सांसद नारनभाई राठवा के सुपुत्र हैं। सरपंच की बहादुरी: जब संग्राम राठवा दबाव बना रहे थे, तभी मोटीसढ़ली के सरपंच वहां मसीहा बनकर पहुंचे। उन्होंने न सिर्फ इस 'चोरी' को रोका, बल्कि भाजपा नेताओं को उनकी औकात भी याद दिला दी। बीच सड़क पर हुई इस तीखी बहस का वीडियो अब सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहा है। महानगर मेट्रो का तीखा सवाल: क्या यही है भाजपा की नई संस्कृति कांग्रेस से भाजपा में जाने वाले नेताओं की 'इज्जत' पर अब सवालिया निशान लग गया है। वर्षों तक सत्ता और मान-सम्मान भोगने वाले नेता आज क्या इसी दिन के लिए भाजपा में शामिल हुए थे

1.दबाव की राजनीति: क्या भाजपा में गए नेताओं से अब ऐसे 'गंदे काम' करवाए जा रहे हैं

2.कैसी मजबूरी: आखिर ऐसी क्या मजबूरी है कि वर्षों का राजनीतिक अनुभव रखने वाले दिग्गज नेता आज समाज में आंख मिलाने के लायक भी नहीं बचे हैं

3.दलित विरोधी चेहरा: एक हरिजन महिला उम्मीदवार को धमकाना क्या यह दर्शाता है कि सत्ता के लिए ये नेता किसी भी हद तक गिर सकते हैं

जनता की अदालत: अब फैसला आपके हाथ

भाजपा में शामिल होने के बाद इन नेताओं की राजनीतिक हैसियत सिर्फ 'धमकाने वाले मोहरों' की बनकर रह गई है। जिस समाज ने इन्हें वर्षों तक सिर आंखों पर बिठाया, आज वही समाज इनकी हरकतों पर थू-थू कर रहा है।

शीर्षक: 'रोकड़ी' का खेल और 'चिंतन' की ओट: क्या RFO ट्रांसफर घोटाले की फाइल पर धूल जम गई?

महानगर मेट्रो

गांधीनगर/ब्यूरो न्यूज़ । गुजरात के वन विभाग में रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर (RFO) की बदली को लेकर हुए करोड़ों के कथित 'लेन-देन' के मामले में अब सन्नाटा पसरने लगा है। सवाल उठ रहे हैं कि क्या यह खामोशी किसी बड़ी तूफान के आने की आहट है या फिर 'चिंतन शिविर' की आड़ में इस भ्रष्टाचार के कीचड़ पर सफाई की चादर डाल दी गई है आम जनता और विभाग के ईमानदार अफसर पूछ रहे हैं– कार्रवाई कब होगी

स्थानांतरण या 'मलाईदार' पोस्टिंग का व्यापार

सूत्रों की मानें तो RFO की हालिया बदली की सूचियों के पीछे भारी भरकम 'फंड' का खेल हुआ है। चर्चा है कि पसंदीदा और मलाईदार पोस्टिंग पाने के लिए बोलियां लगाई गईं। जब यह मामला सुर्खियों में आया, तो लगा था कि सरकार कड़ा रुख अपनाएगी, लेकिन हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है।

जांच का क्या हुआ: घोटाले की गूँज उठते ही जांच के आदेश की बातें हुईं, लेकिन अब तक किसी बड़े 'खिलाड़ी' पर हाथ नहीं डाला गया।

भ्रष्टाचार की 'रोकड़ी': आरोप है कि ट्रांसफर की फाइलों को आगे बढ़ाने के लिए लाखों-करोड़ों का आदान-प्रदान हुआ है। यह ईमानदारी से काम करने वाले अधिकारियों के मनोबल पर सीधा प्रहार है।

चिंतन शिविर: मंथन या मामले को रफा-दफा करने का बहाना

हाल ही में आयोजित 'चिंतन शिविर' को लेकर भी अब चर्चाएं गर्म हैं। आरोप लग रहे हैं कि जब विभाग को भ्रष्टाचार के इन गंभीर आरोपों पर 'एक्शन' लेना चाहिए था, तब पूरी मशीनरी शिविर के जश्न और चर्चाओं में व्यस्त थी। 'क्या चिंतन शिविर का असली मकसद विभाग की कार्यप्रणाली को सुधारना था, या फिर इस बड़े घोटाले की फाइल को ठंडे बस्ते में डालकर 'भीनू संकेली' (मामला रफा-दफा) कर लेना था'

महानगर मेट्रो के तीखे सवाल

1.फाइलें कहां हैं क्या RFO बदली घोटाले की जांच से जुड़ी फाइलें अलमारी के किसी अंधेरे कोने में दबा दी गई हैं 2.जिम्मेदार कौन तबादलों के खेल में जिन आकाओं के नाम उछले थे, उनसे पूछताछ क्यों नहीं हुई 3.पारदर्शिता का ढोंग क्यों अगर सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलती है, तो वन विभाग के इस 'सौदागर' तंत्र पर बुलडोजर कब चलेगा

निष्कर्ष: जनता की नजरें टिकी हैं

जनता यह बखूबी समझती है कि कब जांच 'ईमानदारी' से होती है और कब उसे 'शिबिरों' और 'बैठकों' की आड़ में दफन कर दिया जाता है। अगर जल्द ही कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई, तो यह साफ हो जाएगा कि सत्ता के गलियारों में 'रोकड़ी' करने वाले हाथ कानून से भी लंबे हैं। महानगर मेट्रो का कटाक्ष: साहब, जंगल बचाने की जिम्मेदारी जिनके कंधों पर है, वे खुद 'पोस्टिंग' के खेल में मंगल मना रहे हैं। अब देखना यह है कि इस 'भीने संकेली' खेल का पर्दाफाश कब होता है!

शीर्षक: सूरत में विश्वासघात: 100 करोड़ की मालकिन को प्रेम जाल में फंसाया, जिम ट्रेनर पर दुष्कर्म और रंगदारी का आरोप

महानगर मेट्रो

सूरत । सिल्क सिटी सूरत से एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है जिसने शहर के संपन्न वर्ग और जिम संस्कृति पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। एक 40 वर्षीय हिंदू महिला, जो लगभग 100 करोड़ रुपये की संपत्ति की मालकिन बताई जा रही हैं, एक मुस्लिम जिम ट्रेनर की साजिश का शिकार हो गईं। आरोप है कि कसरत सिखाने के बहाने ट्रेनर ने पहले महिला से नजदीकी बढ़ाई और फिर मर्यादा की सारी हदें पार कर दीं।

पूरी घटना: कसरत से लेकर ब्लैकमेलिंग तक

पीड़िता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, वह पिछले कुछ समय से शहर के एक नामी जिम में ट्रेनिंग ले रही थीं। आरोपी जिम ट्रेनर ने अपनी मीठी बातों से महिला का विश्वास जीता और उन्हें प्रेम जाल में फंसा लिया। दुष्कर्म का आरोप: पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी ने झांसा देकर महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाए और उसकी कुछ आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो रिकॉर्ड कर लिए।

5 लाख की फिरौती: हवस की आग शांत होने के बाद आरोपी की नजर महिला की संपत्ति पर गई। उसने उन निजी पलों के वीडियो वायरल करने की धमकी देकर महिला से 5 लाख रुपये की मांग शुरू कर दी।

पुलिस कार्रवाई और कानूनी मोड़

जब पानी सिर से ऊपर चला गया, तो पीड़िता ने हिम्मत दिखाते हुए पुलिस का दरवाजा खटखटाया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी के खिलाफ:

1.दुष्कर्म (Rape)

2.जबरन वसूली (Extortion)

3.विश्वासघात और धमकी

के तहत मामला दर्ज कर लिया है

समाज के लिए एक सबक

यह घटना केवल एक अपराध नहीं, बल्कि एक चेतावनी भी है। हाई-प्रोफाइल लाइफस्टाइल और जिम कल्चर में 'पर्सनल ट्रेनर' चुनते समय सावधानी बरतना अनिवार्य है। कसरत के नाम पर जिस्मानी और आर्थिक शोषण के ऐसे मामले समाज की सुरक्षा व्यवस्था पर गहरा आघात हैं। महानगर मेट्रो की अपील: किसी भी अनजान व्यक्ति पर आंख मूंदकर भरोसा न करें। यदि आपके साथ कुछ गलत होता है, तो चुप्पी तोड़ने में ही समझदारी है।

शीर्षक: लोकतंत्र की हत्या या एकतरफा राज क्या चुनाव सिर्फ एक औपचारिकता बनकर रह गए हैं

महानगर मेट्रो

लोकतंत्र का अर्थ है 'जनता का, जनता के लिए और जनता द्वारा शासन'। लेकिन क्या होता है जब जनता के पास चुनने के लिए 'विकल्प' ही न बचे हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है– क्या चुनाव में केवल एक ही पक्ष का होना सही है और क्या डरा-धमकाकर विरोधियों को मैदान से हटाना एक स्वस्थ लोकतंत्र की निशानी है

विपक्ष विहीन चुनाव: लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी

भारत जैसे महान लोकतांत्रिक देश में बहुदलीय प्रणाली (Multi-party system) इसकी आत्मा है। यदि किसी चुनाव में केवल एक ही दल बचता है, तो वह चुनाव नहीं, बल्कि 'थोपकर किया गया शासन' कहलाता है।

विकल्प का अभाव: जब मैदान में केवल एक ही खिलाड़ी हो, तो जनता के पास 'वोट' देने की शक्ति का कोई मोल नहीं रह जाता। यह नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन है। तानाशाही की आहट: एक दलीय व्यवस्था अक्सर तानाशाही को जन्म देती है। जहाँ विरोध नहीं होता, वहाँ सत्ता निरंकुश हो जाती है।

धाक-धमकी और नामांकन रोकना: सरासर अपराध

किसी भी उम्मीदवार को फॉर्म भरने से रोकना या डरा-धमकाकर नामांकन वापस लेने पर मजबूर करना, न केवल नैतिक रूप से गलत है, बल्कि यह भारतीय दंड संहिता (IPC) और चुनाव आयोग के नियमों के तहत एक गंभीर अपराध है।

बाहुबल का खेल: राजनीति में धनबल और बाहुबल का उपयोग करके प्रतिद्वंदियों को हटाना कायरता का प्रतीक है।

संविधान का अपमान: बाबा साहेब अंबेडकर ने जिस संविधान की रचना की, वह हर नागरिक को चुनाव लड़ने की आजादी देता है। किसी का फॉर्म न भरने देना सीधे तौर पर संविधान की धज्जियां उड़ाना है।

महानगर मेट्रो का कड़ा सवाल

'अगर जनता को अपनी पसंद का नेता चुनने का हक ही नहीं मिलेगा, तो फिर मतपेटियों और ईवीएम (EVM) का ढोंग क्यों बंदूक की नोक या धमकियों के दम पर हासिल की गई जीत 'जनादेश' नहीं, बल्कि 'लोकतंत्र का अपहरण' है।'

'अगर जनता को अपनी पसंद का नेता चुनने का हक ही नहीं मिलेगा, तो फिर मतपेटियों और ईवीएम (EVM) का ढोंग क्यों बंदूक की नोक या धमकियों के दम पर हासिल की गई जीत 'जनादेश' नहीं, बल्कि 'लोकतंत्र का अपहरण' है।'

निष्कर्ष: जागने का वक्त है

चुनाव आयोग और न्यायपालिका को ऐसी घटनाओं पर स्वत: संज्ञान लेना चाहिए। यदि आज हम एक दल या डराने-धमकाने की राजनीति को स्वीकार कर लेते हैं, तो आने वाली पीढ़ियां हमसे पूछेगी कि जब लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा था, तब हम चुप क्यों थे याद रखें: लोकतंत्र की खूबसूरती 'सहमति' में नहीं, बल्कि 'असहमति' और 'प्रतिस्पर्धा' में है

महानगर मेट्रो की कलम से: बिना विपक्ष के संसद और बिना विकल्प के चुनाव, दोनों ही देश के भविष्य के लिए घातक हैं

शीर्षक: 13,000 करोड़ का हिसाब होने वाला है भारत आएगा

महानगर मेट्रो

लंदन/नई दिल्ली । देश की बैंकिंग व्यवस्था को चूना लगाकर फरार होने वाले हीरा कारोबारी नीरव मोदी की गर्दन अब कानून के शिकंजे में कसती नजर आ रही है। पंजाब नेशनल बैंक (PNB) के करीब 13,000 करोड़ डकार कर लंदन की ऐशगाह में छिपे नीरव मोदी को भारत लाने की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। सूत्रों के मुताबिक, अगले दो हफ्तों में नीरव मोदी की किस्मत का अंतिम फैसला हो सकता है।

ECHR का 'सीक्रेट' दांव: बंद दरवाजों के पीछे सुनवाई

फ्रांस के स्ट्रासबर्ग स्थित यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय (ECHR) ने इस मामले में एक बड़ा और रहस्यमयी फैसला लिया है। अदालत ने नीरव मोदी की याचिका पर सुनवाई को 'गुप्त' रखने का आदेश दिया है। पब्लिक की पहुंच से दूर: ECHR ने कहा है कि नीरव मोदी का मामला सार्वजनिक जांच के दायरे से बाहर रहेगा और इसकी सुनवाई बंद दरवाजों के पीछे होगी। गोपनीयता की शर्त: प्रेस ऑफिस ने स्पष्ट किया है कि जिन मामलों में आवेदक को 'सीक्रेसी' (गुप्तता) दी जाती है, वहां अदालत कोई भी जानकारी साझा नहीं कर सकती।

ब्रिटेन से प्रत्यर्पण की अंतिम बाधा

नीरव मोदी फिलहाल लंदन की वैंड्सवर्थ जेल की सलाखों के पीछे है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ECHR नीरव मोदी की याचिका खारिज कर देता है, तो उसके भारत प्रत्यर्पण का रास्ता पूरी तरह साफ हो जाएगा। यह उसके लिए आखिरी कानूनी कवच है, जिसके टूटने के बाद उसे सीधा भारत की जेल में शिफ्ट किया जाएगा।

'भारत सरकार और जांच एजेंसियां पूरी तरह तैयार हैं। जैसे ही लंदन की अदालत और ECHR से हरी झंडी मिलेगी, नीरव मोदी को विशेष विमान से भारत लाया जाएगा।'

महानगर मेट्रो का सवाल: क्या अब न्याय होगा

नीरव मोदी को भारत लाना केवल एक अपराधी को वापस लाना नहीं है, बल्कि यह उन लाखों ईमानदार करदाताओं की जीत होगी जिनका पैसा इस भगोड़े ने उड़ाया है।

कौशिश जारी है: क्या नीरव मोदी इस बार भी किसी कानूनी दांव-पेंच से बच निकलेगा या भारतीय जेलों की रोटियां उसका इंतजार कर रही हैं

जनता की नजर: 130 करोड़ भारतीयों की निगाहें अब यूरोपीय कोर्ट के उस फैसले पर टिकी हैं जो अगले 14 दिनों में आने वाला है। महानगर मेट्रो की हेडलाइन: हीरों की चमक फीकी पड़ी, अब तिहाड़ का अंधेरा करीब है! भगोड़े नीरव मोदी का 'गेम ओवर' होने को तैयार।

मेहुल चौकसी पर भी कसता शिकंजा

इस महा-घोटाले का दूसरा मुख्य किरदार और नीरव मोदी का मामा, मेहुल चौकसी, जो वर्तमान में बेल्जियम की जेल में बंद है, उस पर भी भारतीय एजेंसियों की पैनी नजर है। दोनों मामा-भांजे ने मिलकर PNB को जो गहरा जख्म दिया था, अब उसकी पाई-पाई वसूलने का वक्त करीब आ गया है।

जनता के टैक्स पर भ्रष्टाचार का 'रोलर': सड़क बनती चलने के लिए है या तोड़ने के लिए

प्रशासनिक अदूरदर्शिता: पहले चमचमाती सड़क, फिर गटर और पाइपलाइन के नाम पर बरपाया जाता है जेसीबी का कहर!

महानगर मेट्रो

क्या हमारे शहर की सड़कें सिर्फ इसलिए बनाई जाती हैं कि उन्हें कुछ ही दिनों बाद फिर से खोदा जा सके? यह सवाल आज शहर के हर उस नागरिक के मन में है जो रोज धूल और गड्ढों के बीच सफर करने को मजबूर है। सरकारी तंत्र और ठेकेदारों की जुगलबंदी कहें या मास्टर प्लान का अभाव, लेकिन कड़वी सच्चाई यह है कि नई सड़क बनने के हफ्ते भर के भीतर उसे खोद दिया जाता है। यह महज तकनीकी गलती नहीं, बल्कि जनता की गाढ़ी कमाई के टैक्स का सरेआम दुरुपयोग है।

विकास का उल्टा चक्र: एक कदम आगे, दो कदम पीछे नगर निगम और संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली पर हंसा जाए या रोया जाए, यह तय करना मुश्किल है। शहर में विकास का जो 'अजीबोगरीब' मॉडल चल रहा है, वह कुछ इस तरह है:

पहला चरण: करोड़ों की लागत से डामर की नई सड़क बिछाई जाती है। नेताजी रिबन काटते हैं और विकास का ढिंढोरा पीटा जाता है।

दूसरा चरण: सड़क की खुशबू अभी गई भी नहीं होती कि अचानक 'गटर लाइन' की याद आ जाती है। जेसीबी आती है और उस मखमली सड़क के सीने को छलनी कर देती है।

तीसरा चरण: जैसे-तैसे गटर का काम पूरा होता है और पैचवर्क किया जाता है, तभी 'गैस पाइपलाइन' या 'इंटरनेट केबल' डालने का नया फरमान आ जाता है। फिर से वही खुदाई और फिर से वही बर्बादी।

जिम्मेदार कौन तंत्र या अंधा नियोजन

शहरी विकास के भारी-भरकम बजट को संभालने वाले इंजीनियरों और अधिकारियों के पास क्या कोई 'कॉमन यूटिलिटी प्लान' नहीं होता यदि गटर या पाइपलाइन डालनी ही थी, तो सड़क पहले क्यों बनाई गई जब यह सवाल जिम्मेदार अधिकारियों से पूछा जाता है, तो जवाब मिलता है– 'ग्रांट आई थी, इसलिए इस्तेमाल कर ली।' क्या ग्रांट खत्म करना ही विकास है क्या जनता को धूल फांकने और गड्ढों में गिरने के लिए छोड़ देना ही स्मार्ट सिटी का लक्ष्य है

भ्रष्टाचार की बू या तालमेल की कमी

आम जनता के बीच यह चर्चा आम है कि 'खोदो और भरो' के इस खेल के पीछे एक बड़ा खेल छिपा है। एक ही जगह पर बार-बार काम होने से ठेकेदारों की तिजोरी भरती है और बिचौलियों का कमीशन पक्का होता है। सड़क बनते समय भी मलाई और सड़क खोदते समय भी कमाई! विभागों के बीच समन्वय (Coordination) की कमी दरअसल भ्रष्टाचार का एक सुरक्षित रास्ता बन गई है।

नारी-आरक्षण: नये भारत का आधार एवं संभावनाओं का शिखर

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

नया भारत जिस विकसित राष्ट्र की कल्पना कर रहा है, उसमें नारी शक्ति की भूमिका केंद्रीय है। आज भारतीय महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। विज्ञान, तकनीक, खेल, शिक्षा, प्रशासन और उद्यमिता-हर क्षेत्र में उनकी उपलब्धियां यह प्रमाणित करती हैं कि अवसर मिलने पर वे किसी भी चुनौती का सामना कर सकती हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भारत की राजनीति और समाज में जो नई चेतना उभरकर सामने आई है, वह केवल एक विधायी परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक रूपांतरण एवं नये भारत-निर्माण की संभावनाओं की प्रस्तावना है। निश्चिततौर पर भारत अब अपने विकास की धुरी में महिलाओं की सक्रिय और निर्णायक भागीदारी को अनिवार्य मानने लगा है। दशकों से लंबित महिला आरक्षण का मुद्दा केवल संसद के गलियारों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह भारतीय समाज की उस अंतधार्रा से जुड़ा रहा है, जिसमें बराबरी, सम्मान और अवसर की मांग निरंतर उठती रही है। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान आरक्षित करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह सही कहा कि यह इस सदी के महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। पहले यह अधिनियम नई जनगणना के बाद लागू होना था, पर उसमें देरी के चलते सरकार ने इसे 2011 की जनगणना के आधार पर लागू करने का निर्णय किया। इस पर विपक्षी दलों ने आपत्ति जताई है, पर इस आपत्ति को महत्व देने से अगले लोकसभा चुनाव में महिला आरक्षण लागू करना संभव नहीं होगा, क्योंकि ताजा जनगणना के आंकड़ों के आधार पर बनने वाले परिसीमन आयोग की रिपोर्ट आने में समय लगता और तब तक 2029 के आम चुनाव हो जाते। इसी कारण इस अधिनियम में संशोधन करने हेतु संसद का एक विशेष सत्र बुलाया गया है। चूंकि यह सत्र विधानसभा चुनावों के बीच बुलाया जा रहा है, इसलिए भी कई विपक्षी दलों को यह कांटों की तरह चुभन दे रहा है।

भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी का इतिहास विरोधाभासों से भरा रहा है। एक ओर देश ने इंदिरा गांधी जैसी सशक्त महिला नेतृत्व को देखा, वहीं दूसरी ओर संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या लंबे समय तक सीमित बनी रही। वर्तमान में लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास है, जो यह बताती है कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व के स्तर पर अभी भी एक बड़ा अंतर विद्यमान है। इस संदर्भ में महिला आरक्षण अधिनियम उस अंतर को पाटने का एक संगठित और संरचनात्मक प्रयास है। महत्वपूर्ण यह भी है कि इस अधिनियम को लागू करने के संदर्भ में जनगणना और परिसीमन को लेकर जो विवाद सामने आया है, वह भारतीय लोकतंत्र की जटिलताओं को भी उजागर करता है। सरकार द्वारा 2011 की जनगणना के आधार पर इसे लागू करने का निर्णय एक व्यावहारिक दृष्टिकोण को दशार्ता है, क्योंकि नई जनगणना और उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया में होने वाली देरी महिला आरक्षण

को वर्षों तक टाल सकती थी। विपक्ष की आशंकाएं अपनी जगह पर हैं, परंतु अभी तक उनके समर्थन में ठोस तथ्य सामने नहीं आए हैं।

भारतीय राजनीति में किसी भी बड़े निर्णय को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखने की परंपरा रही है और महिला आरक्षण भी इससे अछूता नहीं है। विपक्ष द्वारा यह आरोप लगाना कि सरकार इस पहल के माध्यम से राजनीतिक लाभ लेना चाहती है, लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र में लिए जाने वाले अधिकांश निर्णयों के पीछे राजनीतिक गणित काम करता है। प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि निर्णय के पीछे राजनीतिक लाभ है या नहीं, बल्कि यह होना चाहिए कि उसका प्रभाव समाज पर कितना सकारात्मक पड़ता है। यदि महिला आरक्षण से महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है और नीति निर्माण में उनका दृष्टिकोण शामिल होता है, तो यह संपूर्ण समाज के लिए लाभकारी होगा। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका में एक उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। महिलाएं अब केवल मतदाता नहीं रहीं, बल्कि वे एक निर्णायक मतदाता वर्ग के रूप में उभरी हैं। 2019 के आम चुनावों में महिला मतदाताओं की भागीदारी पुरुषों के लगभग बराबर रही और कई राज्यों में उन्होंने पुरुषों से अधिक मतदान किया। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं, बल्कि चेतना का संकेत है। महिलाएं अब अपने अधिकारों और हितों के प्रति अधिक सजग हो रही हैं और राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित करने की क्षमता रखती हैं।

सरकारी योजनाओं ने भी इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से रसोई गैस की उपलब्धता, जनधन योजना के तहत बैंकिंग सुविधा, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण और मातृत्व लाभ योजनाओं ने महिलाओं के जीवन में प्रत्यक्ष सुधार किया है। इन योजनाओं का प्रभाव केवल आर्थिक या भौतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी रहा है, जिससे महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे सार्वजनिक जीवन में अधिक सक्रिय हुई हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को इस संदर्भ में विशेष रूप से स्मरण किया जाना चाहिए। उन्होंने भारतीय संविधान के माध्यम से समानता और न्याय के सिद्धांतों को स्थापित करते हुए महिलाओं को समान अधिकार देने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया। उनका यह विश्वास था कि किसी भी समाज की प्रगति का आकलन वहां की महिलाओं की स्थिति से किया जा सकता है। आज जब महिला आरक्षण की बात हो रही है, तो यह उसी विचारधारा का विस्तार प्रतीत होता है, जिसमें महिलाओं को केवल संरक्षण नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का अवसर प्रदान किया जाता है।

हालांकि यह भी समझना आवश्यक है कि महिला आरक्षण अपने आप में कोई अंतिम समाधान नहीं है। यह एक आवश्यक कदम है, परंतु पर्याप्त नहीं। राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ने से महिलाओं की आवाज अवश्य मजबूत होगी, परंतु सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्तर पर समानता स्थापित करने के लिए और भी प्रयास करने होंगे। आज भी भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 25 प्रतिशत के आसपास है, जो वैश्विक औसत से काफी कम है। शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति हुई है, परंतु उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाने की आवश्यकता है। महिला आरक्षण के क्रियान्वयन के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं। यह आशंका व्यक्त की जाती रही है कि कई स्थानों पर महिलाएं केवल नाममात्र की प्रतिनिधि बनकर रह जाएंगी और वास्तविक निर्णय उनके पुरुष परिजन लेंगे। पंचायत स्तर पर इस तरह के उदाहरण देखने को मिले हैं, परंतु समय के साथ महिलाओं ने इस स्थिति को बदला भी है और अपने अधिकारों को स्वयं संभालने की क्षमता विकसित की है। इसी प्रकार राजनीतिक प्रशिक्षण और नेतृत्व विकास की आवश्यकता भी महत्वपूर्ण है, ताकि महिलाएं केवल प्रतिनिधि न होकर प्रभावी नीति निमार्ता बन सकें। इसके साथ ही राजनीतिक दलों की आंतरिक संरचना में भी परिवर्तन आवश्यक है। यदि दल अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को पर्याप्त स्थान नहीं देंगे, तो केवल आरक्षण के माध्यम से वास्तविक सशक्तिकरण संभव नहीं होगा। दलों को चाहिए कि वे महिलाओं को नेतृत्व के अवसर प्रदान करें, उन्हें चुनाव लड़ने के लिए प्रोत्साहित करें और उनके लिए अनुकूल वातावरण तैयार करें।

नया भारत जिस विकसित राष्ट्र की कल्पना कर रहा है, उसमें नारी शक्ति की भूमिका केंद्रीय है। आज भारतीय महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। विज्ञान, तकनीक, खेल, शिक्षा, प्रशासन और उद्यमिता-हर क्षेत्र में उनकी उपलब्धियां यह प्रमाणित करती हैं कि अवसर मिलने पर वे किसी भी चुनौती का सामना कर सकती हैं। इसरो की महिला वैज्ञानिकों की सफलता, ओलंपिक में पदक जीतने वाली खिलाड़ियों का प्रदर्शन, और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण के उदाहरण इस परिवर्तन के सशक्त प्रमाण हैं। इस अधिनियम के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि विकास का कोई भी मॉडल तब तक पूर्ण नहीं हो सकता, जब तक उसमें आधी आबादी की समान भागीदारी सुनिश्चित न हो। हालांकि इसके क्रियान्वयन में राजनीतिक मतभेद और व्यावहारिक चुनौतियां सामने आती रहेंगी, परंतु इसकी मूल भावना पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाया जा सकता। आवश्यकता इस बात की है कि इसे एक राजनीतिक मुद्दे के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन के अवसर के रूप में देखा जाए। यदि सरकार, विपक्ष और समाज मिलकर इस दिशा में कार्य करते हैं, तो यह अधिनियम न केवल महिलाओं के लिए, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए एक नई दिशा निर्धारित कर सकता है। यही वह मार्ग है, जिस पर चलते हुए भारत एक सशक्त, समावेशी और विकसित राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान को और अधिक मजबूत कर सकता है।

संपादकीय

उम्मीदों का गलियारा

निस्संदेह, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन भारत के संरचनात्मक विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है। जो राष्ट्रीय राजधानी और उत्तराखंड के प्रवेश द्वार के बीच यात्रा के समय को छह घंटे से घटाकर ढाई घंटे करने का वायदा करता है। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र को समर्पित यह एक्सप्रेसवे उत्तराखंड ही नहीं, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उद्योग व पर्यटन को बढ़ावा देगा। इंजीनियरिंग की विशिष्ट उपलब्धि से बढ़कर, परियोजना राजमार्गों की कल्पना में एक बड़े बदलाव का संकेत भी है। जो महज एक सड़क ही नहीं है, बल्कि कई क्षेत्रों, बाजारों और अवसरों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण आर्थिक गलियारा भी है। इस राजमार्ग के बनने से जहां परंपरागत मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा, वहीं बेहतर कनेक्टिविटी से देहरादून और मसूरी आदि अन्य हिल स्टेशनों में पर्यटन बढ़ेगा। निस्संदेह, इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। पश्चिमी उ.प्र. के सहारनपुर व शामली जैसे जनपदों, जिन्हें विकास की दौड़ में पर्याप्त अवसर नहीं मिले, उनके लिये भी वरदान साबित हो सकता है। माना जा रहा है कि खाद्यान्न, भंडारण और रियल एस्टेट में भी इस परियोजना के लाभ नजर आएंगे। कह सकते हैं कि यह एक्सप्रेसवे भारतमाला जैसी परियोजनाओं के तहत एकीकृत, उच्च गति वाले गलियारों के लिये केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के लक्ष्यों को पूरा करता है। वहीं दूसरी ओर इस परियोजना की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें विकास और पारिस्थितिक संवेदनशीलता के मध्य सामंजस्य स्थापित करने का सार्थक प्रयास किया गया है। प्रतिष्ठित राजाजी पार्क क्षेत्र से गुजरने वाला यह ऊंचा वन्यजीव गलियारा, जिसमें वन्य जीवों के लिये अंडरपास बनाये गए हैं ताकि उनके प्राकृतिक आवागमन मार्गों में किसी तरह का व्यवधान पैदा न हो। जो इस मान्यता की कसौटी पर खरा उतरता है कि विकास के बुनियादी ढांचे को प्रकृति के अनुरूप तैयार किया जाना चाहिए। हाल के वर्षों में देश की विभिन्न बड़ी विकास योजनाओं वाले क्षेत्रों में वन्य जीवों और मनुष्य के बीच जो संघर्ष बढ़ा है, वो विकास को पर्यावरण व वन्यजीवों के अधिवास के अनुकूल ढालने की जरूरत बताता है। कर्नाटक के हाथी गलियारे- जो बांदीपुर,नागरहोल और आसपास के जंगलों को जोड़ते हैं, दशार्ते हैं कि कि कैसे संपर्क मार्गों से वन्य जीवों के प्रवास-मार्ग की सुरक्षा होती है। जिससे मानव व वन्य जीवों का संघर्ष कम होता है। ऐसे में यदि दिल्ली-देहरादून राजमार्ग में अभिनव प्रयास प्रभावी साबित होते हैं, तो यह नया एक्सप्रेसवे पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में भविष्य की परियोजना के लिए एक आदर्श साबित हो सकता है। हालांकि, इस राजमार्ग को लेकर कुछ चिंताएं अभी बाकी हैं। राजमार्ग को पूरा करने के दौरान अंतिम समय में निर्माण कार्यों में किए गए सुधार और इसमें पहले हुई कुछ देरी की रिपोर्टों से कार्य निष्पादन की गुणवत्ता व समय सीमा के दबाव को लेकर सवाल भी उठे हैं। निस्संदेह, किसी संरचना के बुनियादी ढांचे का मूल्यांकन उद्घाटन की समय सीमा से नहीं बल्कि उसकी मजबूती, सुरक्षा उपायों और दीर्घकालिक पर्यावरणीय प्रभावों के आधार पर ही होना चाहिए।

चिंतन-मनन

संयम से जीवन की उन्नति

कार्तिय माहात्म्य प्रवचनों में पं. रामनिवास ब्रजवासी जी ने कहा शरद ऋतु में की जाने वाली उपासनाओं से जहाँ चंद्र किरणों से प्राप्त होने वाले अमृत तत्व से देह का सिंचन होता है, वहीं सूर्य की रश्मियों की प्रचुर ऊर्जा से उस अमृत तत्व की शरीर में स्थिरता होती है इसीलिए कार्तिक मास में प्रात? पवित्र नदियों में स्नान कर भगवान विष्णु शालीग्राम स्वरूप की पूजा की जाती है। इन दिनों ब्रजवासी जी कार्तिक माहात्म्य के माध्यम से श्रद्धालुओं को उपदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा भगवान विष्णु के सहस्त्रनाम का पाठ करने से मनुष्य के जीवन में संयम एवं धर्म में चलने की प्रेरणा मिलती है। जीवन को उन्नत बनाने में संयम का बहुत महत्व है। संयमी व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य को नहीं छोड़ता। शालिग्राम पूजन में पंचामृत का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा गाय का दूध, दही, घी व शहद और शक्कर से शालिग्राम भगवान का अभिषेक करना चाहिए। वस्तुतः इन पांचों का मंत्रोच्चारण के साथ मिल जाना ही पाँच प्रकार के अमृतों का मिलना है। इसमें तुलसीदल डाल देने के बाद यह चरणामृत बन जाता है जिसका प्रसाद में ग्रहण कर लेने पर सभी प्रकार की आधियाँ-व्याधियाँ अर्थात मानसिक रोग तथा शारीरिक रोग दूर हो जाते हैं। हमारी उपासना विधियाँ जहाँ मनुष्य को धार्मिक बनाती है वही शारीरिक-मानसिक रूप से स्वस्थ भी बनाती है।

ज्वालामुखी बन सकती है मजदूर आंदोलन की चिंगारी

मनोज कुमार अग्रवाल

उत्तर प्रदेश सरकार ने न्यूनतम वेतन दरों में संशोधन को मंजूरी दे दी है। नोएडा में कर्मचारियों के उग्र प्रदर्शन के बाद योगी सरकार ने यह फैसला लिया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार ये नई अंतरिम दरें 1 अप्रैल से लागू कर दी गई हैं। नोएडा में 13 अप्रैल को हुए श्रमिकों के विरोध-प्रदर्शन के बाद आज पूरे दिल्ली-एनसीआर में हाई अलर्ट है।मजदूरों के गुस्से को देख कर सरकार आनफुट आ गयी है। केंद्र सरकार मामले की मानिटरिंग कर रही है वहीं यूपी हरियाणा राजस्थान की प्रदेश सरकारें अपने अपने स्तर पर मजदूरों के आंदोलन के शमन और मजदूरों को भड़काने वाले लोगों की पहचान करने में लगे हुए हैं। सरकार का मानना है कि यह समिति संवाद और आपसी सहमति के जरिए विवादों को सुलझाएगी, जिससे भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके और औद्योगिक माहौल स्थिर बना रहे।

उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में वेतन बढ़ोत्तरी समेत सामाजिक सुरक्षा के कई बिंदुओं को लेकर मजदूरों के आंदोलनों व उग्र प्रदर्शनों ने केंद्र तक को सतर्क कर दिया है। दरअसल, हरियाणा से शुरू हुई आग उत्तर प्रदेश पहुंच चुकी है। हरियाणा से सटे राजस्थान के इक्के दुक्के स्थानों पर छिटपुट घटना होकर फिलहाल शांत है। दरअसल पिछले कुछ दिनों से एलपीजी गैस नहीं मिलने से मजदूरों की परेशानी बढ़ी हुई थी और उनका गुस्सा आंदोलन में तब्दील हो गया।

पता हो कि दिल्ली से सटे नोएडा औद्योगिक क्षेत्र में मजदूरों का गुस्सा अब एक शहर तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे दिल्ली-एनसीआर में फैला हुआ एक बड़े आंदोलन का रूप ले चुका है. वेतन वृद्धि, महंगाई और श्रम सुविधाओं को लेकर शुरू हुआ यह विरोध अब कई जिलों में असर दिखा रहा है. नोएडा में चल रहे इस आंदोलन की शुरूआत 7 अप्रैल को गुरुग्राम के मानेसर इलाके से हुई थी, जहां मजदूरों ने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन शुरू किया था.इसके बाद यह विरोध धीरे-धीरे नोएडा और फिर ग्रेटर नोएडा पहुंचा. अब इस आंदोलन का असर गाजियाबाद, बुलंदशहर और हापुड़ तक में भी दिखाई दे रहा है. आज बड़ी संख्या में बुलंदशहर और गाजियाबाद में श्रमिकों ने प्रदर्शन किया और सड़कों को जाम कर दिया. गाजियाबाद में स्थिति इतनी खराब हो गई कि नोएडा-गाजियाबाद बॉर्डर पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया.

जान लीजिए नोएडा में यह आंदोलन 9 अप्रैल को फेस-टू थाना क्षेत्र में मौजूद होजरी कंपलेक्स से शुरू हुआ. जहां गारमेंट और होजरी यूनिट्स में काम करने वाले मजदूर फैक्ट्रियों के बाहर इकट्ठा हुए. वो वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए. शुरूआत में यह प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण था. मजदूरों ने नारेबाजी और बातचीत के जरिए अपनी बात रखने की कोशिश कीअप्रैल से लेकर 11 अप्रैल तक आंदोलन बिना किसी हिंसा के चलता रहा. हालांकि, मजदूरों का कहना था कि उनकी मांगों पर कंपनियों और प्रशासन की ओर से कोई ठोस जवाब नहीं दिया जा रहा, जिससे उनके बीच असंतोष लगातार बढ़ता गया. मजदूरों के आंदोलन की स्थिति ने 12 अप्रैल को बड़ा मोड़ लिया. ग्रेटर नोएडा के इकोटेक थर्ड इलाके में प्रदर्शन के दौरान मिंडा कंपनी के पास हालात अचानक बिगड़ गए. इस दौरान पुलिस कार्रवाई में गोली चलने की घटना सामने आई, जिसमें एक महिला मजदूर को गोली लग गई.यह घटना पूरे आंदोलन के लिए टर्निंग प्वाइंट साबित हुई. जैसे ही गोलीकांड की खबर फैली, मजदूरों में भारी आक्रोश फैल गया और आंदोलन ने उग्र रूप ले लिया.

अगले ही दिन 13 अप्रैल यानी सोमवार की सुबह नोएडा के फेस-2, सेक्टर-62 और एनएच-9 जैसे प्रमुख इलाकों में हजारों मजदूर सड़कों पर उतर आए. इससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया. प्रदर्शनकारियों ने सड़कें जाम कर दी. डिवाइडर पर चढ़कर नारेबाजी की. कई जगह वाहनों को रोक दिया. इस दौरान हालात तेजी से बिगड़े और कई जगह तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं सामने आईं.

नोएडा के फेस-2 इलाके में कई वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया. इससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. पुलिस और मजदूर आमने-सामने आ गए. स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े. भारी पुलिस बल की तैनाती के बाद किसी तरह हालात को काबू में लाया गया, लेकिन तनाव अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है.

इस आंदोलन का सीधा असर नोएडा और ग्रेटर नोएडा के औद्योगिक ढांचे पर पड़ा. फेस-2 के होजरी कंपलेक्स में करीब 500 कंपनियां संचालित होती हैं. वहीं, इकोटेक थर्ड के औद्योगिक क्षेत्र में भी करीब 400 से अधिक फैक्ट्रियां और निजी कंपनियां हैं. इनमें सैकड़ों की संख्या में मजदूर काम करते हैं. दोनों प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में उत्पादन प्रभावित हुआ और कई कंपनियों को अस्थायी रूप से काम बंद करना पड़ा. यह आंदोलन किसी एक कंपनी के खिलाफ नहीं, बल्कि कई कंपनियों के मजदूरों का सामूहिक विरोध है. अब इसका असर पूरे एनसीआर में दिखने लगा है. गाजियाबाद, बुलंदशहर और हापुड़ जैसे जिलों में भी मजदूर सक्रिय हो गए हैं, जिससे आने वाले दिनों में आंदोलन और व्यापक होने की आशंका है.

मजदूरों की प्रमुख मांगों में न्यूनतम वेतन बढ़ाकर 26,000 रुपये प्रति माह करना, ओवरटाइम का भुगतान दोगुनी दर से करना, साप्ताहिक अवकाश सुनिश्चित करना, समय पर वेतन भुगतान, सैलरी स्लिप देना और बोनस को सीधे बैंक खाते में समय पर भेजना शामिल है. उनका कहना है कि महंगाई के इस दौर में मौजूदा वेतन से गुजारा संभव नहीं है.

आपको बता दें राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में न्यूनतम वेतन देश में सबसे अधिक है भाजपा के लिए परेशानी बढ़ेगी क्योंकि ये चारो राज्य भाजपा शासित हैं। ऐसे में केंद्रीय स्तर पर इन राज्यों की बैठकें कर स्थिति को संभालने की कोशिश होगी। उद्योगों को भी साथ लेकर चलने की जरूरत है और मजदूरों का ध्यान रखने की भी। मजदूरों की सामाजिक सुरक्षा में कोई कमी नहीं होनी चाहिए लेकिन उद्योगों की भी सुरक्षा होनी चाहिए।

पिछले कुछ दिनों से उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में जिस तरह आग फैली है उसमें राजनीतिक मंशा देखी जा रही है क्योंकि अगले साल की शुरूआत में ही वहां चुनाव है। राजस्थान में भी न्यूनतम वेतन अपेक्षाकृत कम है लेकिन वहां भिवाड़ी के अलावा किसी स्थान पर कोई घटना नहीं हुई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राज्य सरकार ने एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। इस कमेटी का मुख्य उद्देश्य मजदूरों के हितों की सुरक्षा के साथ-साथ औद्योगिक क्षेत्रों में शांति और संतुलन बनाए रखना है। गठित समिति की कमान औद्योगिक विकास आयुक्त को सौंपी गई है खास बात यह है कि समिति में श्रमिक संगठनों के पांच प्रतिनिधियों और उद्योग संगठनों के तीन प्रतिनिधियों को शामिल कर सभी पक्षों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।सरकार की प्राथमिकता मजदूरों के असंतोष को दबाने कम करने और विपक्ष राजनीतिक लाभ के लिए उकसाने मे नाकाम करने की है इसके लिए सरकार मजदूरों के हित मे हर कदम उठाने को तैयार है।

हाथियों की विरासत: जैव विविधता और पर्यावरण का अनमोल हिस्सा

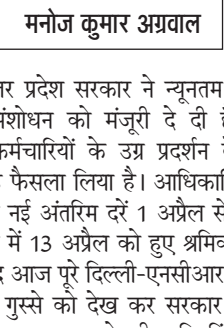

सुनील कुमार महला

पृथ्वी के सबसे बुद्धिमान, विशालकाय और सामाजिक जीवों में से एक हाथी को 'पारिस्थितिकी तंत्र का इंजीनियर' कहा जाता है। इनके संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और इनके घटते अस्तित्व को बचाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 16 अप्रैल को 'हाथी बचाओ दिवस' मनाया जाता है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वर्तमान समय में हाथी अनेक गंभीर खतरों का सामना कर रहे हैं, जिनमें अवैध शिकार (विशेषकर हाथीदांत के लिए), वनों की कटाई, प्राकृतिक आवास का विनाश, मानव-हाथी संघर्ष तथा जलवायु परिवर्तन प्रमुख हैं। हाथी जंगलों, घासभूमियों और जल स्रोतों के संतुलन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनका संरक्षण पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अनिवार्य है।

पाठकों को जानकारी देता चलूं कि हाथी पारिस्थितिकी तंत्र(इको-सिस्टम) को कई तरीकों से समृद्ध करते हैं।मसलन, वे फलों और पौधों को खाकर लंबी दूरी तय करते हैं और अपने मल(लीद) के माध्यम से बीजों का प्रसार करते हैं, जिससे नए पौधों का विकास होता है और वनों का विस्तार बना रहता है। घने जंगलों में चलते समय वे टहनियाँ और झाड़ियाँ तोड़ते हैं, जिससे वन का घनत्व कम होता है और सूर्य का प्रकाश जमीन तक पहुँचता है, जिससे छोटे पौधों और घास को बढ़ने का अवसर मिलता है और जैव विविधता बनी रहती है। सूखे के समय हाथी अपनी सूंड और पैरों से जमीन खोदकर पानी निकालते हैं, जिससे बने गड्ढे अन्य जानवरों के लिए भी जल स्रोत बन जाते हैं। इसके अलावा हाथियों के चलने से प्राकृतिक मार्ग (कॉरिडोर) बनते हैं, जो अन्य जीवों की आवाजाही को सरल बनाते हैं। उनका मल मिट्टी को पोषक तत्व प्रदान कर उसे उर्वर बनाता है और पौधों की वृद्धि में सहायक होता है।

बहरहाल, यदि हम यहां पर हाथियों से संबंधित आंकड़ों की बात करें तो भारत में हाथियों की उपस्थिति मुख्य रूप से कर्नाटक, असम, केरल, तमिलनाडु और ओडिशा में पाई जाती है। प्रोजेक्ट एलिफेंट (2017) के अनुसार भारत में लगभग 29,000-30,000 जंगली हाथियों का अनुमान था, जबकि 2025 की नवीनतम डीएनए आधारित गणना के अनुसार इनकी संख्या लगभग 22,446 आंकी गई है। डीएनए आधारित गणना का अर्थ है जानवरों की संख्या का अनुमान उनके आनुवंशिक पदार्थ (जेनेटिक मैटेरियल) के आधार पर लगाना, न कि केवल प्रत्यक्ष रूप से देखकर गिनना। विश्व में हाथियों की दो प्रमुख प्रजातियाँ पाई जाती हैं-अफ्रीकी हाथी जिनकी संख्या लगभग 4-5 लाख है तथा एशियाई हाथी जिनकी संख्या लगभग 50,000-60,000 के बीच है। भारत विश्व के कुल एशियाई हाथियों का 60% से अधिक हिस्सा रखता है। हाल फिलहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि आज के समय में मानव-हाथी संघर्ष वर्तमान समय की एक गंभीर पर्यावरणीय और सामाजिक समस्या बन चुका है। इसका मुख्य कारण वनों का सिकुड़ना, कृषि विस्तार, मानव बस्तियों का बढ़ना और हाथियों के प्राकृतिक मार्गों (कॉरिडोर) का टूटना है। इसके परिणामस्वरूप हर वर्ष औसतन 500 से अधिक लोगों की मृत्यु हाथियों के हमलों में होती है। वर्ष 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 628 तक पहुँच गई, जो पिछले पाँच वर्षों में सबसे अधिक है। पिछले पाँच वर्षों में 2,800 से अधिक मानव मौतें दर्ज की गईं, जबकि वर्ष 2009-2024 के बीच लगभग 8,000 मानव मौतें हुई हैं। सबसे अधिक प्रभावित राज्य ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम और छत्तीसगढ़ हैं।

दूसरी ओर, हाथियों की मृत्यु भी मानव गतिविधियों के कारण बड़ी संख्या में हो रही है। पिछले 16 वर्षों में 1,653 हाथियों की मौत मानवजनित कारणों से हुई है, जिनमें लगभग 69% मौतें बिजली के करंट से और लगभग 16% रेल दुर्घटनाओं से हुई हैं। पिछले पाँच वर्षों में 528 हाथियों की मौत दर्ज की गई है, जबकि प्रतिवर्ष औसतन 100 से अधिक हाथी मानव-हाथी संघर्ष में मारे जाते हैं। इसके अतिरिक्त अवैध शिकार, जहर देकर मारना तथा पटाखों या जहर मिले फलों से भी हाथियों की मृत्यु के मामले सामने आते रहे हैं। हाल ही में केरल में पटाखों से भरे फल खाने से हाथी की मृत्यु हुई तथा कर्नाटक में किसान की हाथी हमले में मृत्यु की घटना भी दर्ज की गई।

एक गंभीर घटना 20 दिसंबर 2025 को असम के होजाई जिले में हुई, जहाँ सैरंग-नई दिल्ली एक्सप्रेस

गाड़ी तेज गति से गुजर रही थी और लगभग 100 हाथियों का झुंड रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। लोको पायलट द्वारा आपातकालीन ब्रेक लगाने के बावजूद ट्रेन नहीं रुक सकी और टक्कर हो गई, जिसमें 7 हाथियों की मौके पर तथा एक घायल हाथी की बाद में मृत्यु हो गई, इस प्रकार कुल 8 हाथियों की जान गई। यह घटना उस क्षेत्र में हुई जहाँ हाथियों का प्राकृतिक आवागमन रेलवे ट्रैक के पास से होता है, लेकिन सुरक्षा उपायों और चेतावनी प्रणालियों की कमी के चलते यह हुआ। इस प्रकार भारत में जहाँ एक ओर मानव जीवन हाथियों के कारण प्रभावित हो रहा है, वहीं दूसरी ओर हाथी भी मानव गतिविधियों से गंभीर खतरे में हैं। यह स्थिति स्पष्ट रूप से दशार्ती है कि जंगलों का संरक्षण, हाथी कॉरिडोर की सुरक्षा, सुरक्षित रेलवे और बिजली व्यवस्था, तकनीकी निगरानी (जैसे जीपीएस ट्रैकिंग और अलर्ट सिस्टम) तथा स्थानीय समुदायों की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है, ताकि मानव और वन्यजीव दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके और हमारा पारिस्थितिकी तंत्र व पर्यावरण सुरक्षित रह सके।

बांदा: चोरी का राज खुलने पर हैवान बना पोता, दादी को उतारा मौत के घाट,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बांदा। जिले में एक किशोर ने पायल चोरी के विवाद में अपनी ही दादी की गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश में जनपद बांदा के पैलानी थाना क्षेत्र अंतर्गत खप्टिहाकलां गांव की नया डेरा बस्ती में एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। मंगलवार देर रात करीब डेढ़ बजे 60 वर्षीय वृद्धा सुदामा की उनके ही 15 वर्षीय चचेरे पौत्र ने गला घोंटकर हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले आरोपी किशोर ने पड़ोस की एक महिला की पायल चोरी कर ली थी। इस हरकत को सुदामा ने देख लिया और उसे डांटते हुए पायल वापस करवा दी। इसी बात को लेकर किशोर उनके प्रति नाराज हो गया और मन में बदला लेने की भावना पाल ली।

घर में अकेली पाकर दिया वारदात को अंजाम

घटना की रात सुदामा घर में अकेली थीं, जबकि उनके पति मातादीन निषाद खेत पर गेहूं की कटाई कराने गए हुए थे। इसी दौरान आरोपी किशोर ने मौका पाकर घर में घुसकर उनका गला घोंटकर मार दिया और फरार हो गया।

युवती ने देखा दिल दहला देने वाला मंजर

मंगलवार सुबह करीब 10 बजे पड़ोस की युवती पूनम दूध लेने उनके घर पहुंची। काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला तो वह बाउंड्री फांदकर अंदर गई। अंदर का दृश्य देखकर वह सन्न रह गई। सुदामा चारपाई पर मृत अवस्था में पड़ी थीं, उनके हाथ-पैर लटके हुए थे और मुंह, नाक व कान से खून निकल रहा था।

टूटी चूड़ियां और खून के निशान बने अहम सुराग

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान चारपाई के पास टूटी हुई चूड़ियां और खून के निशान मिले, जो संघर्ष की ओर इशारा कर रहे थे। इन्हीं सुरागों के आधार पर पुलिस ने जांच तेज की।

पूछताछ में कबूला जुर्म

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी किशोर पहले भी चोरी की घटनाओं में शामिल रहा है। शक के आधार पर उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया।

पुलिस ने आरोपी किशोर के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है और उसे किशोर न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है और उसे हिरासत में ले लिया गया है। आगे की कार्रवाई जारी है।

प्लास्टिक पर सख्ती: खरीदने पर जुर्माना, लौटाने पर इनाम! समझिए क्या होगी नई नीति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली प्लास्टिक कचरे से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए राजधानी में डिपॉजिट रिटर्न स्कीम (डीआरएस) लागू करने की तैयारी है। नॉन बायोडिग्रेडेबल कचरे की समस्या से निपटने के लिए इसकी संभावनाओं को तलाशा जाएगा। इसके लिए अन्य राज्यों में लागू इस स्कीम के मॉडल का अध्ययन किया जाएगा।

पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने इस स्कीम को लागू करने की संभावनाओं को तलाशने के निर्देश दे दिए हैं। डीआरएस के तहत प्लास्टिक की वस्तुएं खरीदने पर एक रिफंडेबल डिपॉजिट लिया जाता है, जो कलेक्शन सेंटर पर वापस करने पर लोगों को लौटा दिया जाता है।

दिल्ली सरकार प्रदूषण कम करने के लिए डिपॉजिट रिटर्न स्कीम (DRS) लागू करने की तैयारी में है।प्लास्टिक सामान खरीदते समय ग्राहकों को एक रिफंडेबल डिपॉजिट (अतिरिक्त शुल्क) देना होगा।इस्तेमाल के बाद प्लास्टिक वापस करने पर यह पैसा ग्राहकों को लौटा दिया जाएगा।इसका उद्देश्य नालों में जमाव, जल प्रदूषण और मिट्टी के नुकसान को रोकना है।

स्कीम को लागू करने की संभावनाओं को तलाशने के निर्देश दिए

इसे लेकर पर्यावरण मंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में चर्चा की गई। प्लास्टिक कचरा नालों को जाम कर रहा है, जल स्रोतों को प्रदूषित कर रहा है, मिट्टी को नुकसान पहुंचा रहा है और खुले में जलने से वायु प्रदूषण बढ़ा रहा है। सिरसा ने कहा कि यह स्कीम अन्य राज्यों में सफल रही है और राजधानी भी अब इसे अपनाने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। इस संबंध में स्टैंडिंग आदेश जारी किए गए हैं। पर्यावरण विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि वे इन मॉडलों का विस्तृत अध्ययन करें, दिल्ली के लिए उपयुक्त डीआरएस ढांचा तैयार करें।

दिल्ली के सरिता विहार में एनकाउंटर में पकड़े 6 बांग्लादेशी डकैत, आरोपियों के पास से पिस्टल, कारतूस और चाकू किए बरामद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली: साउथ-ईस्ट दिल्ली के सरिता विहार इलाके में बीती रात पुलिस और बदमाशों के बीच एकनाउंटर हुआ। दोनों ओर से 6 राउंड गोलियां चलीं। हालांकि गोली किसी को नहीं लगी। इसके बाद पुलिस ने 6 बदमाशों को पकड़ा। ये सभी बांग्लादेशी हैं। जो यहां डकैती की वारदात करते थे। खबर लिखे जाने तक आरोपियों से पूछताछ की जा रही थी।पुलिस सूत्र ने बताया कि क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉर्शन किडनैपिंग सेल टीम को सूचना मिली थी कि सरिता विहार इलाके में कुछ बांग्लादेशी नागरिक अवैध रूप से रह रहे हैं। सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम उन्हें पकड़ने पहुंची थी। टीम ने मौके पर घेराबंदी कर बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की तो उन्होंने आत्मसमर्पण करने के बजाय पुलिस पार्टी पर फायरिंग शुरू कर दी।

6 बांग्लादेशी बदमाशों को दबोचा

बदमाशों की ओर से कुल तीन राउंड फायर किए गए। आत्मरक्षा और अपराधियों को काबू करने के लिए पुलिस टीम ने भी जवाबी कार्रवाई में तीन राउंड गोलियां चलाईं। गनीमत रही कि इस गोलाबारी में पुलिस टीम का कोई भी सदस्य या आरोपी घायल नहीं हुआ। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए सभी छह बांग्लादेशी बदमाशों को दबोच लिया।

बड़ी संभावित वारदात को टली

तलाशी के दौरान बदमाशों के पास से तीन देसी कट्टे, 1 देसी 12 बोर की बंदूक, पांच कारतूस और एक बटनदार चाकू बरामद हुआ। पकड़े गए सभी आरोपी मूल रूप से बांग्लादेश के रहने वाले बताए जा रहे हैं। पुलिस अब इस बात की तफ्तीश कर रही है कि ये लोग कब से दिल्ली में रह रहे थे और इनके तार किन-किन वारदातों से जुड़े हैं। साथ ही, इनके अवैध रूप से सीमा पार करने और स्थानीय संपर्कों की भी जांच की जा रही है। दावा किया जा रहा है कि सफल ऑपरेशन ने इलाके में एक बड़ी संभावित वारदात को टाल दिया है।

'स्मारक दलितों को कैसे बनाते हैं सशक्त? आंबेडकर जयंती पर BJP ने शुरू किया अभियान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ : उत्तर प्रदेश में दलित स्मारकों के निर्माण या नवीनीकरण ने अनुसूचित जाति समुदाय को किस हद तक सशक्त बनाया है या बनाएगा? संविधान के शिल्पी डॉ. बीआर आंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी की ओर से चलाए जा रहे एक महत्वाकांक्षी जनसंपर्क अभियान के दौरान यह एक प्रमुख फीडबैक पैमाना होगा। इसके लिए आज यानी बुधवार से 'बस्ती संपर्क अभियान' की शुरुआत पार्टी की ओर से की गई है। इसका उद्देश्य न केवल आंबेडकर की विरासत का स्मरण करना है। यूपी बीजेपी अपने अभियान के क्रम में हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं और सरकारी पहलों की प्रभावशीलता पर जमीनी स्तर का व्यवस्थित फीडबैक भी इकट्ठा करेगा। यह पहल योगी आदित्यनाथ सरकार के उस फैसले के ठीक बाद आई है, जिसमें राज्य की सभी 403 विधानसभा सीटों में से प्रत्येक में दलित स्मारकों के

नवीनीकरण के लिए 1 करोड़ रुपये आवंटित करने का निर्णय लिया गया है।

भाजपा की रणनीति का हिस्सा

सीएम योगी के इस कदम को भाजपा की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसके तहत वह एससी मतदाताओं के बीच अपनी पहुंच को और मजबूत करना चाहती है। साथ ही, अगले साल होने वाले बेहद अहम विधानसभा चुनावों से पहले समाजवादी पार्टी-कांग्रेस गठबंधन के पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक (PDA) नैरेटिव का मुकाबला करना भी इसका एक उद्देश्य है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, बीजेपी के एससी मोर्चा को इस अभियान की अगुवाई करने का ज़िम्मा सौंपा गया है, जिसमें बूथ-स्तर पर लोगों से जुड़ने पर विशेष ज़ोर दिया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि सवर्ण और एससी, दोनों समुदायों के नेताओं से बनी टीमें विभिन्न जिलों में दलित-बहुल इलाकों का दौरा करेंगी। टीमें वहां के निवासियों से सीधे बातचीत करेंगी।

एससी मोर्चा के प्रमुख ने दी जानकारी

भाजपा प्रदेश एससी मोर्चा के प्रमुख राम चंद्र कन्नौजिया ने कहा कि यह अभियान निश्चित रूप से इस बात का आकलन करेगा कि क्या दलित स्मारकों के नवीनीकरण का सामाजिक रूप से वंचित वर्गों पर वास्तव में कोई असर हुआ है? अगर हां, तो किस हद तक। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी कार्यकर्ता स्थानीय मुद्दों पर भी लोगों का फीडबैक लेंगे। समुदाय के कल्याण के लिए आवश्यक अतिरिक्त उपायों की पहचान करेंगे। कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाना होगा।

ग्राहक को 'सड़क कब बनेगी?' पूछना पड़ा भारी
दुकानदार ने बेटे संग पीटा, 3 दांत तोड़कर बोला- 'लो, बन गई'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा।उत्तर प्रदेश में कानपुर के शारदा नगर इलाके में एक मामूली मजाक ने हिंसक रूप ले लिया। सड़क की खराब हालत पर की गई एक हल्की टिप्पणी ने ऐसा विवाद खड़ा कर दिया कि एक ग्राहक को बुरी तरह पीट दिया गया और उसके तीन दांत टूट गए। घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है।

क्या है पूरा मामला

रविवार शाम को निजी क्षेत्र में कार्यरत और स्थानीय निवासी अमित सिंह, अपने घर के पास स्थित एक जनरल स्टोर पर दूध लेने पहुंचे थे। दुकान के बाहर की सड़क लंबे समय से खराब पड़ी हुई है। इसी को लेकर अमित ने दुकानदार संजय सिंह भदौरिया से हल्के अंदाज में पूछ लिया कि 'सड़क कब ठीक होगी?'बताया जा रहा है कि इसी बात पर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।

विवाद, हिंसा तक पहुंचा

पुलिस के अनुसार, टिप्पणी से नाराज होकर दुकानदार ने पहले अमित के साथ गाली-गलौज की। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोप है कि दुकानदार ने अमित को दुकान के अंदर खींच लिया। वहां उसने अपने बेटे सौरभ के साथ मिलकर डंडों से उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। इस हमले में अमित के तीन दांत टूट गए और उनके शरीर पर कई गंभीर चोटें आईं।

हमले के बाद भी नहीं रुके आरोपी

पीड़ित के मुताबिक, मारपीट के बाद आरोपियों ने उसके टूटे हुए दांत उसके हाथ में रख दिए और तंज कसते हुए कहा, 'लो, अब सड़क बन गई... जाओ, FIR कर दो।' इस तरह की हरकत ने घटना को और भी चौंकाने वाला बना दिया। घटना के तुरंत बाद अमित सिंह ने डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को रावतपुर थाने ले गई। इस बीच, घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसमें अमित अपने टूटे हुए दांत दिखाते नजर आ रहे हैं।

समझौते के बाद थमा मामला

रावतपुर थाने के प्रभारी कमलेश राय के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच देर शाम आपसी समझौता हो गया। इसी वजह से इस मामले में कोई औपचारिक कानूनी कार्रवाई नहीं की गई।

UP में लागू हुआ नया नियम: बिना HSRP के नहीं बनेगा PUC, भरना पड़ेगा 10000 तक का जुर्माना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ : प्रदेश में वाहन मालिकों के लिए एक बड़ा बदलाव लागू कर दिया गया है। अब हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (HSRP) के बिना किसी भी वाहन का प्रदूषण प्रमाण पत्र (PUC) जारी नहीं किया जाएगा। परिवहन विभाग ने यह नियम 15 अप्रैल से प्रभावी कर दिया है, जिससे लाखों वाहन स्वामियों पर सीधा असर पड़ेगा।

किन वाहनों पर लागू होगा नया नियम

यह नियम खासतौर पर उन वाहनों पर लागू किया गया है जो अप्रैल 2019 से पहले पंजीकृत हैं। विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में ऐसे वाहनों की संख्या दो करोड़ से अधिक है। 1 अप्रैल 2019 के बाद खरीदे गए सभी नए वाहनों में ‖SRP पहले से ही अनिवार्य रूप से लगी होती है, इसलिए उन पर इस नियम का असर नहीं पड़ेगा।

PUC बनवाने में आएगी बाधा

परिवहन विभाग ने PUC (Polluti0Under Control) पोर्टल में तकनीकी बदलाव किए हैं। अब यदि किसी वाहन पर HSRP नहीं लगी है, तो सिस्टम उसका डेटा स्वीकार नहीं करेगा और उसका **प्रदूषण प्रमाण पत्र जारी नहीं होगा।** कानपुर के एआरटीओ (प्रशासन) आलोक कुमार सिंह ने बताया कि यह कदम सरकार के निर्देशों के तहत उठाया गया है, ताकि सभी वाहनों पर HSRP सुनिश्चित की जा सके।

जुर्माने का भी प्रावधान

अगर कोई वाहन मालिक बिना HSRP के वाहन चलाता पाया जाता है, तो उसे 10,000 रुपये तक का जुर्माना भरना पड़ सकता है। इसके अलावा PUC न होने की स्थिति में भी चालान काटा जा सकता है, जिससे दोहरी परेशानी हो सकती है।

पहले ही दी जा चुकी है चेतावनी

परिवहन विभाग की ओर से पहले ही वाहन स्वामियों को ‖SRP लगवाने के लिए कई बार चेतावनी दी जा चुकी है। इसके बावजूद कई लोग अब तक इसे नजरअंदाज कर रहे थे, जिसे देखते हुए अब सख्ती बढ़ा दी गई है।

कुछ वाहनों को मिली अस्थायी राहत

विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन वाहन मॉडलों के लिए अभी HSRP उपलब्ध नहीं है,

नोएडा बवाल: RJD की प्रवक्ता प्रियंका भारती और कंचना यादव पर FIR

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। सोमवार को भड़की मजदूरों की हिंसा के मामले में पुलिस ने आरजेडी प्रवक्ता प्रियंका भारती और कंचना यादव पर एफआईआर दर्ज की है। उत्तर प्रदेश के नोएडा में कर्मचारी एक बार फिर काम पर लौट रहे हैं। सोमवार और मंगलवार को शहर में उपद्रव, आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन के बाद बुधवार को शांति रही। फैक्ट्रियां खुल गई हैं। कर्मचारियों काम पर लौट आए हैं। स्थिति सामान्य बनी हुई है। किसी प्रकार की उपद्रव की आशंका को देखते हुए शहर में जगह-जगह पुलिस बल को तैनात किया गया है। ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी से संवेदनशील इलाकों की निगरानी हो रही है। शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए 16 कंपनी आरएएफ और पीएसी लगाई गई है। इस बीच सरकार और प्रशासन की ओर से लगातार कर्मचारियों को शांत करने के लिए प्रयास किए गए हैं। वहीं, संवेदनशील वीडियो शेयर किए जाने के मामले में राजद प्रवक्ता प्रियंका भारती और कंचन यादव पर केस दर्ज किया गया है। नोएडा में बढ़े बवाल के बीच साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में राजद की दो महिला प्रवक्ताओं कंचना यादव और प्रियंका भारती के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। इन दोनों पर आरोप है कि

उन्होंने सोशल मीडिया पर भ्रामक वीडियो शेयर किया। इसके जरिए शहर में माहौल खराब करने की कोशिश की गई। शहर की कानून-व्यवस्था और पुलिस कर छवि खराब करने का प्रयास किए जाने की भी बात एफआईआर में है।

सीएम योगी ने फिर की अपील

सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को टाटा मोटर्स के कार्यक्रम में एक बार फिर कर्मचारियों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कर्मचारियों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जा रहा है। किसी भी उनके साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। साथ ही, कंपनी और कर्मचारी को एक परिवार बताते हुए सीएम योगी ने कहा कि अपने परिवार को नुकसान पहुंचा कर आप अपना ही नुकसान करेंगे। सीएम योगी ने कर्मचारियों से बाहरी लोगों के बहकावे में न आने की अपील की। वहीं, डीएम मेधा रूपम ने सभी एजेंसियों को कर्मचारियों के वेतन को लेकर सरकार के निर्णयों का पालन का निर्देश दिया गया है। उन्होंने साफ कहा कि अगर कर्मचारियों का उपद्रव होता है तो ये एजेंसियां जवाबदेह होंगी।

पुलिस ने भी कसी कमर

नोएडा पुलिस भी बुधवार सुबह से ही किसी भी प्रकार के प्रदर्शन जैसी स्थिति से निपटने के लिए तैयार दिखी। नोएडा कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने स्वयं मोर्चा संभाला। वे सड़कों पर दिखीं। नोएडा सेक्टर 63, 84, 85, 80, फेस 2 में पुलिस ने फ्लैगमार्च किया। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि सरकार ने कर्मचारियों की सभी मांगों को मान लिया है। ऐसे में उपद्रव करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा।

कंपनियों के बाहर नोटिस

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में सरकार और प्रशासन के दबाव का असर दिखा। कंपनियों के बाहर श्रमिकों की सैलरी बढ़ाए जाने संबंधी नोटिस चिपका दिए गए हैं। हालांकि, कुछ कंपनियों में आज छुट्टी कर दी गई है। कई कंपनियों ने नोटिस चिपका कर इस संबंध में जानकारी दी गई। गुरुवार को कंपनी खुलने या बंद रहने के संबंध में बाद में जानकारी दिए जाने की बात कही गई है।

1800 लोगों के खिलाफ केस

नोएडा में सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर शुक्रवार से ही कर्मचारियों का प्रदर्शन चल रहा था। सोमवार और मंगलवार को कर्मचारियों ने हिंसक प्रदर्शन किया। पथराव और तोड़फोड़ की घटनाओं को अंजाम दिया गया। श्रम मंत्री अनिल राजभर ने इस मामले में कहा है कि नोएड की घटना में बड़ी साजिश की बू आ रही है। वहीं, कंपनी मालिकों कहना है कि बाहरी लोगों ने माहौल को भड़काया। मजदूर कभी हिंसक प्रदर्शन नहीं कर सकते हैं। नोएडा हिंसा के मामले में 7 थानों में 1800 लोगों और 4 हैंडलर्स के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने हिंसा और उपद्रव के मामले में चार महिलाओं समेत 396 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। नोएडा में शांति बनाए रखने के लिए एसडीएम-एडीएम के नेतृत्व में कई स्थानों पर फ्लैग मार्च किया गया।

कर्मचारियों के बीच पहुंची डीएम

डीएम मेधा रूपम बुधवार को कर्मचारियों के बीच पहुंची। उन्होंने कर्मचारियों को वेतन वृद्धि और सरकार-प्रशासन के स्तर पर लिए गए निर्णयों की जानकारी दी। ग्लोबल ऑटो टेक लिमिटेड, ग्रेटर नोएडा के श्रमिकों से संवाद करते हुए डीएम ने उनकी समस्याएं सुनी। कंपनी प्रबंधन के लोग भी इस मौके पर मौजूद रहे। डीएम ने उन्हें वेतन वृद्धि के साथ-साथ शासन की ओर से उनके हितों में लिए गए निर्णयों की जानकारी दी। साथ ही शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

पूर्व प्रेमी की होने वाली दुल्हन पर फेंका एसिड, आरोपी महिला गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली: नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली के गोकुलपुरी इलाके में एक रौंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है। दरअसल वहां 21 वर्षीय युवती पर एसिड (तेजाब) से हमला हुआ है। यह हमला तब हुआ है, जब युवती दुल्हन बनने वाली थी और घर में उसकी शादी की तैयारियां चल रही थीं। आरोप है कि प्यार में पागलपन की हदें पार करते हुए एक महिला ने ही इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने 26 वर्षीय आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ संबंधित धारा में केस भी दर्ज कर लिया गया है।

कल दोपहर की घटना

पुलिस के मुताबिक, घटना 14 अप्रैल की दोपहर की है। गोकुलपुरी पुलिस को सूचना मिली कि इंदिरा विहार इलाके में एक युवती पर तेजाब फेंका गया है। जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पता चला कि घायल युवती को उसके परिजनों ने GTB अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए फौरन केस दर्ज किया। साथ ही फरेंसिक टीम को घटनास्थल पर बुलाकर साक्ष्य जुटवाए।

ये था मामला

जांच के दौरान जो चौंकाने वाला खुलासा हुआ, वह प्रेम प्रसंग और ईर्ष्या से जुड़ा निकला। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि पीड़िता की शादी तय हो चुकी थी। तेजाब फेंकने वाली एक महिला है, जो पीड़िता के होने वाले पति के साथ पहले से प्रेम संबंध में थी। शादी रुकवाने और ईर्ष्या के वश में आकर आरोपी महिला ने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने कुछ ही समय में आरोपी महिला को भी गिरफ्तार कर लिया।

पर्शियन बिल्लियों के थे पासपोर्ट, मालकिन विदेश घुमाने लेकर जाने वाली थी, मौत पर पहुंची थाने

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली: रोहिणी के बुध विहार इलाके में बीती रात कबाड़ के गोदाम में बनी झुग्गियों में भीषण आग लग गई, जिसके चलते एक झुग्गी में सो रहा पूरा परिवार उसकी चपेट में आ गया। वहां सो रहे तीनों लोग बाहर नहीं निकल पाए और उनकी जलकर मौत हो गई। मरने वालों में मुसीबुर (25), मुरार (23) और उनकी बेटी मोइमोना है। फिलहाल आग लगने की वजह साफ नहीं हो पाई है। पुलिस केस दर्ज कर मामले की छानबीन कर रही है।

दमकल विभाग के,ष्ठह्र अजय कुमार शर्मा ने बताया कि मंगलवार-बुधवार की रात करीब डेढ़ बजे बुध विहार के मांगेराम पार्क इलाके से आग लगने की सूचना मिली थी। फौरन दमकल की छह गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। संकरी गली होने के कारण बड़ी गाड़ी अंदर नहीं पहुंच सकी, जिसके चलते दमकलकर्मियों को आग बुझाने में कड़ी मशक्कत करने पड़ी। घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। एक झुग्गी में परिवार के तीन लोग मृत मिले। झुग्गी में रखा सारा सामान भी जलकर खाक हो चुका था।

आग लगाने का लगाया आरोप

इस पूरे मामले में मृतक परिवार के परिजनों ने मामले को साजिश बताया है। उनका दावा है कि आग वहां लगाई गई थी, यह आग खुद नहीं लगी है। यही नहीं घटनास्थल के पास ऐसे कई प्लॉट हैं, जिनमे अवैध रूप से प्लास्टिक कबाड़ का काम किया जाता है। पास ही खाली पड़े सरकारी पार्क की जममीन पर इसी प्लास्टिक कबाड़ का काम होता है। इतने बड़े लेवल पर अवैध काम होना प्रशासन पर भी सवालिया निशान खड़े करता है। खबर लिखे जाने तक मामले पर पुलिस की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई थी।

दिल्ली में 16 अप्रैल से जनगणना का पहला चरण, जमा होगा घरों और इमारतों का डेटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली: राजधानी दिल्ली में जनगणना के पहले चरण की शुरुआत 16 अप्रैल से होने जा रही है, जिसमें टीमें घरों और इमारतों से जुड़ी जानकारी जुटाएंगी. यह प्रक्रिया 16 मई तक चलेगी. इसके बाद जनगणना का दूसरे चरण शुरू होगा, जिसमें लोगों की संख्या और उनके घरों में बुनियादी सुविधाओं का आंकड़ा इकट्ठा किया जाएगा.

देश की राजधानी दिल्ली में जनगणना के पहले चरण 'हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन' की शुरुआत 16 अप्रैल से होगी. इस दौरान सभी इमारतों और घरों से जुड़ी जानकारी एकत्र की जाएगी. भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त (Census Commissioner) मृत्युंजय कुमार नारायण ने बताया कि जनगणना की प्रक्रिया दो चरणों में 30-30 दिन के लिए चलेगी.

जनगणना में लगी टीमें पहले चरण में 16 अप्रैल से 15 मई तक नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (NDMC) और दिल्ली के कैंटोनमेंट इलाकों में डेटा एकत्र करेंगी. वहीं दूसरा चरण 16 मई से 15 जून तक दिल्ली नगर निगम (MCD) के अंतर्गत आने वाले इलाकों में पूरा किया जाएगा. उन्होंने बताया कि एनडीएमसी और दिल्ली कैंटोनमेंट के लिए सेल्फ-एन्यूमरेशन (स्वयं गणना) प्रक्रिया 1 अप्रैल से शुरू होगी, जबकि एमसीडी क्षेत्रों के लिए यह 1 मई से 15 मई तक चलेगी.

ऑनलाइन भर सकेंगे जनगणना फॉर्म

मृत्युंजय नारायण के मुताबिक नागरिकों के पास खुद जनगणना प्रक्रिया पूरी करने का विकल्प होगा, जिसमें वे वेबसाइट पर जाकर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं और अपनी पूरी जानकारी भर सकते हैं. इसके बाद उन्हें 16 अंकों का एक कोड मिलेगा. यह कोड गणनाकर्मी (एन्यूमरेटर) के घर आने पर उसे दिया जाएगा. वह इस कोड के जरिए ऑनलाइन भरी गई जानकारी का सत्यापन करेगा. इस दौरान नागरिक जरूरत के अनुसार सुधार भी करवा सकते हैं.

लोगों को देने होंगे 33 सवालों के जवाब

देश में जनगणना दो चरणों में संपन्न होगी- पहला चरण 'हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन' और दूसरा चरण 'पॉपुलेशन काउंटिंग' का होगा. इस बार पहली बार यह पूरी प्रक्रिया डिजिटल तरीके से की जाएगी. गणनाकर्मी एक विशेष मोबाइल ऐप का उपयोग कर जानकारी एकत्र करेंगे. इस दौरान नागरिकों से 33 सवाल पूछे जाएंगे, जिनमें घर की बुनियादी सुविधाएं, परिवार के मुखिया का नाम और लिंग, और मकान के स्वामित्व की स्थिति शामिल होगी.केंद्र सरकार की ओर से 22 जनवरी को जारी गजट अधिसूचना के मुताबिक, गणनाकर्मी घर में मौजूद कमरों की संख्या, वहां रहने वाले विवाहित जोड़ों की संख्या, पीने के पानी का मुख्य स्रोत, रोशनी का साधन, शौचालय की उपलब्धता और प्रकार, गंदे पानी की निकासी, स्नान की सुविधा, रसोई, खाना बनाने में इस्तेमाल होने वाले ईंधन जैसे- एलपीजी और पीएनजी कनेक्शन, के बारे में भी जानकारी लेंगे.इसके अलावा रेडियो, ट्रांजिस्टर, टीवी, इंटरनेट की उपलब्धता, लैपटॉप, कंप्यूटर, टेलीफोन, मोबाइल और स्मार्टफोन जैसे उपकरणों, वाहन के प्रकार, घर में उपयोग होने वाले मुख्य अनाज और जनगणना से संबंधित संदेशों के आदान-प्रदान के लिए लोगों के मोबाइल नंबर भी लिए जाएंगे. अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि यदि कोई अधिकारी जानबूझकर जनगणना के दौरान 'आपत्तिजनक या अनुचित सवाल पूछता' है, तो दोषी पाए जाने पर उसे तीन साल तक की सजा हो सकती है.

महाराष्ट्र: अकोला में स्टोन क्रशर मालिक से वसूली, राजस्व अधिकारी पर केस दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अकोला. जिले में अतिरिक्त कलेक्टर प्रमोद राहुल गायकवाड़ पर स्टोन क्रशर कारोबारियों से अवैध वसूली और धमकी के आरोप में FIR दर्ज हुई. शिकायत में गायकवाड़ पर जबरन वसूली का आरोप लगाया गया है. महाराष्ट्र के अकोला जिले में एक अतिरिक्त कलेक्टर पर स्टोन क्रशर कारोबारियों से अवैध वसूली करने और धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी. अधिकारी के अनुसार आरोपी अतिरिक्त कलेक्टर प्रमोद राहुल गायकवाड़ के खिलाफ सोमवार को एमआईडीसी पुलिस स्टेशन में प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) दर्ज की गई. यह कार्रवाई स्टोन क्रशर मालिकों के एक संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष की शिकायत के आधार पर की गई है. शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि गायकवाड़ ने उनसे हर महीने 15,000 रुपये की मांग की थी. जबकि संगठन से जुड़े अन्य कारोबारियों से 5000 रुपये प्रति व्यक्ति देने को कहा गया था. शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि अधिकारी ने चेतावनी दी थी कि यदि उसकी मांगें पूरी नहीं की गईं तो वह संबंधित कारोबारियों के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई करेगा. आरोप है कि गायकवाड़ ने शिकायतकर्ता से 15,000 रुपये की राशि स्वीकार भी की. पुलिस अधिकारी ने बताया कि इससे पहले 'अकोला जिला खनन और क्रशर उद्यमी संघ' ने भी गायकवाड़ के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी. मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत जबरन वसूली और आपराधिक धमकी देने के आरोप, व भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत भी प्रकरण दर्ज किया गया है. प्रशासनिक स्तर पर भी कार्रवाई करते हुए राज्य सरकार ने गायकवाड़ को अनिवार्य अवकाश पर भेज दिया है. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और संबंधित पक्षों से पूछताछ की जा रही है. हालांकि, अतिरिक्त कलेक्टर गायकवाड़ ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को निराधार बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया है. उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है. यह कार्रवाई स्टोन क्रशर मालिकों के एक संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष की शिकायत के आधार पर की गई है. शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि गायकवाड़ ने उनसे हर महीने 15,000 रुपये की मांग की थी. जबकि संगठन से जुड़े अन्य कारोबारियों से 5000 रुपये प्रति व्यक्ति देने को कहा गया था. शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि अधिकारी ने चेतावनी दी थी कि यदि उसकी मांगें पूरी नहीं की गईं तो वह संबंधित कारोबारियों के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई करेगा. आरोप है कि गायकवाड़ ने शिकायतकर्ता से 15,000 रुपये की राशि स्वीकार भी की.

शादी के बाद अफेयर, धोखा और मौत...निवाड़ी में पहले मर्डर फिर सुसाइड का सनसनीखेज खुलासा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मध्य प्रदेश में निवाड़ी जिले के सेंदरी थाना क्षेत्र में रविवार को हुए सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड में मंगलवार को पुलिस अधीक्षक डॉ. रायसिंह नरवरिया ने चौंकाने वाला खुलासा किया है. कॉल डिटेल के आधार पर यह पता चला कि मृतक युवक और युवती का प्रेम प्रसंग लंबे समय से चल रहा था और मृतक युवक शादीशुदा था. जांच में यह भी खुलासा हुआ कि लड़की की कुछ समय बाद शादी होने वाली थी, लेकिन इससे पूर्व लड़के ने लड़की की हत्या कर दी और खुद ने फांसी लगा ली.

दरअसल, रविवार को सेंदरी थाना क्षेत्र के पूछा की पहाड़ी ठिमरपुरा एमपी यूपी बार्डर पर एक युवती का धारदार हथियार से कटे हुए गले का शव मिला था. युवती के शव से करीब 60 फीट दूर पेड़ पर फांसी के फंदे पर एक युवक का भी शव मिला था. मृतक युवक की पहचान 24 साल के हरेंद्र केवट रूप में हुई जो टहरौली यूपी के सिरोनी गांव का निवासी था. मामला गंभीर होने के चलते पुलिस अधीक्षक डॉक्टर राय सिंह नरवरिया स्वयं इसकी जांच पर नजर बनाये हुए हैं. अभी तक हुई प्रारंभिक जांच में और मोबाइल के आधार पर पुलिस अधीक्षक डॉ. रायसिंह नरवरिया ने बताया कि दोनों मृतकों के बीच बातचीत होती थी. घटनास्थल क मौका मुआयना करने के बाद पुलिस को यह भी पता चला है कि जहां पर यह घटना हुई है सामान्य तौर पर वहां कोई आता जाता नहीं है.

मौके से पुलिस को कुछ खाने पीने का सामान और धारदार हथियार मिला है जिससे युवती की हत्या की गई है. पुलिस ने उसे जब्त कर लिया है. इससे 60 फीट दूर एक पेड़ पर हरेंद्र केवट का फंदे पर लटका शव मिला है. पुलिस ने जांच में यह भी पता लगा लिया है कि पहले हरेंद्र ने धारदार हथियार से युवती का गला रेता, उसके बाद खुद फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली. अभी तक की जांच में पुलिस को पता चला है कि लड़की के घरवाले उसकी शादी कहीं ओर करने वाले थे और लड़के की शादी एक साल पहले हो चुकी है. बावजुद इसके वह युवती के साथ रिलेशनशिप में था. घटना के एक दिन पहले शनिवार को लड़की घर से किसी काम का बोलकर निकली थी, रविवार सुबह तक जब लड़की नहीं मिली तो लड़की के परिजनों ने थाने पर शिकायत दर्ज कराई. उसका मोबाइल चालू था, इस कारण पुलिस को उसे ढूंढने में ज्यादा परेशानी नहीं आई. उसके बाद दोनों के शव पहाड़ी पर मिले. पुलिस अधीक्षक का कहना है कि ऐसा अनुमान है कि युवती युवक पर शादी के लिये दबाव बना रही होगी और लड़का शादीशुदा होने के कारण इनकार कर रहा होगा. इसी बात से आवेश में आकर उसने युवती की हत्या कर खुद भी फांसी लगा ली हो. पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस इस मामले में जांच कर रही है दोनों पक्षों के परिजनों के बयान के बाद ही कुछ कहा जा सकता है. बहरहाल पुलिस दोनों पक्षों के बयान लेगी, उसके बाद ही पूरे मामले का पर्दाफाश हो पाएगा.

वंदे मातरम नहीं गाने वाली कांग्रेस की महिला पार्षदों पर एफआईआर दर्ज, इंदौर पुलिस ने दोनों से की थी पूछताछ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर : राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' गाने से इनकार करने वाली दो कांग्रेस पार्षदों पर बुधवार को सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने के आरोप में आपराधिक मामला दर्ज किया गया। इंदौर पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इंदौर नगर निगम के बजट सम्मेलन के दौरान आठ अप्रैल को कांग्रेस की पार्षद फौजिया शेख अलीम ने इस्लामी मान्यताओं का हवाला देते हुए 'वंदे मातरम' गाने से इनकार कर दिया था। निर्दलीय चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस में शामिल होने वाली एक अन्य पार्षद रुबीना इकबाल खान ने भी फौजिया के इस रुख का समर्थन करते हुए राष्ट्रीय गीत गाने से मना कर दिया था। एमजी रोड थाने में केस दर्ज अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेंद्र सिंह ने बताया कि एक शिकायत पर जांच के बाद एमजी रोड पुलिस थाने में फौजिया और रुबीना के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 (अलग-अलग समुदायों के आपसी सद्भाव पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कृत्य) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने बीते दो दिनों में दोनों पार्षदों को पूछताछ के लिए तलब किया था और उनके बयान दर्ज किए गए थे। सिंह ने बताया कि मामला संज्ञेय पाए जाने पर हमने प्राथमिकी दर्ज की है और इसकी विस्तृत जांच शुरू कर दी है।कांग्रेस पार्षदों की बढ़ेंगी मुश्किलें इंदौर में कांग्रेस की दोनों महिला पार्षदों की बढ़ी मुश्किलेंफौजिया शेख और रुबिना खान के खिलाफ एफआईआर दर्ज

वंदे मातरम नहीं गाने को लेकर केस दर्ज दोनों से पहले इंदौर पुलिस ने की थी पूछताछ थाने में हुई थी पूछताछ

दोनों पार्षदों से शिकायत के बाद इंदौर पुलिस ने पूछताछ की थी। पहले फौजिया शेख अलीम को थाने में बुलाया गया था। फौजिया शेख से करीब चार घंटे तक पूछताछ हुई थी। उसके अगले दिन रुबिना खान को बुलाया गया था। रुबिना से भी चार-पांच घंटे तक पूछताछ हुई थी। इसके बाद रुबिना खान ने माफी भी मांगी थी लेकिन पुलिस ने दोनों ने **खिलाफ केस दर्ज किया है।**

बीजेपी पार्षदों ने किया था हंगामा

दरअसल, इंदौर नगर निगम में बजट के बाद चर्चा के दौरान सदन में रुबिना खान और फौजिया शेख ने वंदे मातर गाने से मना कर दिया **था।** फौजिया ने कहा था

एमपी के इस शहर में 'गर्लफ्रेंड' करेगी जनगणना की ड्यूटी, सरकारी आदेश भी आया सामने!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना: सरकारी महकमों में बाबू और बाबूगिरी के किस्से तो आपने बहुत सुने होंगे, लेकिन गुना नगरपालिका के एक ताजा आदेश ने तो जैसे पूरी व्यवस्था को ही 'रोमांटिक' रंग में रंग दिया है। गुना जिले में जनगणना की तैयारियां परवान पर हैं। वहीं, नगर पालिका द्वारा जारी एक सूची ने शहर के गलियारों में ठहाकों और चर्चाओं का दौर शुरू कर दिया है। दरअसल, गणनाकारों की इस आधिकारिक लिस्ट में एक ऐसा नाम शामिल हो गया है, जिसे पढ़कर लोग अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे हैं।

आदेश की पांचवीं लाइन और 'वो' नाम

दरअसल, गुना नगरपालिका ने जनगणना के दूसरे चरण के लिए 36 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। गांधी वोकेशनल कॉलेज में 17 से 19 अप्रैल तक होने वाली इस ट्रेनिंग के लिए बकायदा एक सूची जारी की गई। जैसे ही यह आदेश सार्वजनिक हुआ, सबकी नजरें सीरियल नंबर 5 पर जाकर टिक गईं। यहां कर्मचारी के नाम के आगे साफ अक्षरों में

'गर्लफ्रेंड पंत' लिखा हुआ था। हद तो तब हो गई जब उनकी यूजर आईडी में भी 'girlfriend' शब्द का इस्तेमाल किया गया। सरकारी दस्तावेज में इस तरह के नाम की एंट्री देख हर कोई दंग रह गया।

गुना में गर्लफ्रेंड करेगी जनगणना

गुना में सरकारी आदेश की सूची है वायरल

गर्लफ्रेंड पंत करेंगी जनगणना

अधिकारियों ने कहा कि यह टाइपिंग एरर

कर्मचारी का नाम है प्रेमिका पंत

सर्च किया तो खुला 'प्रेमिका' का राज

आदेश वायरल होते ही जब जांच-पड़ताल का सिलसिला शुरू हुआ तो मामला और भी दिलचस्प हो गया। सूची में दिए गए मोबाइल नंबर को जब ट्रूकॉलर और अन्य डेटाबेस पर सर्च किया गया तो पता चला कि कर्मचारी का असल नाम 'प्रेमिका पंत' है। संभवतः किसी ने 'प्रेमिका' शब्द का अंग्रेजी अनुवाद करते समय अति-उत्साह में उसे 'गर्लफ्रेंड' बना डाला और मजे की बात यह रही कि आला अधिकारियों ने बिना देखे इस 'अतरंगी' नाम वाली फाइल पर अपने हस्ताक्षर भी कर दिए।

टाइपिंग मिस्टेक या लापरवाही

इस अजीबोगरीब नाम को लेकर अब नगरपालिका के गलियारों में चर्चाएं तेज हैं। हालांकि, अधिकारी अब इसे महज एक 'टाइपिंग एरर' या लिपिकीय त्रुटि बताकर पल्ला झाड़ रहे हैं, लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि क्या सरकारी आदेशों को जारी करने से पहले उनकी ठीक से प्रूफ-रीडिंग नहीं की जाती? फिलहाल, 'गर्लफ्रेंड पंत' का यह आदेश सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है और लोग मजे लेते हुए कह रहे हैं कि जनगणना का काम तो बाद में होगा, फिलहाल तो लोग इस नाम की ही 'गणना' करने में जुटे हैं।

सांसद बाद में बनना, पहले काम दिखाओ', विधायक पन्नालाल शाक्य न भरे मंच से कलेक्टर को घेरा,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना:शहर के शुभ विदाई गार्डन में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम उस समय चर्चा का केंद्र बन गया, जब क्षेत्रीय विधायक पन्नालाल शाक्य ने अपने संबोधन के दौरान प्रशासनिक कार्यप्रणाली और सामाजिक संगठनों पर तीखे वाक-प्रहार किए। विधायक ने न केवल कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की कार्यशैली पर कटाक्ष किया, बल्कि भीम आर्मी को भी नसीहत देते हुए विवादित बयान दे डाला।

कलेक्टर की सांसद वाली तारीफ पर कसा तंज

मंच से कलेक्टर को सीधे संबोधित करते हुए विधायक पन्नालाल शाक्य ने बड़े ही चुटीले और तल्ख अंदाज में कहा कि आपकी कार्यक्षमता को लेकर लोग आपकी तारीफों के कसीदे पढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, लोग कह रहे हैं कि आप सांसद बनो, लेकिन मेरा कहना है कि सांसद बाद में बनना, पहले गुना के लिए कुछ धरातल पर करके दिखा दो। विधायक ने कलेक्टर को कुशल प्रशासक बताते हुए कहा कि आपके पास दिल्ली, भोपाल और स्थानीय स्तर से कई फोन आएंगे, लेकिन आपको अपनी प्रशासनिक क्षमता को उजागर कर यहां परिणाम देने होंगे।

गुनिया नदी सफाई और अतिक्रमण पर दी हिदायत

विधायक ने अपने संबोधन में शहर की जीवनदायिनी मानी जाने वाली गुनिया नदी की सफाई का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कलेक्टर द्वारा चलाए जा रहे सफाई अभियान की सराहना तो की, लेकिन साथ ही एक चेतावनी भरा सुझाव भी दिया।

शाक्य ने कहा, मैंने पहली ही बैठक में स्पष्ट कर दिया था कि नदी का बहाव क्षेत्र सिंगवासा से चिल्का तक पूरी तरह साफ होना चाहिए। इस अभियान के बीच में कोई राजनीतिक या रसूखदार अवरोध नहीं आना चाहिए। काम शुरू किया है तो इसे पूर्णता तक लेकर जाएं।

कथित राजनीतिक आर्मी संगठनों पर निशाना

विधायक यहीं नहीं रुके, उन्होंने कथित राजनीतिक संगठनों के नाम पर भी कड़ा प्रहार किया। उन्होंने संगठन के अस्तित्व पर सवाल उठाते हुए कहा कि अलग से आर्मी बनाने की क्या आवश्यकता है?

उन्होंने तंज कसते हुए कहा, यदि आप वास्तव में इतने ही बड़े शूरवीर और योद्धा हैं, तो अपनी ताकत दिखाने के लिए देश की मुख्यधारा अग्निवीर योजना में भर्ती हों। ऐसी अलग सेनाएं बनाकर क्या आप देश में गृहयुद्ध जैसी स्थिति पैदा करना चाहते हैं?

प्रशासन को यह समझना होगा कि जनता को परिणामों की दरकार है। तारीफों से काम नहीं चलता। गुनिया नदी की सफाई हो या अतिक्रमण, कलेक्टर साहब को दिल्ली-भोपाल की परवाह किए बिना धरातल पर काम करना होगा। पन्नालाल शाक्य, विधायक, गुना

मौजूद रहे जिले के दिग्गज

इस गरिमामयी लेकिन तीखी बयानबाजी वाले कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिकरवार, पूर्व विधायक गोपीलाल जाटव, राजेंद्र सलूजा, नगरपालिका अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि हरिसिंह यादव और स्वयं कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल सहित प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

विधायक के इन खुले बयानों के बाद जिले के राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है और उनके कलेक्टर के सांसद बनने वाले तंज को लेकर लोग तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं।

आशा भोंसले के नाम पर मध्य प्रदेश सरकार शुरू करेगी राष्ट्रीय सम्मान, सुर सम्राज्ञी को मोहन यादव सरकार की बड़ी श्रद्धांजलि

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल: भारतीय संगीत के स्वर्णिम युग की एक और महान आवाज हमेशा के लिए खामोश हो गई है। रविवार, 12 अप्रैल 2026 को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में 92 वर्ष की आयु में सुर सम्राज्ञी आशा भोंसले का निधन हो गया। मध्य प्रदेश सरकार ने इस महान हस्ती की विरासत को संजोने और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देने के लिए उनके नाम पर एक विशेष 'राष्ट्रीय पुरस्कार' शुरू करने का ऐतिहासिक फैसला लिया है।

लता मंगेशकर के बाद अब आशा भोंसले के नाम पर सम्मान

मध्य प्रदेश के संस्कृति और पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने पुष्टि की है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ इस प्रस्ताव पर अंतिम चर्चा के बाद पुरस्कार की रूपरेखा तय की जाएगी। मंत्री लोधी के अनुसार, 'राज्य में पहले से ही लता मंगेशकर के नाम पर राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है। अब उनकी छोटी बहन और संगीत जगत की दिग्गज आशा भोंसले के नाम पर पुरस्कार स्थापित करना एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा।'

प्रस्तावित आशा भोंसले एक्सीलेंस अवॉर्ड का उद्देश्य न केवल स्थापित कलाकारों को सम्मानित करना होगा, बल्कि इसके जरिए उभरते हुए गायकों को नकद पुरस्कार, प्रदर्शन के अवसर और मेंटरशिप भी प्रदान की जाएगी। यह कदम मध्य प्रदेश सरकार के उस अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत राज्य की सांस्कृतिक विरासत और संगीत प्रतिभाओं को वैश्विक मंच दिया जा रहा है।

आठ दशकों का सफर और 12,000 गीतों का जादू

आशा भोंसले का संगीत सफर किसी चमत्कार से कम नहीं रहा। 1943 में मात्र 10 साल की उम्र से गायकी शुरू करने वाली आशा ताई ने आठ दशकों के करियर में कई भाषाओं में 12,000 से अधिक गाने रिकॉर्ड किए, जिसके लिए उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है। उनकी बहुमुखी आवाज ने फिल्मी गीतों से लेकर गजल, भजन और पॉप संगीत तक, हर विधा को जीवंत किया। साल 2000 में उन्हें दादा साहब फाल्के और 2008 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

आशा भोंसले केवल एक गायिका नहीं, बल्कि भारतीय संगीत की एक जीवंत संस्था थीं। उनके नाम पर पुरस्कार शुरू करना मध्य प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। यह सम्मान न केवल उनकी यादों को संजोएगा, बल्कि संगीत की दुनिया में नए सितारों को चमकने का मौका देगा। धर्मेंद्र सिंह लोधी, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री, मध्य प्रदेश

अधिकारियों का मानना है कि यह पुरस्कार आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा बनेगा। जिस तरह आशा ताई ने अपनी मेहनत से एक अलग पहचान बनाई, यह पुरस्कार भी संगीत की नई पौध को उसी ऊंचाई तक पहुंचने का हौसला देगा। हालांकि पुरस्कार की शुरुआत की तारीख अभी घोषित नहीं हुई है, लेकिन इस पहल ने देशभर के संगीत प्रेमियों के बीच एक सकारात्मक लहर पैदा कर दी है।

फर्जी IRS अधिकारी पर केस दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक महिला से उसके बेटे का एडमिशन दिलाने के नाम पर 12.5 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है. एक एजेंसी के मुताबिक पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी ने खुद को एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी बताकर महिला का विश्वास जीता और पैसे ऐंठ लिए.

पुलिस के अनुसार यह घटना दिवा इलाके की है, जहां आरोपी और पीड़ित महिला एक ही हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में रहते थे. आरोपी ने महिला से परिचय बढ़ाते हुए खुद को इंडियन रेवेन्यू सर्विस (IRS) का अधिकारी बताया और दावा किया कि विभिन्न सरकारी विभागों में उसका अच्छा-खासा प्रभाव है. इसी प्रभाव का हवाला देते हुए उसने महिला को भरोसा दिलाया कि वह उसके बेटे का एडमिशन **आईआईटी, बॉम्बे में करवा सकता है.**

मुंब्रा पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने वर्ष 2023 के दौरान अलग-अलग किस्तों में महिला से कुल 12 लाख 50 हजार रुपये ले लिए. महिला ने अपने बेटे के भविष्य को देखते हुए आरोपी पर भरोसा कर रकम दे दी. हालांकि, काफी समय बीत जाने के बावजूद जब एडमिशन की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई, तो महिला को संदेह हुआ.

जब महिला ने आरोपी से इस संबंध में पूछताछ की, तो वह टालमटोल करने लगा और स्पष्ट जवाब देने से बचता रहा. अंततः जब महिला को एहसास हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है, तो उसने इस सप्ताह की शुरुआत में पुलिस से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई.

पुलिस ने शुरू की जांच

पुलिस ने बताया कि सोमवार को आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी (FIR) दर्ज की गई है. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी की भूमिका की विस्तार से पड़ताल की जा रही है. पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस प्रकार के झांसे में न आएं और किसी भी शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश के लिए केवल आधिकारिक प्रक्रिया का ही पालन करें.

'अंडरकवर महिला पुलिस, मलेशिया लिंक, TCS नासिक में यौन उत्पीड़न और धर्मांतरण केस में खुलासे पर खुलासे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नासिक : महाराष्ट्र के नासिक में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज़ (TCS) के BPO कैंपस के अंदर संदिग्ध गतिविधियों के बारे पुलिस को एक गुप्त सूचना मिली। यह सूचना पुलिस को इस साल फरवरी में मिली। पुलिस ने इस पर एक सीक्रेट ऑपरेशन शुरू किया। इस ऑपरेशन में महिला पुलिसकर्मियों को टीसीएस के उस दफ्तर में हाउसकीपिंग स्टाफ़ के तौर पर तैनात किया गया। इस कार्रवाई के ज़रिए एक कथित धर्मांतरण रैकेट का पर्दाफ़ाश हुआ। इस केस ने पूरे देश में हलचल मचा दी। लव जिहाद, लैंड जिहाद और अब कार्पोरेट जिहाद जैसे चर्चाएं शुरू हो गई है। महाराष्ट्र की सियासत गरमाई है। इसी बीच इस रैकेट के अंतरराष्ट्रीय तार जुड़ने की भी आशंका है। पुलिस ने इसकी भी जांच शुरू कर दी है।जांचकर्ताओं का कहना है कि जांच के दौरान एक WhatsApp चैट मिली। इसमें मलेशिया से जुड़े कुछ संदिग्ध शामिल हैं। एक स्पीकर और पीड़ितों के बयानों से भी इस केस के अंतरराष्ट्रीय लिंक के तार मिले हैं। सारी बातें इस ओर इशारा करती है कि ञ्जष्टस् दफ़्तर के भीतर से ही एक कहीं ज़्यादा बड़ा नेटवर्क संचालित हो रहा है।

अब तक 9 एफआईआर, 12 केस सामने आए

स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम के सूत्रों ने बताया कि अब तक कम से कम 12 कर्मचारियों की पहचान कथित टारगेट के तौर पर की गई है, जो पहले नौ थी। अब तक नौ FIR की गई हैं, जिन्हें आठ महिलाओं और एक पुरुष ने दर्ज कराया है। इन FIR में यौन उत्पीड़न, शादी का झांसा देकर रेप, धार्मिक हेरफेर और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

18 से 25 साल की लड़कियां टारगेट

FIR के मुताबिक, आरोपी कर्मचारियों ने कथित तौर पर अपनी महिला सहकर्मियों के साथ छेड़छाड़ की और उन पर ज़बरदस्ती धर्म परिवर्तन करने का दबाव डाला। 18 से 25 साल की उम्र की महिलाओं द्वारा रिपोर्ट की गई ये घटनाएं, कथित तौर पर दो से तीन साल की अवधि में हुईं, जिनकी शुरुआत लगभग 2022 में हुई थी। 9 कर्मचारियों के अलावा, तीन और लोग भी इस रैकेट से प्रभावित हुए हैं और उनके बयान दर्ज कर लिए गए हैं। हालाकि, सामाजिक बदनामी और निजी चिंताओं का हवाला देते हुए, उन्होंने अभी तक औपचारिक शिकायतें दर्ज नहीं की हैं। पुलिस ने बताया कि अब तक छह आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें कई टीम लीडर और इंजीनियर हैं। वहीं अन्य के खिलाफ जांच जारी है। ञ्जष्टस् ॥क्र मैनेजर निदा खान अभी भी फरार है। जांचकर्ता उसकी भर्ती प्रक्रियाओं और संगठन के भीतर उसकी भूमिका की बारीकी से जांच कर रहे हैं। विदेश में नौकरी और लग्जरी लाइफ का लालचसख्त नीति का पालन करता है, और इस बात की पुष्टि की कि जिन कर्मचारियों के ख़िलाफ़ जांच चल रही है,

मुंबई में कल नहीं आएगा, भिवंडी में भी शनिवार को वॉटर कट, देखिए प्रभावित इलाकों की पूरी लिस्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई: भिवंडी और मुंबई में पानी सप्लाई को लेकर बड़ा अपडेट है। मुंबई के कई इलाकों में 16 अप्रैल को पानी सप्लाई पूरी तरह बंद रहेगी, जबकि कुछ जगहों पर पानी का प्रेशर कम रहेगा। 17 को भी पानी नहीं आएगा। बीएमसी द्वारा शिवडी क्षेत्र में बटरफ्लाई वॉल्व लगाने का काम किया जा रहा है। इसके कारण करीब 18 घंटे तक पानी आपूर्ति प्रभावित रहेगी। यह कार्य 16 अप्रैल सुबह 10 बजे से शुरू होकर 17 अप्रैल 4 बजे तक चलेगा। इसके चलते दक्षिण और मध्य मुंबई के कई हिस्सों में वॉटर सप्लाई प्रभावित रहेगी। वहीं भिवंडी में शनिवार 18 अप्रैल को पानी नहीं आएगा।

16 अप्रैल को इन इलाकों में पानी सप्लाई बंद

BMC प्रशासन के अनुसार, 16 अप्रैल को पी. डी' मेलो रोड, सीएसएमटी, सेंट जॉर्ज अस्पताल, आरबीआई क्षेत्र, उमरखाडी, चिंचबंदर, मस्जिद बंदर, दाणाबंदर, वाडीबंदर, डॉकयार्ड रोड, माझगांव, घोडपदेव, शिवडी, परेल, लालबाग, दादर, हिंदमाता, आचार्य दोंदे मार्ग और बीपीटी क्षेत्र सहित कई इलाकों में पानी सप्लाई बंद रहेगी।

17 अप्रैल को यहां नहीं आएगा पानी

जबकि 17 अप्रैल को अभ्युदय नगर, वडाला (पूर्व), शिवडी, भायखला, नागपाडा, मोहम्मद अली रोड और जेजे रोड के आसपास के इलाकों में पानी सप्लाई बंद या कम दबाव से होगी। इसके अलावा मदनपुरा, नागपाडा, कामाठीपुरा, आग्रीपाडा, चिंचपोकली, काला चौकी, दादर और परेल के कुछ हिस्सों में भी कम दबाव से पानी मिलेगा।

लखीमपुर खीरी में अम्बेडकर की मूर्ति खंडित होने पर बवाल, भीड़ ने की पत्थरबाजी

-20 पुलिसकर्मी घायल, कई गाड़ियों को फूंका, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

लखीमपुर खीरी (एजेंसी)। लखीमपुर खीरी जिले के मैलानी थाना क्षेत्र अंतर्गत बांकेगंज कस्बे में मंगलवार को अंबेडकर जयंती पर बाबा साहब की मूर्ति स्थापना के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। सरकारी जमीन पर बिना अनुमति मूर्ति रखने की कोशिश में आयोजकों और अन्य लोगों में झड़प हुई, जिससे मूर्ति गिरकर खंडित हो गई। आक्रोशित भीड़ ने मौके पर पहुंची पुलिस टीम पर हमला कर दिया। पत्थर बरसाए और कई सरकारी गाड़ियों में तोड़फोड़ कर आग लगा दी। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने लाठीचार्ज किया। घटना में 20 पुलिसकर्मी और एक स्थानीय पत्रकार घायल हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बांकेगंज कस्बे की एक सरकारी भूमि पर मूर्ति स्थापना को लेकर लंबे समय से विवाद था। सहमति बनी थी कि केवल बाबा साहब की तस्वीर पर माल्यार्पण होगा, लेकिन कुछ लोग चुपके से मूर्ति ले आए। एक चश्मदीद महिला के मुताबिक कुछ लोगों ने जबरन मूर्ति स्थापित करने की कोशिश की, जिसका विरोध होने पर मारपीट शुरू हो गई। इस खींचतान के दौरान मूर्ति गिरकर खंडित हो गई, जिससे वहां मौजूद सैकड़ों लोगों का गुस्सा भड़क उठा और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। हंगामे की सूचना मिलते ही जब पुलिस बल मौके पर पहुंची, तो अराजक तत्वों ने उन पर हमला कर दिया। उग्र भीड़ ने न केवल मारपीट की, बल्कि पुलिस की गाड़ियों में तोड़फोड़ कर उन्हें आग के हवाले कर दिया। हालात इतने बेकाबू हो गए कि पुलिस को बचाव में हल्का बल प्रयोग और लाठीचार्ज करना पड़ा। इस दौरान पत्थरबाजी में कई जवान घायल हुए हैं। पुलिस ने खंडित मूर्ति को कब्जे में लेकर थाने भिजवाया ताकि माहौल और न बिगड़े। मामले की गंभीरता देखते हुए डीएम और एसपी भारी पुलिस फोर्स के साथ बांकेगंज पहुंचीं। इलाके में एहतियातन सुरक्षा बढ़ा दी गई है और शांति व्यवस्था बनी हुई है।

आंध्र प्रदेश में सिलेंडर ब्लास्ट से तबाही, तीन मजदूरों की दर्दनाक मौत

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के श्री सत्य साईं डिस्ट्रिक्ट से बुधवार को एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई, जहां रसोई गैस सिलेंडर फटने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। धमाका इतना भीषण था कि इसकी चपेट में आकर दो रिहायशी मकान पूरी तरह ढह गए, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। यह घटना जिले के कादिरआई मंडल के कामरावारीपल्ली गांव में दोपहर करीब 12:30 बजे हुई। पुलिस अधीक्षक एस सतीश ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि जिस घर में विस्फोट हुआ, वहां तेलंगाना के प्रवासी मजदूर रह रहे थे। प्रारंभिक जांच के अनुसार, सिलेंडर में गैस रिसाव के कारण यह विस्फोट हुआ, जिसके बाद आग तेजी से फैल गई। धमाके के कारण आसपास तेज कंपन हुआ और दो मकान जमींदोज हो गए। मलबे में दबने और आग की चपेट में आने से तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों ने भी बचाव अभियान में मदद की। हालांकि, विस्फोट की तीव्रता इतनी अधिक थी कि पीड़ितों को बचाया नहीं जा सका। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और विस्फोट के सटीक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

3 जुलाई से शुरू हो रही बाबा बर्फानी यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरु

जालंधर (एजेंसी)। लाखों शिव भक्तों के लिए खुशखबरी आई है। 3 जुलाई से शुरू होने वाली बाबा बर्फानी की अमरनाथ यात्रा 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया बुधवार से शुरू हो गई है। पहले ही दिन सुबह से विभिन्न बैंकों के बाहर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें दिखाई दी। अनुमान है कि इस बार भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यात्रा में शामिल होगा। इस देखकर प्रशासन सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर पूरी तरह अलर्ट है। श्रद्धालु अपनी सुविधा के अनुसार ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से पंजीकरण कर सकते हैं। बात दें कि पहलगाम रास्ते में चढ़ाई अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन समय अधिक लगता है, जिसकी दूरी करीब 46 किमी है। जबकि बालटाल वाला रास्ता छोटा है, करीब 14 किमी है, लेकिन इसकी चढ़ाई काफी कठिन मानी जाती है। श्रद्धालु अपनी सुविधा के अनुसार ऑनलाइन या ऑफलाइन दोनों माध्यमों से पंजीकरण करा सकते हैं। भक्त श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल एप पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए फोटो और हेल्थ सर्टिफिकेट अपलोड करना अनिवार्य होगा। वहीं ऑफलाइन के लिए देशभर की अधिकृत बैंक शाखाओं में जाकर रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है। यहाँ पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर परमिट जारी किए जाते हैं। प्रति व्यक्ति पंजीकरण शुल्क 150 रुपये निर्धारित किया गया है। यात्रा की दुर्गमता को देखकर श्राइन बोर्ड ने कुछ सख्त नियम बनाए हैं, यात्रियों के पास 8 अप्रैल 2026 के बाद अधिकृत डॉक्टर द्वारा जारी किया गया अनिवार्य स्वास्थ्य प्रमाण पत्र (सीएचसी) होना चाहिए। केवल 13 से 70 वर्ष की आयु के लोग ही यात्रा कर सकते हैं। 6 सप्ताह से अधिक की गर्भवती महिलाओं को यात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जहरीली गैस के कारण दम घुटने से दो लोगों की मौत

हरदोई (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के हरदोई जिले के जलालपुर गांव में दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें जहरीली गैस के कारण दम घुटने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से बीमार हो गया। जानकारी के अनुसार, ग्राम प्रधान विद्यावती के पति सुरेंद्र अपने घर में बने सीमेंट के टैंक को गेहूं भंडारण के लिए साफ करवा रहे थे। इस टैंक में पहले तिरपाल बिछाकर उसके ऊपर भूसा डाला गया था, जिससे अंदर जहरीली गैस बन गई थी। सफाई के दौरान गांव के कैलाश सबसे पहले टैंक में उतरे, लेकिन अंदर पहुंचते ही उन्हें सांस लेने में दिक्कत हुई और वे बेहोश हो गए। कैलाश को बचाने के लिए सुरेंद्र तुरंत टैंक में उतरे, लेकिन वे भी गैस की चपेट में आकर अचेत हो गए। इसके बाद तीसरे युवक प्रमोद को रस्सी के सहारे नीचे भेजा गया, मगर वह भी जहरीली गैस के कारण बेहोश हो गया। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाकर रस्सी की मदद से प्रमोद को बाहर निकाला और किसी तरह अन्य दोनों को भी बाहर निकाला। तीनों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने सुरेंद्र और कैलाश को मृत घोषित कर दिया, जबकि प्रमोद का इलाज जारी है। इस घटना ने गांव में शोक की लहर दौड़ा दी है और जहरीली गैस से जुड़े खतरों के प्रति सतर्कता की आवश्यकता को उजागर किया है।

पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से झटका, तेलंगाना हाईकोर्ट की जमानत पर लगी रोक

असम सरकार की अपील पर सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा दी गई ट्रांजिट अग्रिम जमानत पर रोक लगा दी। यह मामला असम पुलिस द्वारा दर्ज मानहानि और जालसाजी के आरोपों से जुड़ा है।

दरअसल, असम के मुख्यमंत्री हेमंता विस्व सरमा की पत्नी रिनीकी भुइयां शर्मा ने पवन खेड़ा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। खेड़ा पर आरोप है कि उन्होंने रिनीकी भुइयां के पास कई देशों के पासपोर्ट होने का दावा किया था, जिसे लेकर विवाद खड़ा हुआ। संभावित गिरफ्तारी से बचने के लिए पवन खेड़ा ने तेलंगाना हाईकोर्ट का रुख किया था, जहां से उन्हें एक सप्ताह की ट्रांजिट अग्रिम जमानत मिल गई थी। हालांकि, इस फैसले को असम सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जिस पर अब शीर्ष अदालत ने रोक लगा दी है।

मामले की सुनवाई जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने की।

अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि यदि पवन खेड़ा असम के सक्षम न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन करते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट के इस अंतरिम आदेश का उस पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। सुनवाई के दौरान असम सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तेलंगाना हाईकोर्ट के अधिकार क्षेत्र पर सवाल उठाए। उन्होंने दलील दी कि याचिका में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि जब कथित अपराध गुवाहाटी में हुआ, तो तेलंगाना हाईकोर्ट का क्षेत्राधिकार कैसे बनता है।

इसके साथ ही आधार कार्ड से जुड़े एक पहलू पर भी बहस हुई। अदालत को बताया गया कि याचिका दाखिल करते समय पवन खेड़ा की ओर से उनकी पत्नी का आधार कार्ड प्रस्तुत किया गया था, ताकि तेलंगाना से संबंध दिखाया जा सके। इस पर सॉलिसिटर जनरल ने आपत्ति जताते हुए इसे कानून का दुरुपयोग बताया।

सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि रिकॉर्ड में प्रस्तुत दस्तावेजों से प्रथम दृष्टया यह प्रतीत होता है कि अधिकार क्षेत्र का अनुचित लाभ उठाने की कोशिश की गई।

सभी दलीलों पर विचार करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना हाईकोर्ट के आदेश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी और मामले में नोटिस जारी कर तीन सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है।

गौरतलब है कि असम पुलिस ने पवन खेड़ा के खिलाफ मानहानि, जालसाजी और आपराधिक साजिश के आरोपों में मामला दर्ज किया है। 7 अप्रैल को पुलिस उनकी तलाश में दिल्ली स्थित आवास भी पहुंची थी। इसके बाद खेड़ा ने 10 अप्रैल को तेलंगाना हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जहां से उन्हें अस्थायी राहत मिली थी, जो अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद स्थगित हो गई है।

सीबीएसई 10 वीं बोर्ड में सेंट सोल्जर का शानदार रिजल्ट

तनु श्री चौधरी ने 93.2% अंक अर्जित कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया

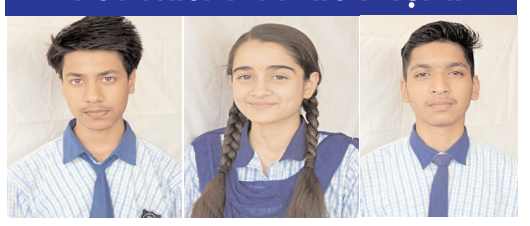

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक। सेंट सोल्जर पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने कक्षा 10वीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। छात्रा तनु श्री चौधरी ने 93.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट सफलता हासिल की।

विद्यालय की प्रिंसिपल डॉ. शिप्रा बारेगामा ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कक्षा 10वीं के सभी विद्यार्थियों ने बेहतरीन परिणाम दिए हैं, जिससे पूरे विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है।

उन्होंने बताया कि तनु श्री चौधरी ने 93.2 प्रतिशत, श्रेयांश मित्तल ने 90 प्रतिशत तथा समुद्र सैनी ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया है।

विद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों की सफलता का श्रेय उनकी कड़ी मेहनत, शिक्षकों के उचित मार्गदर्शन तथा अभिभावकों के सहयोग को दिया है। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ व अभिभावकों ने सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पुलिस ने नाबालिग लड़कियों से यौन शोषण और अश्लील वीडियो बनाने वाले को दबोचा

-आरोपी लड़कियों को ब्लैकमेल कर देह व्यापार में धकेलने मुंबई-पुणे ले जाता था

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में पुलिस ने 180 से ज्यादा नाबालिग लड़कियों के कथित यौन शोषण और उनके 350 से ज्यादा अश्लील वीडियो बनाने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी लड़कियों को 'लव ट्रैप' में फंसाकर उन्हें मुंबई और पुणे ले जाता था, जहां उनके आपत्तिजनक वीडियो बनाता था। इन वीडियो का इस्तेमाल वह लड़कियों को ब्लैकमेल करने और देह व्यापार में धकेलने के लिए करता था। आशंका है कि इनमें से कुछ वीडियो शेयर भी किए गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी अयाज उर्फ तनवीर के रूप में हुई है, जो परतवाड़ा शहर का रहने वाला है. वॉट्सएप और स्नैपचैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए नाबालिग लड़कियों को निशाना बनाता था। इस मामले की शिकायत बीजेपी सांसद अनिल बोंडे ने एसपी (ग्रामीण) को ज्ञापन सौंपकर की थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि इस मामले में एसआईटी का गठन नहीं किया गया तो वे विरोध प्रदर्शन करेंगे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए मुस्लिम समुदाय के लोग भी पुलिस स्टेशन पहुंचे और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसे अपराधों से पूरे समुदाय की छवि खराब होती है और दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अयाज पहले एआईएमआईएम से जुड़ा था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे 7 दिन की हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या उसने ये वीडियो किसी और के साथ शेयर किए थे, या वह किसी बड़े आपराधिक नेटवर्क का हिस्सा था।

रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि सामाजिक बदनामी के डर से अब तक किसी भी पीड़ित या उसके परिवार के सदस्य ने कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है। एसपी ने पीड़ितों के परिवारों से आगे आने की अपील की है और उन्हें भरोसा दिलाया है कि उनकी पहचान गुप्त रखी जाएगी, इसके अलावा, राज्य सरकार उनकी कानूनी और काउंसलिंग सेवाओं का भी ध्यान रखेगी। अमरावती के पालक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि सीएम देवेंद्र फडणवीस ने भी इस मामले का संज्ञान लिया है।

सुप्रीम कोर्ट में मंदिर पक्ष का तक... धर्म की प्रथा उस समुदाय की आस्था से तय होती, न कि न्यायिक मानकों से

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जारी सुनवाई के दौरान धार्मिक अधिकारों और संवैधानिक सीमाओं पर अहम बहस हुई। सबरीमाला मंदिर का प्रबंधन देखने वाले त्रावणकोर देवस्थनम बोर्ड की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि शीर्ष अदालत को धार्मिक मान्यताओं की सही-गलत की व्याख्या नहीं करनी चाहिए। उनके अनुसार, किसी भी धर्म की प्रथा उस समुदाय की आस्था से तय होती है, न कि न्यायिक मानकों से होती है।

वकील सिंघवी ने कहा कि धर्म मूल रूप से एक सामूहिक विश्वास है, इसलिए कुछ व्यक्तियों के अधिकार पूरे समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता पर हावी नहीं हो सकते। उन्होंने स्पष्ट किया कि धार्मिक अधिकारों पर रोक केवल विधि (कानून) के माध्यम से ही लग सकती है, न कि केवल सरकारी आदेशों या निर्देशों से रोक लगा सकते है। यदि बिना कानून के हस्तक्षेप हुआ, तब इससे सरकार को मनमाने ढंग से धार्मिक स्वतंत्रता में दखल देने का मौका मिल सकता है।

इस मामले की पृष्ठभूमि में केरल हाईकोर्ट का 1991 का फैसला है, इसमें 10 से 50 वर्ष की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया था। इसके बाद में सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में इस

प्रतिबंध को भेदभावपूर्ण बताकर हटा दिया। इसके बाद पुनर्विचार याचिकाओं के आधार पर कई संवैधानिक प्रश्नों पर अब विस्तृत बहस हो रही है।

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना ने कहा कि यदि सभी को मंदिर में प्रवेश की अनुमति है, तब अंदर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि अलग-अलग जातियों को अलग स्थानों पर बैठाकर भोजन कराना असमानता का प्रतीक है। इस पर सिंघवी ने जवाब दिया कि कुछ धार्मिक प्रथाएं ऐसी हो सकती हैं, जिसमें दर्शन या पूजा के तरीके अलग हों, और हर स्थिति में कोर्ट हस्तक्षेप नहीं कर सकता।

सुनवाई के दौरान सिंघवी ने तर्क दिया कि अदालत धार्मिक प्रथाओं को अपनी व्याख्या के आधार पर बदल नहीं सकती, यदि वे किसी धर्म का स्थापित और मान्य हिस्सा हैं। हालांकि, यदि कोई प्रथा कानून के विरुद्ध हो या पूरे समुदाय द्वारा मान्य न हो, तब उस पर रोक लग सकती है।

न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश ने सवाल उठाया कि सामाजिक सुधार से जुड़े कानून, जैसे हिंदू उत्तराधिकार कानून, किस आधार पर बनाए गए। वहीं, आर्टिकल 15(3) के तहत महिलाओं के लिए विशेष प्रावधान लागू होने की संभावना पर भी चर्चा हुई। इस पर मंदिर के वकील सिंघवी ने चेतावनी दी कि यदि अदालतें यह तय करने लगें कि कौन-सी धार्मिक प्रथा आवश्यक है और कौन-सी नहीं, तब न्यायपालिका धर्म के मामलों में अत्यधिक हस्तक्षेप करने लगेगी, जिसकी कोई स्पष्ट सीमा नहीं होगी। उन्होंने उदाहरण के तौर पर जैन दिगंबर साधुओं की परंपरा का उल्लेख किया, जो सामान्य सामाजिक दृष्टि से अलग हो सकती है, लेकिन उनके धर्म का अभिन्न हिस्सा है। अंत में न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि इस मामले में ÷संवैधानिक नैतिकता÷ के बजाय ÷सार्वजनिक नैतिकता÷ का पहलू भी महत्वपूर्ण रहेगा। यह पूरा मामला धार्मिक स्वतंत्रता, समानता और न्यायिक सीमाओं के बीच संतुलन स्थापित करने की चुनौती को दर्शाता है।

सत्ता को ठोकर मारकर सिद्धांतों को सर्वोपरि रखना हर किसी के बस की बात नहीं

-जेडीयू नेता बोले-यह साहस, चरित्र, त्याग सिर्फ नीतीश जैसे नेता ही दिखा सकते हैं

पटना (एजेंसी)। बिहार में बुधवार को बीजेपी नेता सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इससे पहले नीतीश कुमार ने मंगलवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा कर दिया था। इधर नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद जेडीयू ने कहा कि नीतीश कुमार ने सत्ता को ठोकर मारकर सिद्धान्तों को सर्वोपरि रखा। जेडीयू के विधान पार्षद और मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने बुधवार को सोशल नेटवर्किंग साइट पर एक पोस्ट के जरिये नीतीश कुमार की जमकर तारीफ की है।

उन्होंने एक्स पर सवाल यह नहीं कि आपने क्या त्याग किया, सवाल यह है कि आपके इस त्याग की चर्चा कौन करे शीर्षक के जरिए नीतीश कुमार की तारीफ करते हुए लिखा, कोई एक दिन के लिए भी त्याग नहीं करता, लेकिन नीतीश कुमार ने सीएम की कुर्सी त्याग कर एक ऐसी मिसाल पेश की है, जो राजनीति के इतिहास में विरले ही देखने को मिलती हैं। उन्होंने लिखा सत्ता को ठोकर मारकर सिद्धांतों को सर्वोपरि रखना हर किसी के बस की बात नहीं।

यह साहस, यह चरित्र, यह त्याग- सिर्फ नीतीश कुमार जैसे नेता ही दिखा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि वह दौर- जब 118 नरसंहारों की गूंज थी, जब चरवाहा विद्यालय जैसे प्रयोगों ने शिक्षा का मजाक बना दिया था, जब समाज को जाति और धर्म के नाम पर बांटकर सत्ता की राजनीति की जाती थी, जब गरीब, दलित, पिछड़े और वंचित वर्गों को जानबूझकर विकास से दूर रखा गया। नीरज ने नीतीश सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि ऐसे अंधकारमय समय में, नीतीश कुमार ने सिर्फ सरकार नहीं चलाई- उन्होंने व्यवस्था बदली, सोच बदली, समाज को नई दिशा दी। यह वही नेता हैं जिन्होंने केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी की कैबिनेट में अपनी भूमिका निभाई और बिहार लौटकर विकास की नई परिभाषा गढ़ी।

उन्होंने कहा कि सांसद या विधायक बन जाना बड़ी उपलब्धि नहीं है- लेकिन सामाजिक जकड़नों को तोड़ना, भविष्य की पीढ़ियों के लिए रोडमैप बनाना और उसे जमीन पर उतारना, यह असाधारण व्यक्तित्व का व्यक्ति ही कर सकता है। नीरज कुमार ने विश्वास जताते हुए कहा कि यही कारण है कि सात निश्चय केवल योजना नहीं, बल्कि बिहार के भविष्य का विजन है। सवाल उठाने वालों को लेकर कहा कि आज जो लोग सवाल उठाते हैं, उन्हें इतिहास के आईने में खुद को देखना चाहिए। क्योंकि फर्क साफ है- एक तरफ सत्ता के लिए समाज को बांटने की राजनीति और दूसरी तरफ समाज को जोड़ने की कार्यनीति। आपका योगदान महान है, लेकिन आपका त्याग- उससे भी बड़ा है।

पश्चिम बंगाल में बीजेपी सरकार बनी तो घुसपैठियों को करेंगे निकाल बाहर : घोष

अराजकता और उग्र प्रदर्शन किसी भी समस्या का समाधान नहीं

खड़गपुर (एजेंसी)। पश्चित बंगाल चुनाव में बीजेपी नेता और खड़गपुर से उम्मीदवार दिलीप घोष ने सम्राट चौधरी और पीएम मोदी द्वारा बंगाल के लिए घोषित छह गारंटियों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। बिहार एनडीए विधायक दल के नेता के रूप में सम्राट चौधरी के चुने जाने पर घोष ने कहा कि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। बीजेपी कदम दर कदम आगे बढ़ रही है और लोग उसे वोट दे रहे हैं। बीजेपी सुशासन प्रदान करती है। अपने सहयोगियों से विचार-विमर्श करके निर्णय लेती है।

इंडियन पीएसी कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड (आई-पैक) के निदेशक विनेश चंदेल को ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने पर दिलीप घोष ने कहा कि आई-पैक से जुड़े घोटालों के कई आरोप हैं। कई शिकायतें

पहले ही सामने आ चुकी हैं। जांच जारी है और जैसे-जैसे तथ्य सामने आ रहे हैं, कार्रवाई की जा रही है। ऐसी जांचों के निष्कर्षों के आधार पर गिरफ्तारियां की जाती हैं और जेल भेजा जाता है। घोष ने कहा कि इस बार पश्चिम बंगाल चुनाव बहुत अहम हैं। पीएम मोदी खुद नेतृत्व कर रहे हैं। कार्यकर्ता दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, पश्चिम बंगाल में इस बार सत्ता परिवर्तन होगा। ममता बनर्जी ने घुसपैठियों को शरण दी है। बीजेपी सरकार बनते ही घुसपैठियों को बाहर निकाला जाएगा।

इसके पहले मंगलवार को दिलीप घोष ने कहा था कि कोयला, बालू से लेकर गो-तस्करी तक पश्चिम बंगाल में यह एक बड़ी समस्या है। तस्करी के जरिए हजारों करोड़ रुपए कमाए जाते हैं। हिंसा जैसी घटनाओं के बढ़ने के पीछे भी यही पैसा होता है। ऐसे मामलों में जो भी दोषी है, उन्हें न्याय के कटघरे में लाना चाहिए और सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछली बार की घटनाएं आज भी लोगों को याद हैं। टीएमसी के गुंडों ने लोगों को अभी से डराना शुरू कर दिया है। चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश हो रही है।

तेल कंपनियों को हो रहा नुकसान... क्या चुनाव के बाद लोगों को लग सकता बढ़ी कीमत का झटका

नुकसान की भरपाई के लिए पेट्रोल 125 रुपये प्रति लीटर जा सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव के बीच भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर बड़ा झटका लगने की आशंका जाहिर की जा रही है। हालांकि देश में बीते चार वर्षों से ईंधन की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन इसका भारी वित्तीय दबाव सरकारी तेल कंपनियों पर पड़ रहा है। सरकारी कंपनियां जैसे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) अप्रैल 2022 से पेट्रोल-डीजल की कीमतों को स्थिर रखे हुए हैं। जबकि भारत में ईंधन मूल्य निर्धारण को एक दशक पहले ही सरकारी नियंत्रण से मुक्त कर बाजार आधारित कर दिया गया था, इसके बावजूद इन कंपनियों ने उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए कीमतें नहीं बढ़ाईं।

दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई थीं, फिर कुछ समय के लिए गिरकर लगभग 70 डॉलर तक आईं, और हाल ही में अमेरिका-इजराइल द्वारा ईरान पर हमलों के बाद फिर से करीब 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं। इस अस्थिरता का

सीधा असर भारतीय तेल कंपनियों की लागत पर पड़ा है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनियों को पेट्रोल पर करीब 18 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 35 रुपये प्रति लीटर तक का नुकसान हो रहा है। वैश्विक वित्तीय संस्था की रिपोर्ट के मुताबिक, यदि कच्चे तेल की कीमत 135 से 165 डॉलर प्रति बैरल के बीच रहती है, तब यह नुकसान और बढ़ सकता है। साथ ही, हर 10 डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि से प्रति लीटर करीब 6 रुपये का अतिरिक्त घाटा जुड़ जाता है।

वित्तीय नुकसान का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पिछले महीने ये कंपनियां रोजाना करीब 2,400 करोड़ रुपये का नुकसान उठा रही थीं। हालांकि मोदी सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती के बाद यह घाटा घटकर करीब 1,600 करोड़ रुपये प्रतिदिन बचा है। लेकिन यह राहत आम उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंची, बल्कि कंपनियों के घाटे को कम करने में इस्तेमाल हुई। यदि कंपनियां अपने इस नुकसान की भरपाई करना चाहें, तब पेट्रोल की कीमतें 125 रुपये प्रति लीटर से ऊपर जा सकती हैं। इसके बाद माना जा रहा है कि चुनाव के बाद उपभोक्ताओं को ईंधन की कीमतों में तेज बढ़ोतरी का सामना करना पड़ सकता है।

चुनाव बाद लग सकता है झटका

सूत्रों का कहना है कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु जैसे प्रमुख राज्यों में चुनाव के बाद ईंधन की खुदरा कीमतों में वृद्धि के आसार हैं। भारत ने साल 2025 में अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 88 फीसदी आयात किया और वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव के प्रति वह अत्यधिक संवेदनशील बना हुआ है।

सेंसेक्स 1264 अंक चढ़कर 78,111 पर बंद, निफ्टी भी 389 बढ़कर 24,231 पर पहुंचा; आईटी, मेटल और ऑटो शेयरों में खरीदारी

निवेशकों ने कमाया 9 लाख करोड़

मुंबई।

शेयर बाजार की बुधवार को निवेशकों पर जमकर मेहरबानी बरसी। सेंसेक्स 1,264 अंक (1.64 प्रतिशत) की तेजी के साथ 78,111 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 389 अंकों (1.63 प्रतिशत) की तेजी रही, ये 24,231 के स्तर पर पहुंच गया है। आज के कारोबार में ऑटो, आईटी, मेटल और रियल्टी के शेयरों में ज्यादा खरीदारी रही। बाजार की इस तेजी के कारण बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप बढ़ गया, जिससे निवेशकों की संपत्ति में 9 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का इजाफा हुआ।भारतीय शेयर बाजार में खरीदारी का एक नया दौर शुरू हुआ, जिससे बेंचमार्क इंडेक्स 1.5 फीसदी से ज्यादा ऊपर चढ़कर बंद हुए। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 1,264 अंक, या 1.64 फीसदी बढ़कर 78,111.24 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 389 अंक, या 1.63 फीसदी उछलकर 24,231.30 पर स्थिर हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 और स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 2 फीसदी से ज्यादा ऊपर चढ़े। इस तेजी की वजह से शेयर बाजार निवेशकों को मोटा फायदा हुआ। वास्तव में बीएसई का मार्केट कैप 449 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 458 लाख करोड़ रुपए हो गया। इसका मतलब है कि मार्केट कैप में 9 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का इजाफा हुआ। यही शेयर बाजार निवेशकों की कमाई भी है।

विदेशी बाजारों में तेजी

दुनिया भर के प्रमुख बाजारों में तेजी आई ने भी भारतीय शेयर बाजार के मनोबल में इजाफा किया है। वास्तव में स-ईरान बातचीत जल्द ही फिर से शुरू होने की संभावना की वजह से भी विदेशी बाजारों में तेजी देखने को मिली है। जापान के बाहर एशिया-प्रशांत शेयरों का रूख्ष्ढ्ढ का सबसे व्यापक इंडेक्स 1.5 फीसदी बढ़कर छह हफ्तों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। जापान का निक्केई भी 1 फीसदी चढ़ा, जबकि कोरिया का कोस्पी 3 फीसदी उछला। रात भर में, स् शेयर बाज़ार में जबरदस्त बढ़त देखने को मिली। नैस्डैक 2 फीसदी चढ़ा और स×क्क 500 1.2 फीसदी बढ़कर अपने रिकॉर्ड बंद भाव के करीब पहुंच गया।

रुपए में लगातार तीसरे दिन गिरावट

रुपया अपनी शुरुआती बढ़त गंवाकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 9 पैसे गिरकर 93.44 (अस्थायी) पर बंद हुआ। इसकी वजह यह रही कि कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट के बाद आई तेजी और घरेलू महंगाई के बढ़ते आंकड़ों ने बाजार के माहौल को कमजोर कर दिया। फॉरेक्स विश्लेषकों के अनुसार, घरेलू शेयर बाजार में जोरदार खरीदारी के बावजूद रुपया मजबूत नहीं हो

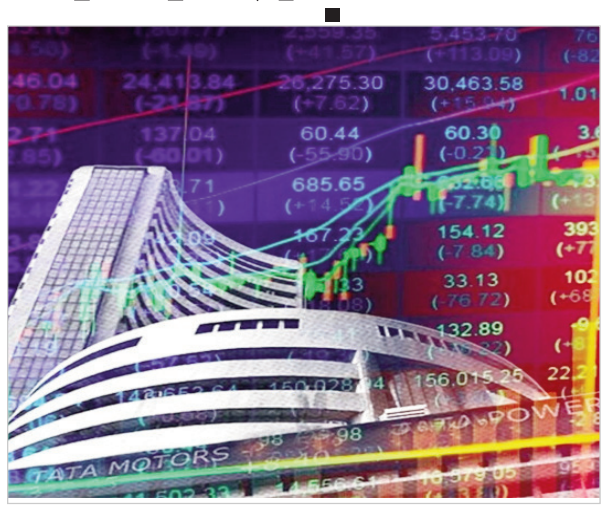

पाया। हालांकि, शुरुआत में इसमें बढ़त देखी गई थी, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान के साथ बातचीत का दूसरा दौर अगले दो दिनों में हो सकता है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 4 पैसे की गिरावट के साथ ही 93.40 पर बंद हुआ1 आज सुबह भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 21 पैसे की मजबूती के साथ 93.17 पर खुला पर बंद होते-होते इसमें गिरावट आने लगी। यह बढ़त ब्रेंट क्रूड की गिरती कीमतों और अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता की उम्मीद के कारण आई। वहीं गत दिवस मुद्रा बाजार बंद था। वहीं सोमवार को भारतीय रुपया 63 पैसे टूटकर 93.36 पर बंद हुआ था।

अमेरिका-ईरान जंग के बीच पल-पल बदल रहा तेल बाजार....कभी 100 के पार, अब 90 डालर के करीब

नई दिल्ली, ।

दुनिया के तेल बाजार में फिर बड़ा उतार-चढ़ाव दिखाई दिया है। कुछ दिन पहले जो कच्चा तेल 100 डॉलर के पार पहुंच गया था, अब फिसलकर 90 डॉलर के करीब पहुंच गया है। बुधवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड गिरकर करीब 90 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बाजार का मूड अचानक बदल गया है और माहौल में अनिश्चितता साफ महसूस हो रही है।तेल की कीमतों में गिरावट के पीछे सबसे बड़ी वजह इस बात की उम्मीद हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच फिर से बातचीत शुरू हो सकती है। खबरें हैं कि अगले दो दिनों में दोनों देश आमने-सामने आ सकते हैं। बस इसी संभावना ने बाजार की दिशा बदल दी। जहां पहले डर हावी था, अब वहां थोड़ी राहत की उम्मीद दिख रही है। हालांकि तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं है। होरमुज जलडमरूमध्य, जहां से दुनिया का करीब 20 प्रतिशत तेल गुजरता है, अब भी तनाव बरकरार है। यहां किसी भी तरह की रुकावट पूरी दुनिया की सप्लाई को हिला सकती है। इसकारण बाजार हर छोटी खबर पर तेजी से प्रतिक्रिया दे रहा है।इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी आईईए ने एक और चिंता बढ़ा दी है। एजेंसी का कहना है कि इस साल वैश्विक तेल की मांग घट सकती है। अगर ऐसा हुआ, तब यह 2020 के बाद पहली बार होगा। ऊंची कीमतों ने खपत को दबा दिया है और अब इसका असर साफ दिख रहा है। उधर अमेरिका से आई खबर ने भी बाजार को झटका दिया। कच्चे तेल का भंडार 6.1 मिलियन बैरल बढ़ गया है। यह लगातार आठवां हफ्ता है जब स्टॉक बढ़ा है। यानी बाजार में तेल की कोई कमी नहीं है, बल्कि सप्लाई जरूरत से ज्यादा है। यही कारण है कि कीमतों पर दबाव बना हुआ है।वहीं कुछ दिन पहले बिल्कुल अलग तस्वीर सामने थी। सोमवार को तेल की कीमतें 100 डॉलर के पार निकल गई थीं। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत बेनतीजा रही और तनाव अचानक बढ़ गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कड़ा रुख दिखाकर होरमुज क्षेत्र में कार्रवाई की बात कही। बस फिर क्या था, बाजार में डर की लहर दौड़ गई और कीमतें तेजी से उछल गईं। हाल के महीनों में तेल की कीमतों ने कई बार चौंकाया है। मार्च में ब्रेंट क्रूड 119 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। हालांकि यह अभी भी 2008 के 147 डॉलर के रिकॉर्ड से नीचे है, लेकिन बाजार की तेजी और गिरावट दोनों ही यह दिखा रही हैं कि हालात कितने अस्थिर हैं।

तेल, खाने-पीने की चीजों और मैन्युफैक्चर्ड सामान की कीमतों में बढ़ोत्तरी...मार्च में मंहगाई बढ़ी

नई दिल्ली, ।

भारत में थोक कीमतें मार्च माह में सालाना आधार पर 3.88 प्रतिशत बढ़ गईं, जो तीन साल से ज्यादा समय में सबसे तेज बढ़ोतरी है। मोदी सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, तेल, खाने-पीने की चीजों और मैन्युफैक्चर्ड सामान की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण मार्च में महंगाई बढ़ी है। यह आंकड़ा फरवरी के 2.13 प्रतिशत से ज्यादा है और अर्थशास्त्रियों के 3.04 प्रतिशत के अनुमान से भी ऊपर रहा। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर बीते महीने 2.13 प्रतिशत थी, जबकि पिछले साल मार्च में यह 2.25 प्रतिशत रही थी। उद्योग मंत्रालय ने कहा कि मार्च 2026 में महंगाई की सकारात्मक दर मुख्य रूप से कच्चे पेट्रोलियम और नैचुरल गैस, अन्य मैन्युफैक्चर्ड उत्पादों, गैर-खाद्य वस्तुओं, बेसिक मेटल्स और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण रही है।डब्ल्यूपीआई के आंकड़ों के अनुसार, ईंधन और बिजली श्रेणी में महंगाई फरवरी के -3.78 प्रतिशत से बढ़कर मार्च में 1.05 प्रतिशत हो गई। कच्चे पेट्रोलियम में महंगाई मार्च में तेजी से बढ़कर 51.57 प्रतिशत हो गई, जबकि फरवरी में इसमें 1.29 प्रतिशत की गिरावट थी। मैन्युफैक्चर्ड उत्पादों में महंगाई मार्च में बढ़कर 3.39 प्रतिशत हो गई, जो फरवरी में 2.92 प्रतिशत थी। हालांकि, खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी की रफ्तार कुछ कम हुई और यह मार्च में 1.90 प्रतिशत रही, जो फरवरी में 2.19 प्रतिशत थी। सब्जियों के मामले में महंगाई मार्च में घटकर 1.45 प्रतिशत रह गई, जबकि फरवरी में यह 4.73 प्रतिशत थी।अमेरिका-ईरान जंग के बाद पश्चिम एशिया में जारी संकट के चलते वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोत्तरी हुई है। जंग के शुरु होने के बाद से कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हो चुकी है। मोदी सरकार ने 26 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी, ताकि तेल कंपनियां बढ़ी हुई कच्चे तेल की कीमतों का बोझ सीधे उपभोक्ताओं पर न डालें।खाद्य वस्तुओं और ईंधन की कीमतों में तेजी के कारण देश में खुदरा महंगाई दर मार्च में बढ़कर 3.4 प्रतिशत हो गई, जो फरवरी में 3.21 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से जारी आंकड़ों से यह पता चलता है। मार्च में आए आंकड़े अद्यतन उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) श्रृंखला के तीसरे आंकड़े हैं। अगर एनएसओ द्वारा जारी पिछली श्रृंखला के आंकड़ों से तुलना की जाए तो महंगाई दर 13 महीने के उच्च स्तर पर है। इलके पहले मार्च 2025 में महंगाई दर इससे अधिक 3.56 प्रतिशत पर थी।

भारत के फार्मा मार्केट में किंग बनी डॉ. रेड्डीज..दूसरे पायदान पर सन फार्मा

भारतीय फार्मा मार्केट ने सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की

मुंबई, ।

भारत का दवा बाजार फिर मजबूती के साथ आगे बढ़ता दिख रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2026 में भारतीय फार्मा मार्केट ने सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की। पूरे वित्त वर्ष 2026 में यह ग्रोथ 9.9 प्रतिशत रही, जबकि चौथी तिमाही में बाजार ने 11.6 प्रतिशत की तेज रफ्तार पकड़ी। कुल मिलाकर बाजार का आकार करीब 211 अरब रुपए तक पहुंच गया, जो इस सेक्टर की मजबूत स्थिति को दिखाता है। इस ग्रोथ के पीछे सबसे बड़ा हाथ उन दवाओं का हैं, जो लंबी बीमारियों के इलाज में काम आती हैं। क्रॉनिक थैरेपी की दवाएं मार्च में करीब 14 प्रतिशत बढ़ीं। इसके मुकाबले एक्यूट बीमारियों की दवाएं सिर्फ 8 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ी। खासकर एंटी-इंफेक्टिव और सांस से जुड़ी दवाओं की कमजोर मांग ने दवा सेंगमेंट को पीछे खींच लिया। बाजार का बड़ा हिस्सा अभी भी एक्यूट दवाओं का है, लेकिन उनकी धीमी चाल अब साफ नजर आने लगी है।दिलचस्प बात यह है कि बाजार की कमाई बढ़ने के बावजूद दवाओं की असली मांग में गिरावट देखी गई। कंपनियों ने कीमतें बढ़ाईं और लगातार नई दवाएं लांच कीं, जिससे कुल रेवेन्यू में इजाफा हुआ। लेकिन वॉल्यूम के लिहाज से बिक्री 0.2 प्रतिशत घट गई। यानी लोग दवाएं कम खरीद रहे हैं, पर महंगी दवाओं और नए प्रोडक्ट्स की वजह से कंपनियों की कमाई बढ़ रही है। मार्च 2026 में बाजार में एक बड़ा मोड़ आया जब सेमाग्लूटाइड की जेनेरिक दवाएं लांच हुईं। ये वहीं दवा है जो डायबिटीज और वजन घटाने के इलाज में इस्तेमाल होती है। हैरानी की बात यह हैं कि लांच के सिर्फ 11 दिनों के भीतर ही इन सस्ती दवाओं ने नोवो नॉर्डिस्क जैसी बड़ी कंपनी की ब्रांडेड दवाओं को पीछे छोड़ दिया। जीएलपी-1 सेगमेंट की कुल बिक्री करीब 2.1 अरब रुपये तक पहुंच गई और पूरे बाजार में अपनी मौजूदगी दर्ज करानी शुरू कर दी।थैरपी के हिसाब से कैंसर की दवाओं ने सबसे तेज रफ्तार दिखाई और करीब 28 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की। दिल से जुड़ी दवाएं 15 प्रतिशत और डायबिटीज की दवाएं 14 प्रतिशत बढ़ीं। दूसरी तरफ, सांस और इंफेक्शन से जुड़ी दवाएं कमजोर रहीं और इनकी ग्रोथ काफी सीमित रही। यह साफ संकेत है कि भारत में अब जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं।टॉप 20 फार्मा कंपनियों में कड़ी टक्कर देखने को मिली। डॉ. रेड्डीज ने सबसे तेज दौड़ लगाई और करीब 18 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की। सन फार्मा भी करीब 15 प्रतिशत की बढ़त के साथ मजबूत स्थिति में रही। ल्यूपिन, अजंता, ग्लेनमार्क, मैनकाइंड और टोरेंट जैसी कंपनियां भी बाजार से तेज बढ़ती दिखीं। हालांकि एलेम्बिक का प्रदर्शन कमजोर रहा और उसकी बिक्री में गिरावट दर्ज की गई। मल्टीनेशनल कंपनियों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया और उनकी बिक्री करीब 14 प्रतिशत बढ़ी।

महंगाई फिलहाल काबू में, 2027 में महंगाई औसतन 4.9 फीसदी तक पहुंच सकती है

-रिपोट मार्च 2026 में खुदरा महंगाई दर 3.40 फीसदी रही, अब दबाव बनना शुरू

नई दिल्ली, ।

ईरान युद्ध के चलते देश में महंगाई फिलहाल काबू में नजर आ रही है, लेकिन इसके पीछे छिपे संकेत चिंता बढ़ा रहे हैं। एक ताजा रिपोर्ट बताती है कि मार्च 2026 में खुदरा महंगाई दर 3.40 फीसदी रही, जो अभी आरामदायक स्तर पर है, लेकिन धीरे-धीरे दबाव बनना शुरू हो गया है। मार्च में गैस और बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी हुई, खासकर एलपीजी सिलेंडर महंगा हुआ। इसके बावजूद इसका असर आम लोगों तक नहीं पहुंचा, जिससे महंगाई ज्यादा नहीं बढ़ी, लेकिन यह राहत कितने समय तक रहेगी, यह बड़ा सवाल है।रिपोर्ट के मुताबिक ईंधन महंगाई तेजी से बढ़कर 1.7 फीसदी हो गई, जो फरवरी में करीब ना के बराबर थी। एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ने का इसमें बड़ा योगदान रहा। वहीं, खाने-पीने की चीजों की महंगाई भी बढ़कर 3.7 फीसदी तक पहुंच गई, जिससे आम आदमी की जेब पर असर पड़ सकता है। खाने और ईंधन को छोड़कर बाकी चीजों की कीमतों में थोड़ी राहत जरूर दिखी और कोर महंगाई घटकर 3.3 फीसदी हो गई। सोने और चांदी की कीमतों में नरमी इसका कारण रही, लेकिन यह राहत ज्यादा समय तक टिकेगी या नहीं, इस पर सबकी नजर है।एक निजी बैंक का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2027 में महंगाई औसतन 4.9 फीसदी तक पहुंच सकती है यानी अभी जो स्थिति शांत दिख रही है, वह आगे चलकर गर्म हो सकती है। खासकर अगर तेल की कीमतें बढ़ती रहीं, तो असर और तेज हो सकता है। रिपोर्ट में एक और बड़ा खतरा सामने आया है। मौसम विभाग ने इस बार मानसून सामान्य से कम रहने का अनुमान जताया है। अगर ऐसा हुआ, तो फसल पर असर पड़ेगा और खाने-पीने की चीजों के दाम तेजी से बढ़ सकते हैं। फिलहाल रिजर्व बैंक के रुख में बदलाव की उम्मीद नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, रेपो रेट 5.25 फीसदी पर ही बनी रह सकती है यानी अभी केंद्रीय बैंक स्थिति को देखना चाहता है, बिना जल्दबाजी में कोई फैसला लिए। महंगाई के आंकड़ों का बॉन्ड बाजार पर ज्यादा असर नहीं पड़ा। 10 साल के सरकारी बॉन्ड की यील्ड करीब 6.94 फीसदी के आसपास बनी रही, जो यह दिखाता है कि बाजार ने फिलहाल इन आंकड़ों को स्थिर माना है।

अक्षय तृतीया पर सोने की चमक नहीं पड़ेगी फीकी, गिरावट से बढ़ी खरीदारी

ब्राइडल ज्वेलरी और पारंपरिक शगुन के गहनों की मांग मजबूत रहने की उम्मीद

नई दिल्ली, ।

अक्षय तृतीया पर भी बाजार में सोने की चमक फीकी पड़ती नहीं दिख रही। त्योहार से पहले ही सोने के गहनों और सिक्कों की मांग बढ़ रही है। ज्वेलरी कारोबारियों के मुताबिक ऊंची कीमतों के बावजूद बिक्री में तेजी देखने को मिल रही है। पश्चिम एशिया में तनाव के दौरान सोने की कीमतों में तेज हैं, लेकिन हाल में आई थोड़ी गिरावट ने ग्राहकों की खरीदारी को फिर से बढ़ावा दिया है।बाजार के जानकारों का कहना है कि इस अक्षय तृतीया पर बिक्री में दहाई अंकों की मजबूत बढ़त देखने को मिल सकती है। उन्होंने बताया कि ग्राहकों के बीच दो तरह का ट्रेंड साफ दिख रहा है। एक तरफ बड़ी संख्या में लोग हल्के और किफायती गहनों की खरीद कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर हाई स्पेंडिंग वाले ग्राहक महंगे और प्रीमियम ज्वेलरी जैसे सोलिटेयर सेट में निवेश कर रहे हैं। इसके अलावा इस बार त्योहार रविवार को पड़ रहा है, जिससे वीकेंड का फायदा भी बाजार को मिल सकता है और बिक्री को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। कल्याण ज्वेलर्स के एमडी के मुताबिक इस बार अक्षय तृतीया रविवार और सोमवार को पड़ रही है, जिससे खरीदारी का समय भी ज्यादा मिल रहा है। उन्होंने बताया कि पहले से ही बड़ी संख्या में प्री-बुकिंग हो चुकी है और शोरूम में रोजाना ग्राहकों की पूछताछ बढ़ रही है। खासतौर पर ब्राइडल ज्वेलरी और पारंपरिक शगुन के गहनों की मांग मजबूत रहने की उम्मीद है। कंपनी ने क्रिक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के साथ साझेदारी भी की है, जिसका फायदा सोने के सिक्कों की बिक्री में दिख रहा है। शगुन के लिए गोल्ड कॉइन हमेशा पसंद किए जाते हैं और अब स्विगी इंस्टामार्ट जैसे प्लेटफॉर्म्स की वजह से लोग आखिरी समय में भी आसानी से खरीदारी कर पा रहे हैं।वहीं दूसरी ओर मॉल्स और रिटेल बाजारों में भी ग्राहकों की अच्छी भीड़ देखने को मिल रही है। नेक्सस सिलेक्ट मॉल्स के ऑपरेशंस हेड ने बताया कि अक्षय तृतीया पर हर साल ज्वेलरी की डिमांड बढ़ती है और इस बार भी यही ट्रेंड देखने को मिल रहा है। सोने की कीमतें ऊंची होने के बावजूद लोगों की खरीदारी की इच्छा कमजोर नहीं पड़ी है। ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए मॉल्स में खास ज्वेलरी जोन भी तैयार किए गए हैं। अब यह त्योहार सिर्फ सोना खरीदने तक सीमित नहीं रह गया है। शादी के सीजन के लिए भी ग्राहकों की दिलचस्पी अभी से दिखने लगी है। खास बात यह है कि पुरुषों की ज्वेलरी की डिमांड भी तेजी से बढ़ रही है। कुल मिलाकर कंपनी को पिछले साल की तुलना में इस समय 15 से 20 फीसदी तक की ग्रोथ दिख रही है। डिमांड को और बढ़ाने के लिए ज्वेलरी कंपनियां ग्राहकों को आकर्षक ऑफर्स भी दे रही हैं। फेस्टिव ऑफर के तहत मेकिंग चार्ज पर 50 फीसदी तक की छूट और डायमंड की कीमत पर अतिरिक्त 15 फीसदी की फ्लैट छूट दी है। वहीं कल्याण ज्वेलर्स भी मेकिंग चार्ज पर 50 फीसदी तक की छूट दे रही है।इसी तरह इंडिरिया के सीईओ ने बताया कि 'बड़ा शगुन, बड़े ऑफर्स' अभियान के तहत ग्राहकों को मेकिंग चार्ज और डायमंड वैल्यू पर 35 फीसदी तक का फायदा मिल रहा है।

साथ ही डबल गोल्ड रेट प्रोटेक्शन स्कीम में ग्राहक 25 फीसदी एडवांस देकर बुकिंग के समय और खरीद के समय के बीच कम कीमत वाले गोल्ड रेट का फायदा उठा सकते हैं।

देश में गर्मी बढ़ी पर बिजली की मांग नहीं? खपत में सुस्ती, कंपनियों का प्रदर्शन दबाव में

-मार्च 2026 में पीएलएफ करीब 70 फीसदी रहा, जो पिछले साल के 73.4 फीसदी से कम है

नई दिल्ली, ।

देश में गर्मी का असर तेज होता जा रहा है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि बिजली की मांग उसी रफ्तार से नहीं बढ़ रही। एक ताजा रिपोर्ट ने पावर सेक्टर की एक चिंताजनक तस्वीर सामने रखी है, जहां खपत में सुस्ती है और कंपनियों का प्रदर्शन दबाव में है। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में बिजली की मांग में केवल 1.9 फीसदी की बढ़त हुई, जबकि मार्च 2026 में यह बढ़त सिर्फ 0.7 फीसदी रही। पूरे साल में मांग करीब स्थिर रही और इसमें सिर्फ 0.8 फीसदी की मामूली बढ़त दर्ज की गई।रिपोर्ट के मुताबिक लंबे समय तक चले मानसून और गर्मी की धीमी शुरुआत ने मांग को प्रभावित किया। इसके अलावा औद्योगिक गतिविधियों में कमजोरी भी एक बड़ा कारण रही। हालांकि अधिकतम बिजली मांग बढ़कर करीब 245 गीगावॉट तक पहुंच गई, लेकिन बिजली संयंत्रों का उपयोग कम रहा। मार्च 2026 में पीएलएफ करीब 70 फीसदी रहा, जो पिछले साल के 73.4 फीसदी से कम है। एनटीपीसी और टाटा पावर जैसी कंपनियों के प्रदर्शन पर असर पड़ा है। एनटीपीसी का पीएलएफ घटकर करीब 76.7 फीसदी रह गया, जबकि टाटा पावर का करीब 63 फीसदी रहा। इसके चलते कंपनियों के मुनाफे में सीमित बढ़त की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक आईईएक्स पर बिजली का कारोबार मार्च 2026 में 23.5 फीसदी बढ़ा। सौर ऊर्जा के समय कीमतें घटकर करीब 3.3 रुपए प्रति यूनिट रहीं, जबकि अन्य समय में यह बढ़कर करीब 5.3 रुपए प्रति यूनिट तक पहुंच गईं। वहीं, नवीकरणीय ऊर्जा में तेजी जारी है और करीब 368 गीगावॉट की परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं। रिपोर्ट में इस सेक्टर में निवेश के लिए सीईएससी और एनटीपीसी को अपने टॉप पिक्स बताया है। कंपनी का मानना है कि इन कंपनियों का प्रदर्शन बाकी के मुकाबले बेहतर रह सकता है।

मिल गया 565 करोड़ रुपये का आर्डर.. तूफान की तरह दौड़ पड़ा सरकारी कंपनी का शेयर

मुंबई, ।

रेलवे सेक्टर की सरकारी कंपनी रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के शेयरों में बुधवार को जबरदस्त तेजी आई। कंपनी के शेयर शुरुआती कारोबार में 13 प्रतिशत तक चढ़ गए। यह शेयर में जुलाई 2024 के बाद की सबसे बड़ी एक दिन की बढ़त है।

रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने बताया कि रेल विकास निगम (आरवीएनएल) से 565 करोड़ रुपये के दो लेटर ऑफ अवॉर्ड मिले हैं। यह ऑर्डर रेलवे सुरंगों में व्यापक और एकीकृत संचार सिस्टम की सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग (एसआईटीसी) से जुड़ा है। इसके अलावा, कंपनी को यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोमोशन बोर्ड से 44 करोड़ रुपये का एक और वर्क ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर भर्ती परीक्षाओं के लिए सुरक्षा से जुड़ी सहायक सेवाओं से संबंधित है। इस बीच, रेलटेल ने बताया कि नवोदय विद्यालय समिति से आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की खरीद और रखरखाव के लिए 17.12 करोड़ रुपये का वर्क ऑर्डर मिला था। हालांकि, कंपनी ने कहा कि सेबी (लिस्टिंग ऑब्लिगेशन और डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स) नियम, 2015 के तहत दी गई जानकारी के अनुसार, अपरिहार्य प्रशासनिक कारणों के चलते ग्राहक ने इस वर्क ऑर्डर को रद्द कर दिया है।ये खबर आते ही रेलटेल के शेयरों में बुधवार को भारी वॉल्यूम के साथ कारोबार हुआ। ट्रेडिंग के पहले 60 मिनट में ही 1.5 करोड़ से ज्यादा शेयरों में सौदे हुए, जो 20 दिन के औसत 4.2 लाख शेयरों से काफी ज्यादा

है। दोपहर 12ः22 बजे रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के शेयर बीएसई पर 13.94 फीसदी चढ़कर 324.10 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। पिछले एक महीने में यह शेयर करीब 16 प्रतिशत चढ़ चुके है। हालांकि 2026 में अब तक इसमें करीब 14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। तीन महीने में शेयर में 8 फीसदी और छह महीने में 13.13 फीसदी की गिरावट आई है। एक साल में स्टॉक ने 5.53 फीसदी का रिटर्न दिया है।

अप्रैल में फैमिली के साथ इन शानदार जगहों को बनाएं डेस्टिनेशन पॉइंट, हर पल रहेगा यादगार

अप्रैल साल का एक ऐसा महीना होता है, जब देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी पड़ती है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अप्रैल की चिलचिलाती गर्मी में फैमिली के साथ ठंडी-ठंडी जगहों पर पहुंच सकते हैं।

हर कोई परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताना चाहता है। इसलिए जब भी लोगों को समय मिलता है, तो वह अपने परिवार के साथ पसंदीदा जगहों पर पहुंच जाते हैं। अप्रैल के महीने में कई लोग अपने परिवार के साथ घूमने-फिरने के लिए निकलते हैं। अप्रैल साल का एक ऐसा महीना होता है, जब देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी पड़ती है। गर्मी के कारण लोग फैमिली के साथ ठंडी-ठंडी जगहों पर मौज-मस्ती का प्लान बनाते हैं। लेकिन लोग सही जगह का चुनाव नहीं कर पाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अप्रैल की चिलचिलाती गर्मी में फैमिली के साथ ठंडी-ठंडी जगहों पर पहुंच सकते हैं।

मैक्लॉडगंज

अगर आप अप्रैल के महीने में हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में फैमिली संग घूमने का प्लान कर रहे हैं, तो मैक्लॉडगंज आपके लिए परफेक्ट जगह है। यह हिमाचल प्रदेश का एक खूबसूरत और फेमस हिल स्टेशन है। जोकि धर्मशाला से करीब 5 किमी दूर है।

अप्रैल में मैक्लॉडगंज का मौसम सुहावना रहता है। इस दौरान आप अपने परिवार के साथ यहां पर यादगार पल बिता सकते हैं। आप मैक्लॉडगंज में फैमिली के साथ सेंट जॉन चर्च, नड्डी व्यू पॉइंट, भागसूनाग वाटरफॉल और डल झील जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं।

बेताब वैली

जब भी जम्मू-कश्मीर में घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले गुलमर्ग, श्रीनगर या फिर सोनमर्ग का नाम लेते हैं। लेकिन आप इन सभी से हसीन बेताब वैली को एक्सप्लोर कर सकते हैं। यह वैली जम्मू-कश्मीर का वह छिपा हुआ खजाना है, जिसकी खूबसूरती देखकर आप खुशी से झूम उठेंगे।

बेताब वैली में घास के मैदान, शांत और शुद्ध वातावरण और झील झरने इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं। वहीं बॉलीवुड की कई फिल्मों की यहां पर शूटिंग हो चुकी है। अप्रैल के महीने में यहां का तापमान एकदम सुहावना रहता है।

झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता का एक अद्भुत उदाहरण है दशम जलप्रपात

दशम जलप्रपात लगभग 44 मीटर (144 फीट) की ऊँचाई से गिरता है, जिससे यह झारखंड के प्रमुख जलप्रपातों में शामिल है। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और झरने की गूंज पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 34 किलोमीटर दूर, तैमारा गाँव के समीप स्थित दशम जलप्रपात (Dassam Falls), राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह जलप्रपात कांची नदी पर स्थित है, जो सुवर्णरेखा नदी की एक सहायक नदी है। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और झरने की गूंज पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

जलप्रपात की विशेषताएँ

ऊँचाई : दशम जलप्रपात लगभग 44 मीटर (144 फीट) की ऊँचाई से गिरता है, जिससे यह झारखंड के प्रमुख जलप्रपातों में शामिल है।

नाम की उत्पत्ति : स्थानीय मुंडारी भाषा में फ़दाशोंगफ़ का अर्थ होता है पानी का गिरना । समय के साथ यह शब्द दशम में परिवर्तित हो गया।

प्राकृतिक संरचना : यह जलप्रपात एक निक पॉइंट का उदाहरण है, जहाँ नदी की ढलान में अचानक परिवर्तन होता है, जिससे जलप्रपात का निर्माण होता है।

दृश्य सौंदर्य : जलप्रपात के चारों ओर घने जंगल और चट्टानी क्षेत्र हैं, जो इसे पिकनिक और फोटोग्राफी के लिए आदर्श स्थान बनाते हैं।

कैसे पहुँचें

सड़क मार्ग : रांची से दशम जलप्रपात तक पहुँचने के लिए NH-33 (अब NH-18) का उपयोग किया जा सकता है। अंतिम 10 किलोमीटर की यात्रा गाँव की सड़कों से होती है, जो संकरी लेकिन ड्राइविंग के लिए उपयुक्त हैं।

रेल मार्ग : निकटतम रेलवे स्टेशन रांची है, जहाँ से टैक्सी या बस के माध्यम से जलप्रपात तक पहुँचा जा सकता है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मानसून (जुलाई से सितंबर): इस अवधि में जलप्रपात अपने पूर्ण प्रवाह में होता है, लेकिन भारी वर्षा के कारण फिसलन और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं।

शीतकाल (अक्टूबर से फरवरी) : इस समय मौसम सुखद होता है और भीड़ भी कम होती है, जिससे यात्रा अधिक आनंददायक होती है।

सुरक्षा सुझाव

जलप्रपात के नीचे तैराकी या स्नान से बचें, क्योंकि यहाँ की जलधारा तेज होती है और कई दुर्घटनाएँ हो चुकी हैं।

फिसलन से बचने के लिए उपयुक्त जूते पहनें और बच्चों पर विशेष ध्यान दें।

अपने साथ पानी और हल्का नाश्ता रखें, क्योंकि आसपास सीमित सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

अतिरिक्त जानकारी

प्रवेश शुल्क : नि :शुल्क

पार्किंग : पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है, जहाँ 30 का शुल्क लिया जाता है।

सीढ़ियाँ : जलप्रपात के तल तक पहुँचने के लिए लगभग 300 सीढ़ियाँ उतरनी पड़ती हैं, जो अच्छी तरह से निर्मित हैं।

दशम जलप्रपात, झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता का एक अद्भुत उदाहरण है। यह स्थान न केवल प्रकृति प्रेमियों के लिए, बल्कि फोटोग्राफरों और शांत वातावरण की तलाश करने वालों के लिए भी एक आदर्श गंतव्य है। यदि आप झारखंड की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो दशम जलप्रपात को अपनी सूची में अवश्य शामिल करें।

केरल के मुनरो आइलैंड की खूबसूरती देखकर झूम उठेंगे आप, प्रकृति प्रेमियों के लिए है जन्नत

जब भी केरल घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले एलेप्पी, कुमारकोम, मुन्नार, वायनाड, वागामों और त्रिशूर जैसी फेमस जगहों पर जाना चाहते हैं। लेकिन मुनरो द्वीप के बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है।

दक्षिण भारत में जब किसी खूबसूरत राज्य में घूमने की बात होती है, तो बहुत सारे लोग केरल का नाम सबसे पहले लेते हैं। केरल दक्षिण भारत का पर्यटन हब माना जाता है। केरल की खूबसूरती हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। यहां पर स्थित लैगून और बैकवॉटर देखने के लिए लोग केरल पहुंचते हैं। जब भी केरल घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले एलेप्पी, कुमारकोम, मुन्नार, वायनाड, वागामों और त्रिशूर जैसी फेमस जगहों पर जाना चाहते हैं। लेकिन मुनरो द्वीप के बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मुनरो द्वीप की खूबसूरती, खासियत और यहां पर मौजूद कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनरो द्वीप

केरल के कोल्लम जिले में स्थित मुनरो द्वीप एक अद्भुत और अनोखी जगह है। यह कोल्लम शहर के कुछ किमी की दूरी है। इस द्वीप को कई लोग मुंद्रोथुरुथु के नाम से भी जानते हैं।

केरल में अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर यह द्वीप स्थित है। मुनरो द्वीप राजधानी तिरुवनंतपुरम से करीब 90 किमी की दूरी पर है। यह द्वीप एलेप्पी से करीब 87 किमी दूर और कोट्टयम से महज 84 किमी दूर है।

मुनरो द्वीप का इतिहास

मुनरो द्वीप का इतिहास काफी रोचक है। इस आइलैंड के बारे में बताया जाता है कि इसका नाम पूर्व ब्रिटिश निवासी कर्नल मुनरो के नाम पर रखा गया है। बताया जाता है कि जब कर्नल मुनरो ने देखा कि सिंचाई के लिए आसपास के इलाकों में बहुत समस्या हो रही है, तब इस द्वीप का निर्माण करवाया गया था।

मुनरो द्वीप की खासियत

केरल के साथ-साथ दक्षिण भारत का भी यह एक ऐसा आइलैंड है, जो नदी और झील के किनारे स्थित है। मुनरो द्वीप अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर स्थित है। जोकि अपने आप में अनोखा है।

इस द्वीप के बारे में कहा जाता है कि यह केरल का छिपा हुआ मोती है, जो करीब 8 द्वीपों से बना हुआ है। यहां पर स्थित बैकवाटर और लैगून पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

सैलानियों के लिए है खास

मुनरो द्वीप अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है और यहां पर हर दिन हजारों की संख्या में पर्यटक आते हैं। खासकर जो सैलानी बैकवाटर और लैगून से प्रेम करते हैं, उनके लिए मुनरो द्वीप किसी स्वर्ग से कम नहीं है। वहीं प्रकृति प्रेमियों के लिए भी यह खास जगह है।

मुनरो द्वीर अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां पर कई पर्यटक बोटिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। मानसून में इस द्वीप की खूबसूरती चरम पर होती है।

आसपास घूमने की जगहें

मुनरो द्वीप के आसपास कई शानदार और मनमोहक जगहें हैं। ऐसे में आप इन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। आप यहां पर अष्टमुडी झील, वेस्ट एंड ईस्ट कल्लाडा और थेवलक्करा गांव को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कैसे पहुंचे मुनरो द्वीप

बता दें कि मुनरो द्वीप पहुंचना आसान है। इसके पास में कोल्लम रेलवे स्टेशन है, जोकि यहां से 27 किमी दूर है। वहीं अगर आप हवाई मार्ग से जाना चाहते हैं, तो यहां पर सबसे पास त्रिवेंद्रम एयरपोर्ट जोकि 80 किमी दूर है। ऐसे में आप एयरपोर्ट से कैब या टैक्सी करके मुनरो द्वीप जा सकते हैं।

महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना है कोयनानगर, मानसून में यहां घूमना है जन्नत के बराबर

कोयनानगर को महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कोयनानगर की खासियत, यहां की खूबसूरती और यहां पर मौजूद शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

देश के पश्चिमी भाग में स्थित महाराष्ट्र एक प्रमुख राज्य होने के साथ ही खूबसूरती के लिए भी जाना जाता है। यह एक ओर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ तो दूसरी ओर अरब सागर से घिरा है। महाराष्ट्र अपनी खूबसूरती के कारण पर्यटकों के अपनी ओर आकर्षित करता है। महाराष्ट्र में कई ऐसी हसीन, ऐतिहासिक और शानदार जगहें मौजूद हैं, जहां पर घूमने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से लेकर लोनावाला, खंडाला और माथेरान जैसी जगहों के बारे में तो हर कोई जानता है, लेकिन यहां पर स्थित कोयनानगर के बारे में कम लोग जानते हैं। इस जगह को महाराष्ट्र का छिरा हुआ खजाना माना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कोयनानगर की खासियत, यहां की खूबसूरती और यहां पर मौजूद शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

महाराष्ट्र में कोयनानगर

कोयनानगर महाराष्ट्र के सतारा जिले में स्थित है। सतारा जिला खूबसूरत पहाड़ और झील-झरनों के लिए जाना जाता है। वहीं कोयनानगर को कोयना के नाम से भी जाना जाता है।

सतारा जिले में कोयना नदी के किनारे कोयनानगर है। यह सतारा शहर से कुछ ही दूरी पर बसा है। कोयनानगर महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से करीब 294 किमी दूर है। पूणे से 190 किमी और सांगली से 130 किमी दूर है।

कोयनानगर की खासियत

कोयनानगर चिपलून-सांगली राजमार्ग पर स्थित है और यह कई चीजों के लिए फेमस माना जाता है। कोयनानगर में स्थित कोयना बांधा भारत की सबसे बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं में से एक माना जाता है।

कोयना बांध के पीछे स्थित शिवसागर जलाशय भी कोयनानगर को खास बनाने का काम करता है। यह जगह सतारा जिले के साथ ही पूरे महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। यहां पर आप एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं।

कोयनानगर की खूबसूरती

बता दें कि कोयनानगर को खूबसूरती का खजाना माना जाता है। यह जगह शहर की भीड़-भाड़ से दूर अपने शांत और शुद्ध वातावरण के लिए भी जाना जाता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह स्वर्ग से कम नहीं है। कोयनानगर की हरियाली यहां की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती है।

यहां पर क्रिस्टल क्लियर झील, ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और घने जंगल देखने को मिलेंगे। वहीं वीकेंड पर कई पर्यटक यहां पर पिकनिक मनाने पहुंचते हैं। वहीं मानसून में कोयनानगर की खूबसूरती देखने लायक होती है।

कोयनानगर में घूमने की जगहें

कोयनानगर में कई शानदार और बेहतरीन जगहें हैं, जहां पर घूमने के बाद आप महाराष्ट्र की फेमस जगहों को भूल जाएंगे। यहां पर कोयना डैम, कोयना नदी, नेहरु गार्डन और कोयनानगर वाइल्ड लाइफ सेंचुरी आदि खूबसूरत जगहें मौजूद हैं।

कोयनानगर के आसपास कामरगांव, हूंबर्ली, वजेगांव, ओज़ार्डे वॉटरफॉल और कोयना बैकवाटर व्यू पॉइंट जैसी जगहों को घूम सकते हैं।

कैसे पहुंचे कोयनानगर

यहां पर पहुंचना बहुत आसान है, कोयनानगर का सबसे नजदीकी एयरपोर्ट पुणे है। जोकि करीब 192 किमी दूर है। वहीं कोयनानगर का नजदीकी रेलवे स्टेशन चिपलून है जो 42 किमी दूर है। पुणे से चिपलून के लिए लोकल ट्रेन आदि चलती हैं और यह शानदार जगह चिपलून-सांगली राजमार्ग पर स्थित है।

गौतम गंभीर को हटाया तो.., मुनाफ पटेल ने दी कड़ी चेतावनी, रोहित-कोहली को लेकर भी कही बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर अपने गंभीर स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। उनकी कोचिंग में टीम इंडिया ने कई नई उपलब्धियों को छुआ है। लेकिन कुछ रिपोर्ट के अनुसार गंभीर ने बीसीसीआई से अपने कार्यकाल को 2028 के टी20 वर्ल्ड कप तक बढ़ाने की मांग की है। फिलहाल उनका कॉन्ट्रैक्ट साल 2027 के वनडे वर्ल्ड कप तक ही सीमित है। इसी बीच कुछ ऐसी भी खबरें आ रही हैं कि बोर्ड उन्हें हटा सकता है। जिस पर पूर्व क्रिकेटर मुनाफ पटेल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

टीओआई से बातचीत में भारत के पूर्व क्रिकेटर मुनाफ पटेल ने गंभीर का जोरदार समर्थन किया और चेतावनी दी कि उन्हें हटाने से अफरा-तफरी मच सकती है। उन्होंने कहा है कि गंभीर शायद ड्रेसिंग रूम में एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जो सच को सच कहने की हिम्मत रखते हैं। अगर किसी बड़े से बड़े खिलाड़ी का प्रदर्शन गिरता है, तो उसे टीम से बाहर करने का भी उनमें साहस है। बस ये याद रखना अगर गौतम गंभीर जैसे हेड कोच को हटा दिया जाता है तो खिलाड़ियों को संभालना बहुत मुश्किल हो जाएगा। वह एक सच्चे इंसान हैं, वह सच को सच कहते हैं और बहुत से लोगों को ये पसंद नहीं आता। हर कोई जानता है कि अगर चीजें पटरी से उतर जाती हैं तो उनमें उस खिलाड़ी को टीम से बाहर करने की हिम्मत है।

ऑस्ट्रेलिया के खराब दौरे के बाद रोहित और कोहली दोनों ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया तो दोनों और गंभीर के बीच तनाव की खबरें सामने आई। 2025 में वनडे सेटअप में भी कुछ ठीक नहीं था जब इस फॉर्मेट में उनकी वापसी के समय गंभीर और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने 2027 वर्ल्ड कप की योजनाओं में उनकी जगह की पुष्टि करने से परहेज किया।

मुनाफ ने कहा कि खिलाड़ियों को संभालना सबसे जरूरी चीज है और ये आसान नहीं है। विराट कोहली जैसे किसी खिलाड़ी को ना कहकर देखो। रोहित शर्मा को ना कहकर देखो। मुझे बताओ देश को कोचिंग देने के लिए गंभीर कितने लोगों को अपना दुश्मन बना रहे हैं? इन सब बातों के बावजूद, गंभीर ने एक व्हाइट-बॉल कोच के तौर पर बेहतरीन काम किया है और भारत को 2025 चैंपियंस ट्रॉफी और 2026 टी20 वर्ल्ड कप में खिताब दिलाए हैं।

दो बार के ओलंपिक और विश्व चैंपियन दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी ने लिया संन्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार के ओलंपिक और विश्व चैंपियन दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन ने बुधवार को संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि लगातार चोटिल होने के कारण उन्हें यह फैसला करना पड़ा। डेनमार्क का यह 32 वर्षीय खिलाड़ी पिछले साल अक्टूबर से पीठ की समस्या के कारण किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाया है। उन्होंने इसके लिए सर्जरी भी कराई लेकिन उनका दर्द अब भी बना हुआ है।

तीन बार के यूरोपीय चैंपियन एक्सेलसन ने 'बैडमिंटन यूरोप' से कहा, 'जैसा कि अधिकतर लोग जानते हैं कि मैं काफी समय से अपनी पीठ की समस्या से जूझ रहा हूं। पिछले साल अप्रैल में सर्जरी कराने और लंबे समय तक 'रिहैबिलिटेशन' से गुजरने के बाद दुर्भाग्य से अक्टूबर में यह दर्द फिर से उबर गया।' उन्होंने कहा, 'दर्द के कारण मैं खेल नहीं पा रहा हूं और अभ्यास भी नहीं कर पा रहा हूं। इस कारण मुझे यह बेहद मुश्किल फैसला लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।'

एक्सलसेन 183 सप्ताह तक विश्व में नंबर एक खिलाड़ी रहे हैं और वह इस मामले में तीसरे स्थान पर काबिज हैं। उन्होंने कहा कि दर्द कम न होने और डॉक्टरों का खेल जारी रखने पर एक और सर्जरी की चेतावनी दिए जाने के बाद आखिर में उन्हें अपने शरीर की बात सुननी पड़ी। मिलनसार स्वभाव का यह खिलाड़ी अपने पूरे करियर में अस्थमा से जूझता रहा है। उन्होंने तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में लगातार स्वर्ण पदक जीते तथा 2017 और 2022 विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल किया। वह यूरोपीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली डेनमार्क की छह टीमों का भी हिस्सा रहे।

उन्होंने कहा, 'मैंने यह फैसला चिकित्सकों से परामर्श करने के बाद लिया है। उनका कहना है कि मुझे अभी जो दर्द हो रहा है, उसके लिए शायद एक और सर्जरी करवानी पड़े। अगर सर्जरी सफल नहीं रही तो इससे भी गंभीर प्रक्रिया से गुजरना पड़ सकता है। मेरा शरीर मुझे रुकने का संकेत दे रहा है और मुझे अपने डॉक्टरों की सलाह माननी होगी।' एक्सलसेन अपना आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच अक्टूबर 2025 में डेनमार्क ओपन में खेला था।

धोनी का इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उपयोग करे सीएसके : मैक्लेनेघन

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर मिशेल मैक्लेनेघन ने कहा है कि महेन्द्र सिंह धोनी का फिट होना चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के लिए राहत की बात है पर उनका उपयोग सावधानी से करना होगा। मैक्लेनेघन ने कहा है कि धोनी को इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के तौर पर टीम में शामिल किया जाना चाहिये। जिससे उन्हें अधिक दौड़-भाग न करनी पड़े। धोनी ने नेट्स में बल्लेबाजी शुरु कर दी है। उन्होंने हालांकि थ्रोडाउन गेंदों का ही सामना किया। वह अभी पूरी रफ्तार से बल्लेबाजी नहीं कर रहे हैं।

मैक्लेनेघन ने कहा, अगर धोनी फिट हैं, तो सीएसके को उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर टीम में उतारना चाहिये। अगर टीम मैनेजमेंट को लगता है कि उन्हें धोनी से तेजी से कुछ रन चाहिए, खासकर जब वे लक्ष्य का पीछा कर रहे हों, तो उन्हें इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के तौर पर लाने से वे उनकी बल्लेबाजी क्षमता का सबसे बेहतर इस्तेमाल कर पाएंगे। इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलने का मतलब होगा कि उन्हें ज्यादा दौड़-भाग करने की जरूरत नहीं रहेगी। धोनी सीएसके के लिए इस सत्र में अबतक नहीं उतरे पाये हैं। इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर वह कुछ ही ओवरों में मैच बदल सकते हैं। बड़े स्कोर का पीछा करते समय सीएसकेके लिए उनकी आक्रामक बल्लेबाजी क्षमता लाभप्रद रहेगी। इसलिए मेरा मानना है कि धोनी को फिर से लय में लाने का ये सबसे बेहतर तरीका है। इससे उनकी फिटनेस को लेकर भी कोई खतरा नहीं रहेगा।

आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के मैचों में हुआ बदलाव

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच होने वाले दो मैचों के कार्यक्रम में बदलाव किया है। गुजरात और सीएसके के बीच 26 अप्रैल को अहमदाबाद में होने वाला मैच अब इसी तारीख को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। ये मैच दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा।

वहीं सीएसकेके और गुजरात के बीच होने वाला दूसरा मैच जो 21 मई, 2026 की शाम को चेन्नई में खेला जाना है। उसे इसी दिन अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। ये मैच शाम 7:30 बजे से शुरु होगा। दोनों ही मैचों के कार्यक्रम में केवल स्थलों में बदलाव किय गया है। तारीख वहीं रखी गयी है। इस बदलाव का कारण अहमदाबाद में होने वाले नगर निगम चुनाव हैं। आईपीएल में अब तक इन दोनो ही टीमों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। दोनो ही टीमों की शुरुआत बहुत ही खराब हुई है। सीएसके को लगातार तीन मैचों में मिली हार के बाद दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पहली सफलता मिली. सीएसके के इस सीजन में चार मैचों में सिर्फ 2 अंक हैं। वहीं गुजरात टाइटंस भी खराब दौर से गुजर रही है। अपने डेब्यू सत्र में ही विजेतार रही गुजरात इस बार चार मैचों में सिर्फ 2 में जीत सकी है।

ग्रीन और रिंकू के खराब प्रदर्शन से हार रही केकेआर

चेन्नई। अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में उतरी कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की हार का सिलसिला समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिल हार के साथ ही उसे एक और झटका लगा है। टीम अभी तक के अपने पांच में से चार मैच हारी है जबकि एक मैच बारिश के कारण नीं हो पाया है। टीम की इस हार का एक कारण कैमरन ग्रीन और उपकप्तान रिंकू सिंह जैसे स्टार खिलाड़ियों का खराब प्रदर्शन भी रहा है। अब तक के मैचों में इन दोनों के प्रदर्शन को देखा जाए तो ये दोनो ही टीम पर बोझ बने हुए हैं। ग्रीन और रिंकू सिंह जिस प्रकार के प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं, वह अब तक नहीं दिखा है। 25.20 करोड़ रुपये की कीमत में खरीदे गये ग्रीन अब तक बल्लेबाजी और और गेंदबाजी में विफल रहे हैं। वहीं रिंकू भी इस सत्र में विफल रहे हैं। ग्रीन अब तक खेले 5 मुकाबलों में कुल 56 रन ही बना पाये हैं, जबकि शुरुआती मुकाबलों में गेंदबाजी न करने के बाद पिछले दो मैचों में उन्होंने केवव एक ही विकेट लिया है। वहीं मध्य के ओवरों में उनसे आक्रामक पारी की उम्मीद रहती है। सीएसके के खिलाफ भी वह रन नहीं बना पाये थे। वहीं रिंकू को इस बार उपकप्तान बनाया गया पर वह अब तक अपने नाम के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। केवल मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ ही वह रन बन पाये। इसके बाद दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये।

न्यूजीलैंड ने पापुआ न्यू गिनी को 1-0 से हराकर महिला विश्व कप के लिए किया क्वालीफाई

ऑकलैंड। न्यूजीलेंड ने ओसियाना महासंघ क्वालीफाइंग सीरीज में बुधवार को यहां पापुआ न्यू गिनी (PNG) को 1-0 से हराकर ब्राजील में अगले महीने होने वाले महिला फुटबॉल विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। संडरलैंड की मिडफील्डर केटी किचिंग ने मैच का एकमात्र गोल 55वें मिनट में किया और न्यूजीलैंड को सातवीं बार महिला विश्व कप में जगह दिलाई। इस हार के बावजूद पीएनजी का अभियान खत्म नहीं हुआ है और टीम के पास नवंबर या दिसंबर में अंतरराष्ट्रीय विंडो (अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए निर्धारित समय) के दौरान अंतर महाद्वीपीय प्ले ऑफ के जरिए विश्व कप में जगह बनाने का मौका होगा। न्यूजीलैंड ने मैच के दौरान गोल करने के कई मौके गंवाए लेकिन अंततः टीम दूसरे हाफ में किचिंग के गोल की बदौलत जीत दर्ज करने में सफल रही।

प्रफुल्ल हिंगे ने आईपीएल डेब्यू में तीन विकेट झटक कर रचा इतिहास

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज प्रफुल्ल हिंगे सोमवार आईपीएल पर्दापण में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले ही ओवर में दो रन देकर तीन विकेट झटकर इतिहास रच दिया। वह आईपीएल में यह कारनामा करने वाले पहले गेंदबाज बन गये है। आज यहां खेले गये मुकाबले में प्रफुल हिंगे ने अपने आईपीएल करियर के पहले ही ओवर में तीन विकेट लेकर इतिहास रच दिया। इसके बाद अपने दूसरे ओवर में रियान पराग को आउटकर अपना चौथा विकेट लिया। प्रफुल हिंगे अपनी दूसरी ही गेंद पर युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का बिना खाता खोले ही शिकार कर लिया। अगली 4 गेंदों के भीतर ही ध्रुव जुरेल और लुआन ड्री प्रिटोरियस भी आउट कर दिया। तीनों बल्लेबाजो को खाता भी नहीं खेल सके। प्रफुल हिंगे इतिहास में ऐसे पहले गेंदबाज हैं, जिन्होंने आईपीएल मैच की किसी पारी के पहले ही ओवर में 3 विकेट झटके है। वह पारी के पहले ओवर में 2 रन देकर तीन विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज हैं।

पीएसजी ने एंफील्ड में लिवरपूल को हराकर चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में बनाई जगह

लिवरपूल (एजेंसी)। पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एंफील्ड में लिवरपूल को 2-0 से हराकर यूएफा चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इस जीत के साथ पीएसजी ने दो मैचों के कुल स्कोर में 4-0 से मुकाबला अपने नाम किया।

डिफेंडिंग चैंपियन पीएसजी अब लगातार दूसरी बार खिताब जीतने के करीब पहुंच गया है। अगर वह ऐसा करने में सफल रहता है, तो आधुनिक दौर में रियल मैड्रिड के बाद ऐसा करने वाला दूसरा क्लब बन जाएगा।

मैच में बैलन डी' ऑर विजेता उस्मान डेम्बेले ने दूसरे हाफ में दो गोल दागकर लिवरपूल की वापसी की उम्मीदों को पूरी तरह खत्म कर दिया। उनका पहला गोल 72वें मिनट में आया, जब उन्होंने बॉक्स के बाहर से सटीक शॉट लगाकर गेंद को जाल में पहुंचाया। इसके बाद इंजरी टाइम में उन्होंने दूसरा गोल कर टीम की जीत पक्की कर दी।

पीएसजी के कोच लुइस एनरिके ने मैच के बाद कहा, 'चैंपियंस लीग खिताब बचाना आसान नहीं होता, लेकिन हम फिर से यहां हैं और हमें इस मौके का पूरा फायदा उठाना होगा।'

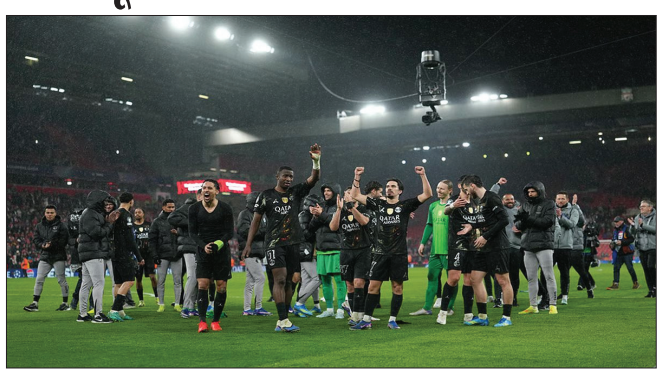

इस जीत के साथ पीएसजी का सामना अब सेमीफाइनल में बायर्न म्यूनिख या रियल मैड्रिड में से किसी एक टीम से होगा।

लिवरपूल ने मुकाबले में वापसी की कोशिश जरूर की। पहले हाफ में वर्जिल वैन डाइक का आसान मौका पीएसजी के कप्तान मार्किन्होस के शानदार बचाव के कारण गोल में नहीं बदल सका।

दूसरे हाफ में लिवरपूल को पेनल्टी का मौका भी मिला, जब एलेक्सिस मैक एलिस्टर के खिलाफ फाउल दिया गया, लेकिन वीडियो समीक्षा के बाद रेफरी ने अपना फैसला बदल दिया, जिससे घरेलू टीम की उम्मीदों को झटका लगा।

लिवरपूल के कोच आर्ने स्लॉट ने कहा, 'हम निराश हैं, क्योंकि दूसरे हाफ में ऐसा लग रहा था कि अगर हम एक गोल कर देते, तो मैच का रुख बदल सकता था। लेकिन हमारी टीम का भविष्य उज्ज्वल है और हमने दिखाया है कि हम यूरोप के चैंपियन को कड़ी टक्कर दे सकते हैं।'

पीएसजी ने एक बार फिर साबित किया कि वह इस समय यूरोप की सबसे मजबूत टीमों में से एक है और अब उसकी नजरें लगातार दूसरे खिताब पर टिकी हैं।

आईपीएल 2026 : धीमी ओवर गति के लिए अजिंक्य रहाणे पर 12 लाख का जुर्माना

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मैच नंबर 22 में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत यह इस सीजन में उनकी टीम का पहला उल्लंघन था, जो न्यूनतम ओवर गति से संबंधित है। इसी कारण रहाणे पर यह जुर्माना लगाया गया। यह मुकाबला चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला गया, डीजिसमें कोलकाता को 32 रन से हार का सामना करना पड़ा। मैच में चेन्नई सुपर किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 192 रन बनाए। जवाब में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 160 रन ही बना सकी और लक्ष्य से पीछे रह गई। इस तरह एक ओर जहां कोलकाता को हार झेलनी पड़ी, वहीं धीमी ओवर गति के कारण कप्तान अजिंक्य रहाणे पर जुर्माना भी लगाया गया।

फिडे कैंडिडेट्स 2026: सिंदारोव ने एक राउंड पहले ही जीता खिताब, 50 मैचों की अजेय लय बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिडे कैंडिडेट्स 2026 के ओपन वर्ग में उभरते ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को एक राउंड शेष रहते ही खिताब अपने नाम कर लिया। राउंड 13 में अनीश गिरी के खिलाफ ड्रॉ खेलते ही उन्होंने टूर्नामेंट में अपनी बढ़त को बरकरार रखते हुए खिताब पर कब्जा जमा लिया। इस जीत के साथ सिंदारोव ने इस साल होने वाले फिडे विश्व शतरंज चैंपियनशिप में मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को चुनौती देने का अधिकार हासिल कर लिया है। खास बात यह रही कि सिंदारोव पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहे और उनकी लगातार अजेय मैचों की संख्या 50 तक पहुंच गई। राउंड 13 से पहले सिंदारोव के पास दो अंकों की बढ़त थी। गिरी के लिए यह मुकाबला जीतना जरूरी था, ताकि फाइनल राउंड तक मुकाबला बना रहे, लेकिन ड्रॉ के साथ ही सिंदारोव ने खिताब सुनिश्चित कर लिया।मुकाबले की शुरुआत गिरी ने 1.द4 चाल से की, जिसका जवाब सिंदारोव ने बेहद मजबूत रणनीति के साथ दिया। 15वीं चाल तक कई मोहरों का आदान-प्रदान हो चुका था और खेल रानी के बिना मिडिलगेम में पहुंच गया, जो सिंदारोव की रणनीति के अनुकूल रहा। गिरी ने डी-फाइल पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन सिंदारोव ने सटीक बचाव करते हुए उनकी सभी योजनाओं को नाकाम कर दिया। बाद में खेल रूक और ऊंट के एंडगेम में पहुंचा, जहां दोनों खिलाड़ियों को कोई बढ़त नहीं मिल सकी और अंततः तीन बार एक जैसी चाल दोहराए जाने के कारण मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ।अन्य मुकाबलों में हिकारू नाकामुरा ने मैथियास ब्लूबाउम के खिलाफ ड्रॉ खेला, वेइ ई ने आद्रेई एसिपेंको को हराया, जबकि आर. प्रज्ञानानंदा और फैबियानो कारुआना के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा। सिंदारोव के इस प्रदर्शन ने उन्हें विश्व शतरंज के सबसे बड़े मंच पर पहुंचा दिया है और अब सभी की नजरें उनके और डी. गुकेश के बीच होने वाले खिताबी मुकाबले पर टिकी हैं।

शेन वार्न के बेटे का आरोप, कोविड टीकों से हुई उसकी पिता की मौत

सिडनी। दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर शेन वार्न की मौत के चार साल बाद, उनके बेटे जैक्सन वार्न ने एक हैरान करने वाला खुलास किया है। जैक्सन का मानना है कि उनके पिता की अचानक हुई मौत का कारा कोविड-19 टीके रहे होंगे। वार्न का 2022 में थाईलैंड में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था, उस समय उनकी आयु 52 वर्ष थी।

जैक्सन ने अपने पिता के स्वास्थ्य से जुड़ी कुछ समस्याओं को स्वीकार किया, लेकिन साथ ही कोविड टीकों को उनकी मौत का संभावित कारण बताया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, 'मुझे पक्का लगता है कि इसमें कोविड टीके का प्रभाव रहा है। मुझे नहीं लगता कि अब यह कहने से किसी तरह का विवाद पैदा होगा।' जैक्सन ने साथ ही कहा, 'भले ही उनके पिता को पहले से ही कुछ स्वास्थ्य समस्याएं थीं, पर मेरा मानना है किटीका लगाने के कारण उनकी बीमारी बढ़ गयी थी। यह एक ऐसी बात है जिससे मैं हमेशा सोचता रहता हूं।'जैक्सन ने भावनात्मक रूप से बताया कि जब उन्हें पिता की मौत की खबर मिली, तो उनकी पहली प्रतिक्रिया यही थी कि उन्होंने तुरंत सरकार और कोविड टीकों को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा, 'जैसे ही मैंने फोन रखा तो मेरी पहली प्रतिक्रिया यही थी कि मैंने तुरंत सरकार को दोषी ठहराया। मैंने तुरंत कोविड और टीके को दोषी ठहराया।' जैक्सन ने बताया कि उन्होंने शोक सभा में अपने इन विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने से खुद को बड़ी मुश्किल से रोका था। उन्होंने इसे एक समझदारी भरा कदम बताया, अन्यथा उनकी स्थिति बिल्कुल अलग होती। वार्न ने कथित तौर पर तीन या चार कोविड टीके लगवाए थे। जैक्सन के अनुसार, उनके पिता टीका नहीं लगवाना चाहते थे, लेकिन अन्य लोगों की तरह काम करने के लिए उन्हें मजबूरन इन्हें लेना पड़ा। जैक्सन ने कहा कि वह इस बारे में ज्यादा सोचना नहीं चाहते क्योंकि इससे केवल गुस्सा बढ़ता है, जो किसी के लिए भी अच्छा नहीं होता। अपने पिता की जीवनशैली के बारे में जैक्सन ने कहा कि धूम्रपान और शराब पीने के बावजूद, वह अपेक्षाकृत स्वस्थ और खुश थे। उन्होंने बताया, 'उस समय डैड स्वस्थ थे, खुश थे। वे काफी समय बाद इतने अच्छे दिख रहे थे। वह जरूर धूम्रपान करते थे और शराब पीते थे, लेकिन 80 और 90 वर्ष की उम्र के कई लोग भी उनकी तुलना में कहीं अधिक धूम्रपान करते हैं और शराब पीते हैं।' गौरतलब है कि वार्न निधन से कुछ महीने पहले कोविड-19 से संक्रमित हो गए थे पर किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित नहीं थे।

आईपीएल डेब्यू मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले 11 वे गेंदबाज हैं गुरजपनीत

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह ने अपने डेब्यू पहले ही मैच में एक अहम उपलब्धि हासिल की है। गुरजपनीत दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल को आउट करने के साथ ही पहले ही मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले आईपीएल इतिहास के 11 वें गेंदबाज बन गये हैं। गुरजपनीत से पहले 10 गेंदबाज इस विशिष्ट क्लब का हिस्सा थे। आईपीएल में सबसे पहले ये कारनामा ईशांत शर्मा ने किया था। ईशांत ने साल 2008 में कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच खेले गये पहले ही मैच की पहली गेंद पर विकेट लिया था। तब ईशांत ने बल्लेबाज राहुल द्रविड़ को क्लीन बोल्ड किया था। ईशांत का यह मैच में एकमात्र विकेट था। . उन्होंने इस मैच में तीन ओवर में केवल 7 रन दिए थे। साल 2008 में खेले गए आईपीएल के पहले सीजन में केकेआर ने ईशांत को 3.81 करोड़ रुपये में खरीदा था।

वहीं वर्तमान आईपीएल सत्र में ईशांत गुजरात टाइटंस में शामिल हैं पर उन्हें अंतिम ग-11 में जगह नहीं मिली है। उन्हें पिछले सत्र की नीलामी में खरीदने के बाद गुजरात ने रिटेन किया था। ईशांत शर्मा को आईपीएल में 100 से ज्यादा मैचों का अनुभव है। उनके नाम 117 मैचों में 96 विकेट हैं। ईशांत ने सात अलग-अलग टीमों से आईपीएल खेले हैं। आईपीएल डेब्यू में पहली गेंद पर विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में ईशांत के अलावा विल्किन मोटा और एस विद्युत व रवि तेजा ने भी साल 2008 में पहली ही गेंद पर विकेट लिए थे। वहीं साल 2009 में शेन हारवुड, अमित सिंह, चार्ल लैंगवेल्ट, केविन पीटरसन ने ये रिकार्ड बनाया था। साल 2010 में केवल अली मुर्तजा

ने ही पहली गेंद पर विकेट लिया था। साल 2012 में टीपी सुधींद्र, 2013 में एडम गिलक्रिस्ट व हनूम बिहारी, 2019 में अल्जारी जोसेफ जबकि 2022 में डेवाल्ट ब्रिविस, 2022 में मथीसा पथिराना व 2025 में अश्विनी कुमार ने पहले ही मैच में विकेट लिए थे।

आमिर खान प्रोडक्शंस की 'एक दिन' से साई पल्लवी कर रही हैं अपना बॉलीवुड डेब्यू, परफॉर्मेंस में देखने मिलेगा रॉ केमिस्ट्री' और इमोशंस का जादू

साई पल्लवी की हिंदी डेब्यू फिल्म एक दिन में देखने मिलेगी उनकी इमोशनल डेप्थ और रॉ केमिस्ट्री की झलक

जब से साई पल्लवी और जुनैद खान स्टारर एक दिन का ट्रेलर और गाने रिलीज़ हुए हैं, आमिर खान प्रोडक्शंस की इस फिल्म ने जबरदस्त बज क्रिएट कर दिया है। अरिजीत सिंह की रूहानी आवाज़ ने फिल्म के संगीत में जो जान फूंकी है, उसने दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता को और भी ज्यादा बढ़ा दिया है।

आमिर खान प्रोडक्शंस की एक दिन, जिसमें साई पल्लवी और जुनैद खान नज़र आने वाले हैं, एक प्यारी, जादुई और दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी का वादा करती है जिसने पहले ही दर्शकों का ध्यान खींच लिया है। अपने दिलचस्प ट्रेलर और सुकून देने वाले संगीत के साथ, फिल्म ने उत्साह को और बढ़ा दिया है, जो रोमांस का एक ऐसा ताज़ा अंदाज़ पेश करती है जिसे कई लोग बड़े पर्दे पर मिस कर रहे थे।

फैंस विशेष रूप से साई पल्लवी को एक दिन के साथ हिंदी सिनेमा में कदम रखते देखने के लिए उत्साहित हैं। रिलीज़ से पहले, इंडस्ट्री के एक सूत्र ने स्क्रिप्ट पर साई के रिएक्शन और फिल्म की गहरी केमिस्ट्री और इमोशनल गहराई के बारे में खुलासा किया है।

इंडस्ट्री के सूत्र ने बताया, 'जब से साई ने एक दिन की स्क्रिप्ट सुनी, उनका रिएक्शन तुरंत 'हाँ' था, वह पूरी तरह से इसकी ओर खिंची चली आईं। वह फिल्म की रॉ केमिस्ट्री और इमोशनल गहराई से गहराई से जुड़ गईं, और उन्हें लगा कि यह एक ऐसी कहानी है जो वास्तव में सबसे अलग है!'

ट्रेलर में उनके किरदार की झलक देखने को मिली, जिसमें साई पल्लवी, जुनैद के किरदार के विपरीत काफी शांत और आत्मविश्वासी नज़र आ रही हैं। उनकी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और नैचुरल परफॉरमेंस साफ तौर पर बताती है कि वह क्यों साउथ की सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक हैं और अब हिंदी सिनेमा में अपनी छाप छोड़ रही हैं।

एक दिन एक लंबे अंतराल के बाद आमिर खान और फिल्म निर्माता मंसूर खान को फिर से साथ लाती है, जो हिंदी सिनेमा की सबसे पसंदीदा क्रिएटिव जोड़ियों में से एक है। साथ मिलकर, उन्होंने दर्शकों को 'कयामत से कयामत तक', 'जो जीता वही सिकंदर', 'अकेले हम अकेले तुम' और 'जाने तू... या जाने ना' जैसी यादगार फिल्में दी हैं। एक दिन के साथ, यह जोड़ी रोमांस जॉनर में वापसी कर रही है, जिससे फैंस के बीच नया उत्साह पैदा हो गया है। उनके एक बार फिर साथ आने ने उत्सुकता बढ़ा दी है, और दर्शक उस जादू को बड़े पर्दे पर फिर से देखने के लिए बेताब हैं।

आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी एक दिन में साई पल्लवी और जुनैद खान मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन सुनील पांडे ने किया है और निर्माण आमिर खान, मंसूर खान और अपर्णा पुरोहित द्वारा किया गया है। यह फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

साउथ में मिले प्यार पर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने की बात

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने हाल ही में अपने करियर और आगामी प्रोजेक्ट पर बात की। इसी के साथ उन्होंने उन खास अवसरों को लेकर भी चर्चा की, जो हाल के दिनों में फिल्म इंडस्ट्री में महिला कलाकारों को मिले हैं। बातचीत में तमन्ना ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर खुशी जाहिर की और कहा, 'मैं अपने सभी प्रोजेक्ट्स के एक-एक करके रिलीज होने को लेकर बेहद खुश हूं'।

तमन्ना भाटिया ने इंडस्ट्री में खुद को मिलने वाले काम के मौकों के प्रति खुशी जताई। साथ ही कहा कि अधिकांश सितारों को ऐसे मौके नहीं मिलते, खासकर महिलाओं को। तमन्ना ने कहा, 'यह बहुत दिलचस्प है। ज्यादातर कलाकारों को और शायद खासकर महिला कलाकारों को इस तरह का मौका नहीं मिलता। मेरे करियर को 21 साल हो चुके हैं, लेकिन मुझे अब भी ऐसा लगता है जैसे मैं फिर से बिल्कुल नए सिरे से शुरुआत कर रही हूं'।

अभिनेत्री ने साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में मिले बेशुमार प्यार और स्वीकार्यता पर अपनी बेहद खुशी भी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'एक एक्टर के तौर पर मुझे भी इसमें एक ताजगी का एहसास होता है। और, मुझे लगता है कि दर्शक भी लगातार मेरे प्रति बहुत प्यार और अपनापन दिखा रहे हैं। उन्होंने मुझे सचमुच बहुत ही प्यार से अपनाया है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि भारत के साउथ में मुझे बहुत ज्यादा स्वीकार्यता मिली है'।

तमन्ना भाटिया की आगामी फिल्म

तमन्ना ने आगे कहा, 'भारत के बाकी सभी हिस्सों से भी मुझे जिस तरह का प्यार और अपनापन मिल रहा है, वह मेरे लिए सचमुच रोमांचक है। साथ ही बहुत विनम्र कर देने वाला अनुभव है। और इसलिए, मैं लगातार ऐसे तरीके ढूंढ रही हूं, जिनसे मैं इस प्यार को किसी न किसी रूप में वापस लौटा सकूं'। वर्क फ्रंट की बात करें तो तमन्ना भाटिया दीपक मिश्रा और अरुणाभ कुमार की फिल्म 'वीवन' में नजर आएंगी। एकता कपूर द्वारा प्रोड्यूस की गई इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा भी हैं। यह फिल्म इस साल रक्षाबंधन के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

जेलर 2 से क्यों अलग हुए शाहरुख खान

शाहरुख खान और रजनीकांत, दोनों अपनी अपकमिंग फिल्मों को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच खबर आई कि शाहरुख खान और रजनीकांत पर्दे पर एक-साथ नजर आ सकते हैं। खबरें थीं कि शाहरुख खान फिल्म 'जेलर 2' में कैमियो करने वाले थे। हालांकि ताजा अपडेट में पता चला है कि शाहरुख खान ने इस प्रोजेक्ट से खुद को अलग कर लिया है। अब अभिनेता अपनी अपकमिंग फिल्म 'किंग' पर ध्यान देना चाहते हैं। 'जेलर 2' के मेकर्स ने खान से एक कैमियो रोल के लिए संपर्क किया था। इसकी शूटिंग में लगभग 5 दिन लगते। शुरू में एक्टर इसके लिए तैयार थे। हालांकि, खान ने अपने ऑनस्क्रीन प्रेजेंस की खासियत बनाए रखने के लिए इसे मना कर दिया। बताया जाता है कि खान ने खुद रजनीकांत से बात की और भविष्य के किसी प्रोजेक्ट पर साथ काम करने की अपनी इच्छा जाहिर की।

'किंग' के लिए खास लुक

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक खान ने गुजारिश की थी कि 'जेलर 2' की रिलीज 'किंग' के बाद रखी जाए। इसकी वजह यह थी कि वह चाहते थे कि उनका अपीयरेंस सिर्फ उसी फिल्म के लिए खास रहे। 'किंग' में उनका एक खास लुक है। वह नहीं चाहते कि उससे पहले किसी और फिल्म में उनका वैसा ही लुक हो। 'जेलर 2' के मेकर्स ने इसे अगस्त में रिलीज करने का प्लान बनाया था।

मेकर्स कैमियो पर कर रहे विचार

मेकर्स अब कैमियो रोल के लिए दूसरे विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। हाल ही में, मेकर्स ने घोषणा की थी कि फिल्म लगभग पूरी होने वाली है और यह प्रोजेक्ट अपने पोस्ट-प्रोडक्शन के अंतिम चरण में पहुंच गया है। शाहरुख खान की 'किंग' 24 दिसंबर 2026 को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है। इसके निर्देशक सिद्धार्थ आनंद हैं। इसमें दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ और अरशद वारसी जैसे कई बड़े कलाकार शामिल हैं। इसमें शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान भी होंगी।

विक्रांत मैसी ने किया खुलासा क्यों लिया था फिल्मों से ब्रेक

एक्टर विक्रांत मैसी ने दिसंबर 2024 में अपने फैंस को चौंका दिया था, जब उन्होंने फिल्मों से ब्रेक लेने का ऐलान किया। इसके बाद इंडस्ट्री के प्रेशर और नेपोटिज्म को लेकर कई तरह की चर्चाएं होने लगीं। लेकिन अब विक्रांत ने साफ किया है कि उन्होंने यह फैसला क्यों लिया था। विक्रांत ने अपनी पत्नी शीतल ठाकुर के साथ परिणीति चोपड़ा के शो 'मॉम टॉक्स' में पैरेंटहुड के अपने अनुभव शेयर किए। उन्होंने बताया कि वर्धान के जन्म के समय उनका काम बहुत ज्यादा था, जिससे वह शारीरिक और मानसिक रूप से थक गए थे। इसी वजह से उन्होंने परिवार को प्राथमिकता देने का फैसला लिया। उन्होंने कहा, 'आप जानते हैं कि हम खुद को इमोशनल, शारीरिक और मानसिक रूप से कितना देते हैं। एक नए पिता के तौर पर मेरा ध्यान हमेशा घर पर ही रहता था। मैंने ये तक नहीं सोचा कि मैं क्या कर रहा हूं या क्यों कर रहा हूं। मैं बस अपने काम जल्दी खत्म करना चाहता था ताकि वर्धान और शीतल के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिता सकूं।'

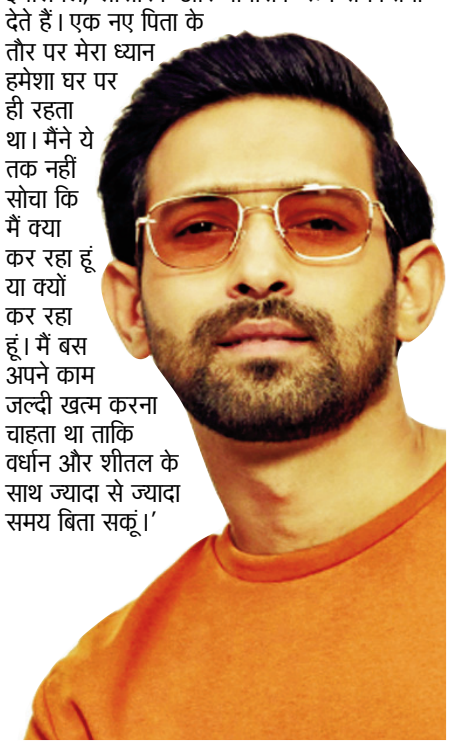

आदिवी शेष ने की अपनी को-एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर की तारीफ

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर तेलुगु-हिंदी फिल्म 'डकैत: एक प्रेम कथा' में नजर आ रही हैं। इस फिल्म में उनके साथ आदिवी शेष प्रमुख भूमिका में हैं। अब आदिवी शेष ने मृणाल की जमकर तारीफ की है और उन्हें फिल्म के लिए सबसे अच्छी चीजों में से एक बताया है। हालांकि, मृणाल की फिल्म में एंट्री एक अन्य एक्ट्रेस के फिल्म से बाहर होने के बाद हुई है।

बातचीत के दौरान आदिवी शेष ने मृणाल ठाकुर की तारीफ करते हुए कहा कि मैंने आज तक जितने भी लोगों से मुलाकात की है, उनमें से वह सबसे ज्यादा जमीन से जुड़ी हुई हैं। जब भी हम सीन पर चर्चा करते थे, वह सचमुच जमीन पर बैठ जाती थीं। वह एक बेहद खूबसूरत अभिनेत्री हैं और मुझे लगा कि उन्होंने जो कुछ भी किया, वह कमाल का था। उनकी आंखों में जो सहानुभूति और भाव झलकते हैं, वैसा मैंने पहले कभी नहीं देखा। स्क्रीन पर उन्हें देखते ही लोगों के साथ एक झटपट जुड़ाव महसूस होता है।

शूटिंग के शुरुआती दिनों को याद करते हुए आदिवी शेष ने कहा कि पहले कुछ दिनों तक मृणाल हर दिन अलग मूड में सेट पर आती थीं। हमें समझ नहीं आ रहा था कि क्या हो रहा है। एक दिन वह खुश और चुलबुली होती थीं और अगले ही दिन गंभीर हो जाती थीं। हालांकि, तीसरे दिन मुझे एहसास हुआ कि वह बस सीन के हिसाब से प्रतिक्रिया दे रही थीं। वह सेट पर आने से पहले ही तैयारी कर रही थीं और वास्तव में उस किरदार के मूड में ढल रही थीं, जिसे वह निभाने वाली थीं।

भारतीय सिनेमा का गर्व: 'बाहुबली: द इटरनल वॉर' का एनेसी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ सिलेक्शन

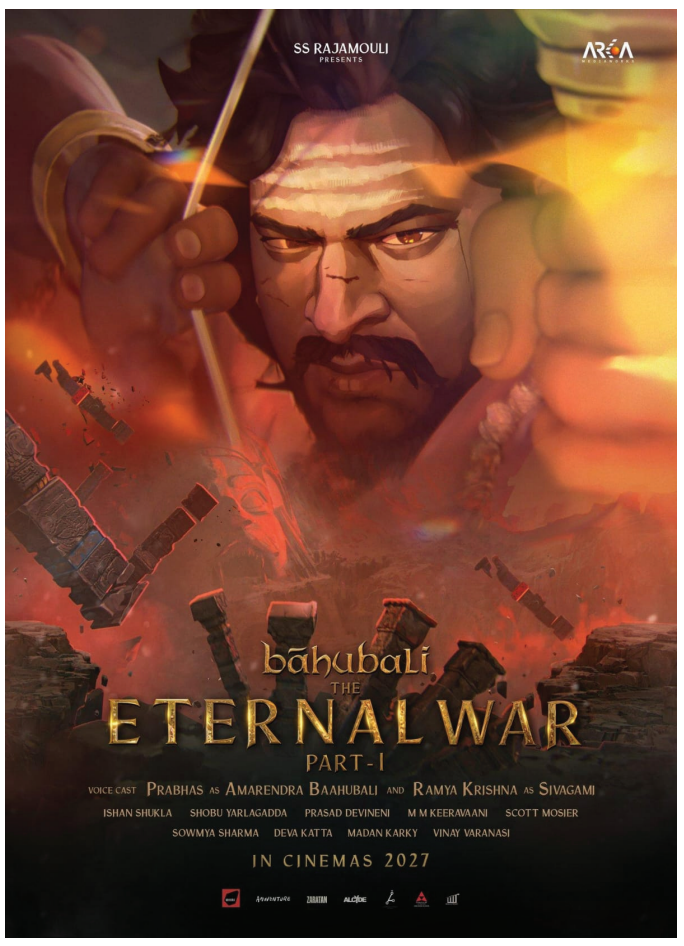

बाहुबली फ्रैंचाइज़ी, जिसमें 'बाहुबली: द बिगिनिंग' और 'बाहुबली: द कंक्लूजन' जैसी दो मेगा ब्लॉकबस्टर फिल्में शामिल हैं, भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े ब्रांड्स में से एक है। यह दुनिया भर में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली भारतीय सामग्री में से एक है और इसकी अपनी एक अलग पहचान है। जहाँ थिएटरों में इसने रिकॉर्ड तोड़े और नए बेंचमार्क सेट किए, वहीं अब मेकर्स इसे 'बाहुबली: द इटरनल वॉर' के साथ एक नए लेवल पर ले गए हैं, जिसके टीज़र ने ही ग्लोबल लेवल पर लहर पैदा कर दी है। अब एक और बड़ा ग्लोबल इम्पैक्ट डालते हुए, इस फिल्म को प्रतिष्ठित एनेसी इंटरनेशनल एनिमेशन फिल्म फेस्टिवल के लिए चुना गया है।

'बाहुबली: द इटरनल वॉर' अपनी रिलीज से काफी पहले ही दुनिया भर में चर्चा बटोर रही है। एनेसी इंटरनेशनल एनिमेशन फिल्म फेस्टिवल के 'वर्क इन प्रोग्रेस' (Work in Progress) सेगमेंट में चुने जाने के साथ, यह फिल्म उन चुनिंदा भारतीय एनिमेशन फिल्मों में शामिल हो गई है जिन्हें इस प्रतिष्ठित प्लेटफॉर्म पर दिखाया जाएगा। खास बात यह है कि 'स्पाइडर-वर्स' और 2025 में बेस्ट एनिमेशन का ऑस्कर जीतने वाली फिल्म 'फ्लो' (Flow) भी इसी सेगमेंट का हिस्सा रह चुकी हैं, जो बाहुबली फ्रैंचाइज़ी के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

'बाहुबली: द इटरनल वॉर' के मेकर्स ने जो टॉप-नॉच क्वालिटी और टेक्निकल बारीकियां हासिल की हैं, वे टीज़र में ही साफ़ नज़र आ रही थीं। इसके साथ ही, इस फ्रैंचाइज़ी ने निश्चित रूप से भारतीय एनिमेशन सिनेमा के स्तर को ऊपर उठाया है और वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत छाप छोड़ी है।

एनेसी इंटरनेशनल एनिमेशन फिल्म फेस्टिवल हर साल जून के आखिरी हफ्ते में फ्रांस के एनेसी शहर में होता है। यह अलग-अलग तकनीकों (ट्रेडिशनल, कट-आउट, क्लेमेशन, CGI, आदि) से बनी एनिमेटेड फिल्मों के बीच एक कॉम्पिटिशन है। फेस्टिवल के दौरान, शहर के सिनेमाघरों में फिल्मों की स्क्रीनिंग के अलावा, शहर के केंद्र में झील और पहाड़ों के बीच 'पाक्वियर' (Pâquier) पर एक ओपन-एयर नाइट प्रोजेक्शन भी आयोजित किया जाता है। फेस्टिवल के टॉपिक के हिसाब से विशाल स्क्रीन पर क्लासिक या हालिया फिल्में दिखाई जाती हैं। शनिवार शाम को सभी पुरस्कार विजेताओं के नामों की घोषणा की जाती है।

'बाहुबली: द इटरनल वॉर' दो भागों वाला एक एनिमेटेड महाकाव्य है, जिसका निर्देशन पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता ईशान शुक्ला ने किया है। पार्ट 1 का टीज़र पहले ही रिलीज़ हो चुका है और फिल्म 2027 में रिलीज़ होने वाली है।

संक्षिप्त समाचार

क्यूबा ने अमेरिका को ललकारा, दे डाली धमकी

हवाना, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा में सैन्य हमले की हाल ही में दी धमकी पर क्यूबाई राष्ट्रपति ने जबरदस्त ऐतराज जताते हुए अमेरिका को ललकारा है। क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल ने देश में आए ईंधन संकट के बाद पहली बार हुंकार भरी। कहा, अमेरिका के पास सैन्य हमला करने या उन्हें सत्ता से हटाने का कोई वैध कारण नहीं है। उन्होंने कहा, क्यूबा पर किसी भी तरह का आक्रमण महंगा साबित होगा और क्षेत्रीय सुरक्षा को प्रभावित करेगा। एनबीसी न्यूज के 'मीट द प्रेस' कार्यक्रम को दिए साक्षात्कार में डियाज-कैनेल ने कहा कि यदि अमेरिका ने कोई भी अप्रिय कदम उठाया तो क्यूबा के लोग अपना बचाव करेंगे। उन्होंने कहा, ऐसा समय आने पर मुझे नहीं लगता कि अमेरिका के पास क्यूबा के खिलाफ सैन्य आक्रमण शुरू करने या किसी 'सर्जिकल ऑपरेशन' अथवा राष्ट्रपति के अपहरण का कोई औचित्य होगा। डियाज-कैनेल ने कहा, यदि ऐसा हुआ तो लड़ाई होगी, संघर्ष होगा और हम अपना बचाव करेंगे। जरूरत पड़ी तो हम मरेंगे भी।

प्रशांत महासागर में नशा तस्करी में शामिल दो नौकाओं पर हमले, 5 मरे

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिकी सेना के मुताबिक, उसने पूर्वी प्रशांत महासागर में मादक पदार्थ की तस्करी में शामिल दो नौकाओं पर हमला कर उन्हें तबाह कर पांच लोगों को मार गिराया। इनमें से एक व्यक्ति बच गया है। यह घटना ऐसे समय हुई है जब डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन लातिन अमेरिका में कथित तस्करों के खिलाफ अभियान चला रहा है और साथ ही ईरानी बंदरगाहों की नौसैनिक नाकेबंदी की तैयारी कर रहा है। शनिवार को हुए हमलों के बाद, ट्रंप प्रशासन द्वारा सितंबर की शुरुआत में 'नार्को आतंकवादी' कहे जाने वाले लोगों को निशाना बनाना शुरू करने के बाद से अमेरिकी सेना द्वारा नावों पर किये गए हमलों में मारे गए लोगों की संख्या कम से कम 168 हो गई है।

पाकिस्तान : बलूचिस्तान में हजारा शिया समुदाय के 2 लोगों की हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में शिया मुस्लिम हजारा अल्पसंख्यक समुदाय के दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में हुई इस घटना को लेकर सोमवार को क्षेत्र के शिया समुदाय ने तीखा विरोध दर्ज कराया और सरकार से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर सशक्त नीति बनाने की मांग की। क्वेटा में अज्ञात बंदूकधारी लोग दो मोटरसाइकल पर व्यापार के लिए सब्जियां खरीदने हजारगंज बाजार पहुंचे और गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी खैर सुमलानी के मुताबिक, ये बाइक सवार हजारा टाउन से आए थे। गोलीबारी में हजारा अल्पसंख्यक समुदाय के दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारी ने इसे सुनियोजित हत्या बताया। उधर, बलूचिस्तान के हजारा समुदाय के नेता अब्दुल खालिक हजारा ने इस घटना पर आक्रोश जताते हुए सरकार ने क्षेत्रीय हालात सुधारने के लिए कदम उठाने की मांग की है। समुदाय के लोगों ने सोमवार को हजारगंज बाजार की पुलिस चौकी भी घेरी और प्रदर्शन कर नारेबाजी की। फिलहाल घटना की किसी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन घटना के बाद पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी रही।

अमेरिका : नेवादा में आया भूकंप, 5.7 रही रिक्टर स्केल पर तीव्रता

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने बताया कि नेवादा के सिल्वर स्प्रिंग्स के पास 5.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे क्षेत्र के कुछ हिस्सों में झटके महसूस किए गए। एजेंसी ने बताया कि भूकंप का झटका 9 किलोमीटर (5.59 मील) की गहराई पर आया था। एक अलग घटना में, अमेरिका के कैलिफोर्निया क्षेत्र में 4.9 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप की तीव्रता पहले 5.1 बताई गई थी, लेकिन बाद में यूएसजीएस द्वारा इसे संशोधित करके 4.9 कर दिया गया। सैन जोस और कैलिफोर्निया के कई अन्य क्षेत्रों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। यूएसजीएस ने बताया कि भूकंप कैलिफोर्निया के बोल्डर क्रीक से एक किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व में आया। अमेरिकी सरकारी विज्ञान एजेंसी ने बताया कि भूकंप लगभग 8 :41 :25 यूटीसी (कैलिफोर्निया में लगभग 1 :41 बजे) पर 10.9 किलोमीटर की गहराई पर आया।

इस्लामाबाद असफल तो अब जिनेवा में हो सकती है अगली बैठक, दावा- तैयारी में जुटे अमेरिका-ईरान

जिनेवा , एजेंसी। अमेरिका और ईरान जल्द ही दूसरे दौर की कूटनीतिक वार्ता शुरू कर सकते हैं। दोनों देशों के बीच पिछले छह हफ्तों से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। दो अमेरिकी अधिकारियों और घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक अन्य व्यक्ति के अनुसार, दोनों देश अगले सप्ताह मौजूदा युद्धविराम के समाप्त होने से पहले एक समझौते तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए वे आमने-सामने बैठकर नई बातचीत करने पर विचार कर रहे हैं।

एसोसिएटेड प्रेस के सूत्रों के अनुसार, वार्ता के नए दौर को लेकर अभी चर्चा चल ही रही है। वहीं मध्यस्थता करने वाले देशों में से एक के राजनयिक ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि तेहरान और वाशिंगटन बातचीत के लिए पूरी तरह सहमत हो गए हैं। इन सभी चारों सूत्रों ने कूटनीतिक संवेदनशीलता के कारण नाम न छापने की शर्त पर एपी को यह जानकारी दी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि इस बार की वार्ता में भी पिछली बार के स्तर के ही उच्च अधिकारी या प्रतिनिधिमंडल हिस्सा लेंगे या नहीं।

कहां और कब हो सकती है वार्ता : राजनयिक और अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि वार्ता की मेजबानी के लिए एक बार फिर पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के नाम पर चर्चा हो रही है। इसके अलावा

अमेरिकी अधिकारियों ने जिनेवा (स्विट्जरलैंड) को भी एक संभावित विकल्प बताया है। हालांकि, अभी तक स्थान और समय को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है, लेकिन सूत्रों का मानना है कि यह वार्ता गुरुवार को हो सकती है।

ट्रंप का बयान और वाइट हाउस की प्रतिक्रिया : सोमवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने संवाददाताओं से बातचीत में इस ओर इशारा करते हुए कहा था कि 'दूसरे पक्ष ने हमसे संपर्क किया है। वे एक समझौता करना चाहते हैं।' दूसरी ओर, इस पूरे मामले और संभावित नई वार्ता पर टिप्पणी के लिए जब वाइट हाउस से संपर्क किया गया, तो उनकी तरफ से तत्काल कोई प्रतिक्रिया या जवाब नहीं मिला।

अमेरिका-ईरान के बीच अगले दौर की वार्ता जल्द संभव: पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ : पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि ईरान और अमेरिका के बीच अगले दौर की बातचीत जल्द ही होने की उम्मीद है। शनिवार को दोनों देशों के बीच 21 घंटे तक चली बातचीत 1979 के बाद अपनी तरह की पहली वार्ता थी, जिसमें दोनों पक्षों के शीर्ष अधिकारियों ने हिस्सा लिया था। हालांकि, वीकेंड पर पाकिस्तान में हुई इस लंबी बातचीत के बाद भी दोनों पक्ष युद्ध को खत्म करने के लिए किसी स्थायी शांति समझौते तक पहुंचने में विफल रहे।

सकारात्मक दिशा में बढ़ रहे प्रयास : सोमवार को संसद भवन के बाहर मीडिया से बात करते हुए ख्वाजा आसिफ ने कहा कि वार्ता के बाद एक तरह के 'संतोष की भावना' है, क्योंकि अब तक कोई नकारात्मक घटनाक्रम सामने नहीं आया है। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार, जब आसिफ से पूछा गया कि क्या पाकिस्तान इस क्षेत्र के भविष्य को तय करने में निर्णायक भूमिका निभाएगा, तो उन्होंने जवाब दिया कि अंतिम फैसले अल्लाह के हाथ में हैं।

अमेरिका का रुख: वार्ता क्यों विफल रही : इस्लामाबाद में हुई इस वार्ता में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने किया था। वेंस ने कहा कि ईरानी पक्ष ने युद्ध समाप्त करने की वाशिंगटन की शर्तों को स्वीकार नहीं किया, जबकि अमेरिका ने अपनी तरफ से अंतिम और सबसे बेहतरीन पेशकश सामने रखी थी। वार्ता विफल होने के कुछ ही घंटों बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ईरान के साथ बातचीत इसलिए विफल रही क्योंकि ईरान अपनी परमाणु महत्वाकांक्षाओं को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है।

युद्ध का बैकग्राउंड और पाकिस्तान की भूमिका : दोनों देशों को बातचीत की मेज पर लाने में पाकिस्तान ने कूटनीतिक पहल का नेतृत्व किया है। यह इस सप्ताह की शुरुआत में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की उस अपील के बाद संभव हो सका, जिसके चलते युद्ध में अस्थायी विराम लगा था। गौरतलब है कि यह संघर्ष 28 फरवरी को तब शुरू हुआ था, जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले शुरू किए थे। इस युद्ध के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार बुरी तरह प्रभावित हुआ है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार ठप पड़ गया है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि अगर उन्हें लगेगा कि ईरान उनकी शर्तों को मानने के लिए तैयार है।

वियतनाम ने डेंगू बुखार के बढ़ते मामलों को लेकर दी चेतावनी

हनोई , एजेंसी। वियतनाम में डेंगू संक्रमण का प्रकोप देखने को मिल रहा है। अब तक देश में 30 अधिक से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि चार मौतें हो चुकी हैं। इसी बीच, वियतनाम के स्वास्थ्य मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि डेंगू संक्रमण के मामले और बढ़ सकते हैं। स्थानीय दैनिक अखबार 'न्हान डैन' ने मंगलवार को बताया कि इस साल की शुरुआत से अब तक देश में 31,927 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें चार मौतें भी शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकांश मामले दक्षिणी इलाकों में केंद्रित हैं। वहीं, समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की रिपोर्ट के अनुसार, वियतनाम रोग निवारण प्रशासन के उप निदेशक वो हाई सोन ने कहा कि अगर रोकथाम और नियंत्रण के उपायों को सख्ती से लागू नहीं किया गया, तो निकट भविष्य में संक्रमण के मामले और बढ़ सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, स्वास्थ्य विभाग संक्रमण के प्रकोप की मॉनिटरिंग और उसे नियंत्रित करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है, साथ ही रोग की रोकथाम के बारे में जन जागरूकता अभियान भी तेज कर रहा है। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब गर्मी और उमस भरा मौसम जल्दी शुरू हो गया है व बारिश अनियमित हो रही है, जिससे मच्छरों के पनपने के लिए अनुकूल स्थितियां बन गई हैं। पिछले साल वियतनाम में डेंगू बुखार के 181,000 से अधिक मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें 36 लोगों की मौत हुई थी। डेंगू एक वायरल संक्रमण है, जो मच्छरों के काटने से इंसानों में फैलता है। जिन लोगों को डेंगू होता है, उनमें से अधिकांश में कोई लक्षण दिखाई नहीं देते। जिन लोगों में लक्षण दिखते हैं, उनमें सबसे आम लक्षण तेज बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द, जी मिचलाना और शरीर पर चकत्ते पड़ना है। अधिकांश लोग 1-2 सप्ताह में ठीक हो जाते हैं। कुछ लोगों में डेंगू गंभीर रूप ले लेता है, जिसके लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़ती है। गंभीर मामलों में, डेंगू जानलेवा भी हो सकता है।

ईरान का विश्वास हासिल करना ही अमेरिका के लिए मौजूदा स्थिति से निकलने का रास्ता: बाकेर कालिबाफ

तेहरान , एजेंसी। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर क़ालिबाफ ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए मौजूदा स्थिति से बाहर निकलने का एकमात्र तरीका यह है कि वह अपना निर्णय ले और ईरानी राष्ट्र का विश्वास हासिल करे। उन्होंने यह टिप्पणी पाकिस्तान की अपनी यात्रा से ईरान लौटते समय पत्रकारों को संबोधित करते हुए की, जहां उन्होंने अपने साथ आए प्रतिनिधिमंडल के साथ अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ शांति वार्ता में भाग लिया था। क़ालिबाफ ने कहा, 'संयुक्त राज्य अमेरिका ईरानी जनता का ऋणी है और उसे इसकी भरपाई के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। उन्होंने कहा, 'अगर वे लड़ेंगे, तो हम भी लड़ेंगे और अगर वे तर्क के साथ आगे आते हैं, तो हम तर्क से जवाब देंगे। हम किसी भी धमकी के सामने झुकेंगे नहीं। वे हमारी इच्छाशक्ति को एक बार फिर परख सकते हैं और हम उन्हें और बड़ा सबक सिखाएंगे। ' क़ालिबाफ ने पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई वार्ता को 'बहुत गहन, गंभीर और चुनौतीपूर्ण' बताया। उन्होंने कहा कि सक्षम विशेषज्ञों के सहयोग और व्यापक व विविध दृष्टिकोण के साथ, ईरान के प्रतिनिधिमंडल ने देश की सद्भावना दिखाने के लिए 'बेहतरीन पहल' तैयार कीं, 'जिससे बातचीत में प्रगति हुई। उन्होंने जोर देकर कहा, 'हमने शुरू से ही घोषणा की थी कि हमें अमेरिकियों पर भरोसा नहीं है। हमारे अविश्वास की दीवार 77 साल पुरानी है। यह ऐसे समय में है जब 12 महीनों से भी कम समय में उन्होंने बातचीत के दौरान दो बार हम पर हमला किया। इसलिए, उन्हें ही हमारा विश्वास जीतना होगा। क़ालिबाफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के खिलाफ हालिया धमकियों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसी धमकियों का ईरानी जनता पर कोई असर नहीं पड़ता। ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधिमंडलों ने शनिवार और रविवार तड़के इस्लामाबाद में लंबी बातचीत की। ये वार्ताएं किसी समझौते पर नहीं पहुंच सकीं। यह बातचीत 40 दिनों की लड़ाई के बाद बुधवार को ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच युद्धविराम की घोषणा के बाद हुई थी।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री भारत-जर्मनी विदेश कार्यालय परामर्श के लिए बर्लिन पहुंचे

बर्लिन , एजेंसी। विदेश सचिव विक्रम मिस्री भारत-जर्मनी विदेश कार्यालय परामर्श के लिए बर्लिन दौरे पर पहुंचे हैं। वे दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा और क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। विदेश सचिव मंगलवार (भारतीय समयानुसार) तड़के बर्लिन पहुंचे, जहां जर्मनी में भारत के राजदूत अजीत गुप्ते ने उनका स्वागत किया। जर्मनी स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'विदेश सचिव विक्रम मिस्री भारत-जर्मनी विदेश कार्यालय परामर्श के लिए बर्लिन पहुंच गए हैं। यह यात्रा जनवरी 2026 में चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की भारत की सफल यात्रा के बाद हो रही है, और यह भारत व जर्मनी के बीच नियमित संवाद को दर्शाती है।' भारतीय राजदूत अजीत गुप्ते ने भी सोशल मीडिया के जरिए

भी विदेश सचिव मिस्री का बर्लिन में स्वागत किया। भारतीय राजदूत ने 'एक्स' पोस्ट में कहा, 'उनकी यह यात्रा भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी के संपूर्ण दायरे की समीक्षा करने, द्विपक्षीय एजेंडे के प्रमुख स्तंभों पर चर्चा को आगे बढ़ाने व क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का एक अवसर प्रदान करती है।' इससे पहले, विदेश मंत्रालय (एमईए) ने उनकी यात्रा की घोषणा करते हुए बताया था कि विदेश सचिव मिस्री, जर्मनी के विदेश कार्यालय के राज्य सचिव गेजा एंड्रियास वॉन गेयर के साथ मिलकर भारत-जर्मनी विदेश कार्यालय परामर्श की सह-अध्यक्षता करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा, 'चर्चाओं में द्विपक्षीय सहयोग के विविध क्षेत्र शामिल होंगे, जिनमें व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, विकास सहयोग, शिक्षा और लोगों के बीच आपसी संबंध व आपसी हित के वैश्विक और क्षेत्रीय मामले शामिल हैं।' विदेश सचिव के वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से भी मुलाकात करने की उम्मीद है। यह यात्रा विदेश सचिव की पेरिस यात्रा के ठीक बाद हो रही है, जहां उन्होंने सोमवार को फ्रांस के विदेश मंत्रालय के महासचिव मार्टिन ब्रिएन्स के साथ मिलकर भारत-फ्रांस विदेश कार्यालय परामर्श की सह-अध्यक्षता की थी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, चर्चाओं में विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी, जिसमें रक्षा, असैन्य परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष, साइबर और डिजिटल क्षेत्रों में सहयोग, एआई, नवाचार व मानवीय और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से की गई पहलें शामिल थीं। इससे पहले, भारतीय विदेश सचिव ने फ्रांस के यूरोप और विदेश मामलों के मंत्री जीन-नोएल बैरो से भी मुलाकात की।

व्हाइट हाउस के बाहर ट्रंप ने डिलीवरी एजेंट को दिए 100 डॉलर टिप, 'नो टैक्स ऑन टिप्स' नीति का किया जिक्र

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जुड़ा एक दिलचस्प और हल्का-फुल्का वाकया सोमवार को सामने आया, जब उन्होंने व्हाइट हाउस के बाहर डोरडैश की एक डिलीवरी लेने के दौरान डिलीवरी एजेंट को 100 डॉलर की टिप दी। डिलीवरी एजेंट शेरॉन सिमंस पहली बार व्हाइट हाउस आई थीं। एक रिपोर्टर ने उनसे पूछा कि क्या व्हाइट हाउस अच्छे टिपर हैं। सिमंस जवाब दे पातीं, उससे पहले ही ट्रंप ने अपनी जेब से 100 डॉलर का नोट निकालकर उन्हें टिप दे दी। इससे सिमंस काफी खुश नजर आईं और उन्होंने कहा, हां, बहुत अच्छे। धन्यवाद! इस दौरान सिमंस ने ट्रंप की

नो टैक्स ऑन टिप्स नीति का जिक्र करते हुए बताया कि इससे उन्हें फायदा हुआ है। बातचीत के बीच ट्रंप ने डेमोक्रेट्स पर निशाना साधते हुए उनकी नीतियों की आलोचना की और कहा कि वे अपनी नीतियों के दम पर चुनाव नहीं जीत सकते। इसी दौरान ट्रंप ने सिमंस से महिलाओं के खेलों में पुरुषों की भागीदारी को लेकर सवाल भी पूछा। सिमंस ने इस पर कोई स्पष्ट राय देने से इनकार कर दिया और कहा कि वह यहां सिर्फ नो टैक्स ऑन टिप्स के बारे में बात करने आई हैं।

वहीं, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस घटना को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए बताया कि ट्रंप की टैक्स नीति से सिमंस जैसी कामकाजी महिलाओं को सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सिमंस ने पिछले साल टिप्स से करीब 11,000 डॉलर कमाए, जिससे वह अपने परिवार का खर्च चला रही हैं।

असफल इस्लामाबाद वार्ता पर जेडी वेंस बोले- अमेरिका का रुख साफ, अब गेंद ईरान के पाले में

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच अब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कुछ दिन पहले इस्लामाबाद में हुए शांति वार्ता के असफल रहने के असली वजहों पर जोर देते हुए कई अहम और बड़े खुलासे किए। वेंस ने कहा कि बातचीत पूरी तरह विफल नहीं हुई, बल्कि इसमें कुछ प्रगति जरूर हुई है। दूसरी ओर वेंस ने इस बात पर भी जोर दिया कि शांति वार्ता को लेकर अमेरिका का रुख पूरी तरह से साफ है और अब बारी ईरान को अपना फैसला लेने की है। वेंस ने

इस बात को ऐसे कहा कि अमेरिका ने बातचीत को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है और अब गेंद ईरान के पाले में है।

वेंस ने कहा कि ईरान ने बातचीत में अमेरिका की दिशा में कुछ कदम बढ़ाए हैं, लेकिन अभी वह पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अब आगे की जिम्मेदारी ईरान पर है कि वह समझौते को आगे बढ़ाए। उन्होंने कहा कि हमने अच्छी प्रगति की है, लेकिन अभी समझौता पूरा नहीं हुआ है।

समझिए बातचीत क्यों रुकी: रिपोर्ट्स के मुताबिक, लगभग 21 घंटे चली इस बातचीत में मुख्य विवाद ईरान के परमाणु ईंधन संवर्धन को लेकर था। अमेरिका चाहता है कि ईरान अपनी परमाणु क्षमता सीमित करे, लेकिन ईरान इस पर पूरी तरह तैयार नहीं हुआ। ऐसे में वेंस ने यह भी कहा कि इस्लामाबाद में बातचीत के लिए जो टीम भेजी थी। उसके पास निर्णय लेने की क्षमता नहीं थी। वेंस ने कहा कि ईरानी टीम को कई फैसलों के लिए तेहरान से मंजूरी लेनी पड़ती है, इसलिए तुरंत समझौता नहीं हो पाया और ये वार्ता के असफल रहने का सबसे बड़ा कारण बना।

परमाणु कार्यक्रम को लेकर वेंस ने भी साफ किया रुख : वेंस ने साफ कहा कि वह पूरी तरह डोनाल्ड ट्रंप की इस बात से सहमत हैं कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार नहीं रखने दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर ईरान अमेरिका की रेड लाइन मान लेता है, तो यह दोनों देशों के लिए अच्छा समझौता हो सकता है। वेंस के अनुसार, अब अगला कदम ईरान को उठाना है क्योंकि अमेरिका ने बातचीत में कई प्रस्ताव पहले ही रख दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा ऊर्जा कीमतें लोगों के लिए मुश्किल पैदा कर रही हैं, लेकिन यह स्थिति हमेशा नहीं रहेगी और अमेरिका इस पर काम कर रहा है।

पीएम मार्क कार्नी की विशेष चुनावों में बड़ी जीत; लिबरल पार्टी को मिला बहुमत, 2029 तक सत्ता का रास्ता साफ

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी ने विशेष चुनावों में अहम जीत दर्ज करते हुए संसद में पूर्ण बहुमत हासिल कर लिया। इस जीत के साथ अब सरकार को कानून पारित कराने के लिए विपक्षी दलों के समर्थन की जरूरत नहीं होगी। संसद की 343 सीटों में से तीन खाली सीटों पर हुए चुनाव में लिबरल उम्मीदवारों ने शानदार प्रदर्शन किया।

टोरंटो के यूनिवर्सिटी-रोसडेल सीट से डेनिएल मार्टिन और स्कारबोरो साउथवेस्ट से डॉली बेगम ने जीत हासिल की। क्यूबेक की एक सीट का परिणाम देर रात तक आना बाकी था, लेकिन वहां भी लिबरल पार्टी को बढ़त मिलने की संभावना जताई गई।

लिबरल पार्टी का कार्यकाल अब 2029 तक रह सकता है : इस जीत के बाद लिबरल पार्टी का कार्यकाल अब 2029 तक जारी रह सकता है, जिससे सरकार को स्थिरता और अपनी नीतियों को लागू करने के लिए मजबूत आधार मिलेगा।

कार्नी ने ट्रूडो की जगह ली : कार्नी, जिन्होंने 2025 में पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की जगह ली थी, पिछले साल के आम चुनाव में भी जीत दर्ज कर चुके हैं। उनकी जीत में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कथित एनेक्सेशन (विलय) जैसे बयानों के खिलाफ कनाडाई जनता के गुस्से की बड़ी भूमिका रही।

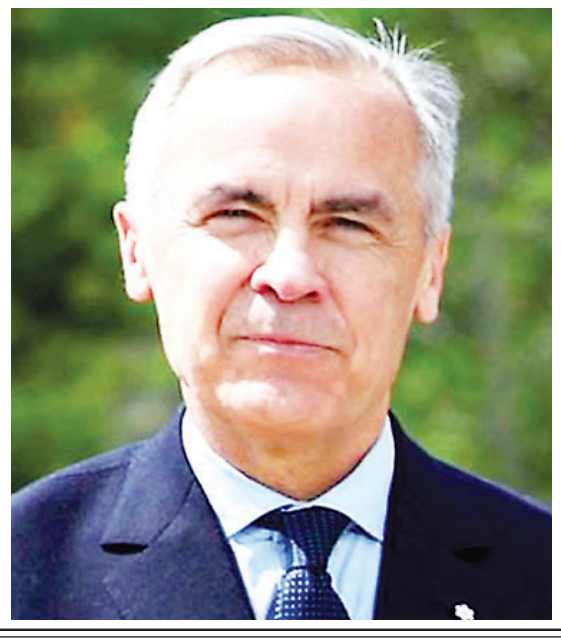

विपक्षी दलों के नेता लिबरल पार्टी में हुए थे शामिल : हाल के महीनों में विपक्षी दलों के पांच सांसदों, जिनमें चार कंजरवेटिव पार्टी से थे। उनके लिबरल पार्टी में शामिल होने से सरकार पहले ही बहुमत के करीब पहुंच गई थी। इन सांसदों में से एक ने दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में कार्नी के भाषण को अपने फैसले की वजह बताया, जिसमें उन्होंने बड़ी शक्तियों द्वारा छोटे देशों पर आर्थिक दबाव की आलोचना की थी।

क्या है विशेषज्ञों की राय : राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका-कनाडा संबंधों में आई गिरावट ने भी कार्नी के पक्ष में माहौल बनाया। मॉन्ट्रियल स्थित मैकगिल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डैनियल बेलांद का कहना है कि कार्नी तेजी से एक प्रभावशाली और लोकप्रिय नेता के रूप में उभरे हैं।

कंजरवेटिव नेता की प्रतिक्रिया : वहीं, यह नतीजा कंजरवेटिव नेता पियरे पोइलिव्रे के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वे पहले ही पिछला आम चुनाव और अपनी संसदीय सीट हार चुके थे, हालांकि बाद में संसद में वापसी कर चुके हैं। पार्टी के भीतर भी उनकी पकड़ कमजोर बताई जा रही है। पोइलिवर ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वे देश और संसद में अपनी लड़ाई जारी रखेंगे और अगले चुनाव में कनाडा को फिर से वापस लेने की कोशिश करेंगे।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.